दैनिक

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी – मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य...

4 अभिव्यक्ति – सकारात्मकता का नया सवेरा...

9 मनोरंजन/खेल – बाजीगर में डबल रोल में काम करने वाली थी...

11 व्यापार – आत्मनिर्भर भारत अभियान से उम्मीद...

www.navpradesh.com | रायपुर, शुक्रवार 15 मई 2020, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-अष्टमी , विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-94 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

चरमराती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए जैसे ही बीस लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की गई है, कैलकुलेटर की डिमांड बढ़ गई है। सभी लोग फिल्म मालामाल वीकली और धमाल के किरदार बन कर हिसाब लगा रहे है कि उनके हिस्से में कितना पैसा आएगा? आएगा भी या नहीं आएगा? तात्कालीन पीएम स्वर्गीय राजीव गांधी ने कहा था कि केन्द्र से चला एक रुपया हितग्राही के हाथों में पहुंचते तक 15 पैसे के रूप में तब्दील हो जाता है। अब स्थिति थोड़ी बदली है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि शायद अठन्नी नहीं तो चवन्नी जरूर हाथ लगेगी।

प्रदेश धीरे-धीरे सामान्य कामकाज की ओर अग्रसर : मुख्यमंत्री

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गतिशील और मजबूत बनाने के लिए लॉकडाउन जैसे संकट के समय में श्रमिकों को मनरेगा, आदिवासियों को लघु वनोपज संग्रहण तथा किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों की जेब में पैसा डालने का काम कर रही है। हमारा प्रदेश धीरे धीरे सामान्य कामकाज की ओर अग्रसर हो रहा हैं। कल की कैबिनेट की बैठक में ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं जो राज्य में आर्थिक गतिविधियों को और तेज करेंगे।

बैठक में हमने एक निर्णय लिया जिसका क्रियान्वयन हम अपने स्वप्न दृष्टा नेता पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की पुण्य तिथि के दिन 21 मई से प्रारंभ करेंगे। राजीव गांधी किसान न्याय योजना बहुत ही दूरगामी निर्णय है और छत्तीसगढ़ के किसानों को इस संकट की घड़ी में संजीवनी प्रदान करने वाला निर्णय ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- ■ संकट की घड़ी में संजीवनी साबित होगा राजीव गांधी किसान न्याय योजना
- ■ प्रदेश में कोरोना से ठीक होने वालों का औसत 93% से ज्यादा

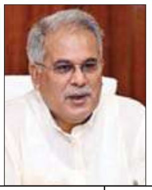

किसान, मजदूरों व आदिवासियों की जेब में डाला जा रहा पैसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मजदूरों, किसानों और आदिवासियों की जेब में पैसे डालने का काम कर रही है। लोगों की जेब में पैसा आने से इसका असर व्यापार और व्यवसाय पर पड़ेगा और अर्थव्यवस्था बराबर संचालित होती रहेगी। उन्होंने केन्द्र सरकार से मनरेगा को कृषि कार्य से जोडऩे का आग्रह किया है। मनरेगा के काम बारिश तक चलेंगे। यदि मनरेगा को कृषि से जोड़ा जाता है तो लोगों को निरंतर रोजगार मिलेगा, कृषि की लागत कम होगी और कृषि उत्पादन भी बढ़ेगा।

30 हजार करोड़ रुपए दे केंद्र

बघेल ने कहा कि राज्य में जरूरततंद परिवारों के लिए राहत और कल्याणकारी योजनाओं के संचालन तथा सामान्य कामकाज को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 30 हजार करोड़ की आर्थिक सहायता दी जाये। उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि औद्योगिक नीति में बेसपॉक पॉलिसी के तहत बायो एथेनॉल उत्पादन इकाईयों के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज देने का निर्णय लिया गया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

51 हजार करोड़ का प्रावधान धान, मक्का गन्ना फसल के लिए

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत हम राज्य में फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने और कृषि आदान सहायता हेतु खरीफ 2019 में पंजीकृत एवं उपार्जित रकबे के आधार पर धान, मक्का और गन्ना फसल के लिए 10 हजार रू. प्रति एकड़ की दर से अनुदान राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर करेंगे। इसके लिए हमने बजट में 5100 करोड़ रू. का प्रावधान भी किया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अच्छी खबर

एक और मरीज स्वस्थ, डिस्चार्ज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में अब कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या घटकर 3 हो गई है। दरअसल गरुवार को एम्स रायपुर ने सूरजपुर के एकऔर मरीज को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया। अंतिम दोनों रिपोर्ट निगेटिव आने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक कोरोना के कुल 59 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 56 मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इनमें से 54 मरीज एम्स रायपुर में ठीक हुए हैं। वहीं अब जिलावार एक्टिव पॉजिटिव केस की बात करें तो सूरजपुर से एक व दुर्ग से दो मरीज पॉजिटिव बचे हैं। इनका इलाज एम्स रायपुर में ही चल रहा है। राज्य में मरीज जल्द रिकवर हो रहे हैं।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	81,645	2,644
अमेरिका	1,433,613	85,342
ब्रिटेन	233,151	33,614
इटली	222,104	31,106
स्पेन	272,646	27,321
फ्रांस	178,060	27,074
ब्राजील	192,081	13,276
बेल्जियम	54,288	8,903
जर्मनी	174,098	7,861
ईरान	114,533	6,854
नीदरलैंड	43,481	5,590
कनाडा	72,278	5,302
मैक्सिको	40,186	4,220
टर्की	143,114	3,952
स्वीडन	28,582	3,529
स्वीट्जरलैंड	30,463	1,870

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 31122.89

निफ्टी- 9142.75

गोल्ड- 46275 (10 ग्रा.)

सिल्वर- 43127 (1 कि ग्रा.)

20 लाख करोड़ का पैकेज। दूसरे चरण में किसान, फेरी वालों, प्रवासी श्रमिकों, छोटे व्यापारियों पर फोकस

एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड; फेरी वालों के लिए 5 हजार करोड़ रु.

- ■ 2.5 करोड़ किसानों, पशुपालकों, मछआरों को मिलेगा 2-2 लाख का लोन
- ■ 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को 25 हजार करोड़ का कर्ज
- ■ शहरी गरीबों और प्रवासी मजदूरों के लिए केंद्र ने 11 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली/नवप्रदेश। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ब्योरा दिया। इस दौरान उन्होंने एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना समेत विभिन्न वर्गों के लिए पैकेज में किए कई अहम प्रावधानों का ऐलान किया। इसके तहत अगस्त तक 23 राज्यों में 67 करोड़ लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा। दूसरे दिन किसानों से लेकर रेहड़ी पटरी वालों पर भी फोकस रहा। सीतारमण ने ऐलान किया कि लॉकडाउन से प्रभावित 50 लाख फेरी वालों के लिये 5,000 करोड़ रुपये दिये जायेंगे। ढाई करोड़ किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 2-2 लाख रुपये का लोन मिलेगा। 25 लाख नये किसान क्रेडिट कार्डधारकों को 25,000 करोड़ रुपये का कर्ज मंजूर किया गया। मुद्रा शिशु लोन के दायरे में जो आते हैं, उन्हें ब्याज से राहत दी जाएगी। मुद्रा शिशु लोन लेने वालों के ब्याज में 2 फीसदी की छूट होगी, इसका खर्चा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अब एक साल में मिलेगा ग्रेच्युटी लाभ

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार लेबर कोड के जरिए श्रमिकों के हित में बड़े बदलाव करने जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभी संसद में लंबित है और वहां से पास होने के बाद श्रमिकों को इसका लाभ मिलेगा। इसमें यह भी प्रवधान किया गया है कि ग्रेच्युटी का लाभ कर्मचारियों को 5 साल की बजाय एक साल की नौकरी के बाद ही मिलने लगेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार लेबर कोड के जरिए देशभर में सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिलाएगी। अभी केवल 30 पर्सेंट कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन मिल पाता है। सरकार लेबर कोड पर काम कर रही है इसके तहत सभी कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी राज्यों में न्यूनतम वेतन में अंतर को खत्म किया जाएगा।

वित्तमंत्री की अन्य प्रमुख बातें

- ■■ *तीन करोड़ छोटे किसान पहले ही कम ब्याज दर पर चार लाख करोड़ रुपये का कर्ज ले चुके हैं।*
- ■■ *आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की दूसरी किस्त में प्रवासी मजदूरों, फेरी वालों और छोटे किसानों को मिलेगा लाभ।*
- ■■ *क्राप लोन के लिए इंटरेस्ट सबवेंशन जारी रहेगा।*
- ■■ *मार्च और अप्रैल 2020 केवल दो महीने में 63 लाख लोगों के लिये 86,000 करोड़ रुपये मूल्य के कर्ज मंजूर किये गये।*
- ■■ *रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए मार्च महीने में राज्यों को 4200 करोड़ रुपये दिए गए हैं।*
- ■■ *नाबार्ड बैंक द्वारा को-ऑपरेटिव बैंक और रिजनल रूरल बैंक को मार्च में 29,500 करोड़ रुपये की री-फाइनेंसिंग की गई है।* ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रेहड़ी वालों को कर्ज व शिशु मुद्रा लोन को ऐसे समझें

- ■■ *50 लाख रेहड़ी वालों को शुरुआत में वर्किंग कैपिटल के करीब 10 हजार रुपये मिलेंगे जिससे कारोबार की शुरुआत हो सके।*
- ■■ *शिशु मुद्रा लोन में रिजर्व बैंक ने तीन महीने का मॉरिटोरियम दिया है, लेकिन इसके बाद समस्या हो सकती है तो शिशु मुद्रा लोन में 50,000 रुपये तक लोन लेने वाले को मॉरिटोरियम के बाद 2 फीसदी सबवेंशन स्कीम यानी ब्याज में छूट का फायदा अगले 12 महीने के लिए होगा। 3 करोड़ लोगों को इससे कुल 1500 करोड़ रुपये का फायदा होगा।*

अब चक्रवाती तूफान से तीन दिन तक गिर सकता है पानी

■ 16 मई को प्रभावी हो सकता है तूफान, 17 से तीन दिन तक बारिश के आसार

रायपुर/नवप्रदेश। मौसम का बदलता मिजाज थमने का नाम नहीं ले पा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अब 16 मई को चक्रवाती तूफान आ सकता है। इस दौरान 70 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम केंद्र, रायपुर की मानें तो इस तूफान के असर से छत्तीसगढ़ में 17, 18 व 19 मई को छत्तीसगढ़ में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान आकाशीय बिजली की घटनाएं भी देखन को मिल सकती है। वहीं मौसम विभाग ने यह अनुमान भी जताया है कि वर्तमान में मानसून के लिए अनुकूल परिस्थिति है।

इसलिए प्रबल होगा तूफान

बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व क्षेत्र में एवं इससे लगे हुए दक्षिणी अंडमान सागर में लो प्रेशर का एरिया बना है। इसके चलते यह तूफान प्रबल हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत के अनेक शहरों में मौसम बदल सकता है। यहां 70 किमी प्रति घंटा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अफसर-कर्मियों की गोपनीय चरित्रावली पर कोरोना इफेक्ट

- ■ गोपनीय प्रतिवेदन लिखे जाने की अवधि में 1 माह की वृद्धि
- ■ मुख्य सचिव आरपी मंडल द्वारा परिपत्र जारी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य शासन द्वारा कोरोना संक्रमण से उत्पन्न स्थिति के कारण शासकीय सेवकों की गोपनीय चरित्रावली लिखे जाने की समय-सीमा में केवल वर्ष 2019-20 की अवधि के लिए एक माह की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में मुख्य सचिव आर. पी. मण्डल द्वारा सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागीय कमिश्नरों और कलेक्टरों को परिपत्र जारी कर दिया गया है। जारी परिपत्र के अनुसार सेल्फ असेसमेंट प्रस्तुत करने की तिथि 30 अप्रैल को बढ़ाकर 30 मई, प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन का मतांकन 15 मई ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बिना शर्त मुझसे पैसे लें, पर मेरे खिलाफ केस बंद करें

नई दिल्ली(वार्ता)। बैंको के साथ नौ हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में वांछित भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर सरकार से अपना कर्ज लौटाने की पेशकश स्वीकार करने और मुकदमों को बंद करने की गुहार लगाई है। विजय माल्या ने ट्वीट कर कहा, कोविड-19 राहत पैकेज के लिए सरकार को बधाई, सरकार जितना चाहे उतने नए नोट छाप सकती है, किंतु मेरे जैसे छोटे योगदानकर्ता की पेशकश की लगातार अनदेखी की जा रही है जो सरकारी बैंकों का शत प्रतिशत कर्ज वापस करने को तैयार है। कृपया बिना शर्त मुझसे पैसे लीजिए और मेरे खिलाफसारे मामले बंद कीजिए।

कांग्रेस कर रही है, भगोड़े नीरव का बचाव: भाजपा

नई दिल्ली। *भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह करोड़ों रुपय के गबन करके विदेश भागे कारोबारी नीरव मोदी के बचाव में बेशर्मी से खड़ी हो गयी है और उसके भारत में प्रत्यर्पण के सरकार के प्रयासों का विरोध कर रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं देश के कानून एवं आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एक संवाददाता* ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बस-ट्रक की टक्कर, 8 मजदूर मृत, 55 घायल

महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश जा रहे थे मजदूर

गुना/ (वार्ता)। मध्यप्रदेश के गुना जिला मुख्यालय के पास बायपास मार्ग पर बस और ट्रक की टक्कर के कारण आठ श्रमिकों की मौत हो गयी और 55 घायल हो गए। ये श्रमिक उत्तरप्रदेश निवासी हैं, जो महाराष्ट्र से अपने गृहराज्य वापस लौट रहे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार तड़के हुयी इस दुर्घटना में ट्रक में सवार श्रमिकों की मौत हो गयी। घायलों को यहां जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। सूत्रों ने कहा कि केंट थाना क्षेत्र में तड़के लगभग तीन बजे यह हादसा उस समय हुआ जब श्रमिकों को ले जा रहे ट्रक की सामने से आ रही बस से टक्कर हो गयी। बताया गया है कि ट्रक महाराष्ट्र से उत्तरप्रदेश के उन्नाव जिले की तरफजा रहा था।

रायगढ़ के क्वारंटाइन सेंटर में युवक ने की आत्महत्या

तेलंगाना के हॉट स्पॉट से दोस्त के साथ आया था

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ के सारंगढ़ थानांतर्गत अमलीपाली क्वारंटाइन सेंटर में ठहरे एक शख्स ने बुधवार की रात आत्महत्या कर ली। शख्स का नाम अर्जुन निषाद है। उसके दोस्तों की मानें तो कुछ दिनों से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह कहा करता था कि भूत आ गया है। भगवान बुला रहा हैज। और आखिरकार उसने बुधवार की देर रात क्वारंटाइन सेंटर के कमरे में स्थित पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उसने अपने गमछे से ही फंदा बनाया था।

इशारों में करने लगा था बात

सारंगढ़ थाने के टीआई आशीष वासनिक ने नवप्रदेश को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 मई को तेलंगाना के हॉटस्पाट सिद्धपेठ से अर्जुन व उसका साथ रायगढ़ के सारंगढ़ आए थे। उन्हें अमलीपाली के क्वारंटाइन सेंटर में अलग कमरे में ही रखा गया था। लेकिन दोस्तों के मुताबिक उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। वह किसी से ठीक से बात भी नहीं करता था। मां व भाई मिलने आए तो उनसे भी इशारों में ही बात कर रहा था। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

विडम्बना डेढ़ लाख नाई, सैलून और ब्यूटी पार्लर वालों को रोजी-रोटी के लाले

पब्लिक पर प्रतिबंध, लॉकडाउन में नेता-अफसर चकाचक!

सुकांत राजपूत

रायपुर। सैलून ऐसा व्यवसाय है जिसमें हर जाति और धर्म के लोग आते हैं। इस व्यवसाय से जुड़े कर्मचारी गरीब और अमीरों की सेवा करते हैं। राज्य में डेली नीड्स की दुकानें खुल गईं, किराना कारोबार भी धड़ल्ले से चल रहा है। आवश्यक सेवाएं तो कभी बंद ही नहीं किया गया। काफी गुणा-गणित के बाद शराब कारोबार भी खुल गया। जिन्हें रियायत मिली और धंधा शुरु हुआ वो सब जरुरी भी हैं और लाखों लोगों की दरकार वाले भी। ऐसे में सैलून, ब्यूटी पार्लर और स्पा सेंटर जैसे रोजगार पर तालाबंदी और सख्ती समझ से परे है। जबकि सैलून-पार्लर की जरुरत औसतन सप्ताह में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- ■ कर्नाटक में राज्य सरकार दे रही 5000 की सहायता
- ■ दुर्ग में कलेक्टर ने दी सेलून, पार्लर की सशर्त अनुमति

आम के लिए रोक, खास के लिए छूट

आम लोगों की दाढ़ी बढ़ गई, काले बाल सफेद हो गए। हर कोई लॉकडॉउन में बेतरतीब सा हो गया है। इसकी खास वजह है सेलून, पार्लर पर सख्ती से लॉकडाउन का पालन करवाया जाना। तालाबंदी के बाद एक तरह से सभी कारोबारियों के लिए राहत, रियायत और छूट मिली सिवाय सेलून के। इतनी सख्ती के बाद भी एक तबका है जो चकाचक है। कहा जाए तो राजनेता, मंत्री, विधायक, सांसद और नौकरशाहों की सेलून बंद होने के बाद भी प्रॉपर हेयर कटिंग, शेविंग जांच का विषय है। क्या सभी खुद अपने हाथों से यह सब कर ले रहे हैं या ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हम पालन करेंगे, सहायता भी तो करें- सर्व सेन समाज

लॉकडाउन का पालन करते हुए समाज के लोगों ने सेलून तो बंद रखे हैं। उन्हें आर्थिक समस्या हो रही है। इस समस्या को लेकर सर्व सेन समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्टोरेट पहुंच मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाज के लोगों को राहत दिलाने की मांग करते हुए आर्थिक सहायता एवं सेलून दुकान व गांवों में कार्य प्रारंभ करने की अनुमति देने की मांग मुख्यमंत्री से की गई है। शनिवार को सर्व सेन समाज धमतरी के जिलाध्यक्ष धनसिंह सेन, संरक्षक मोहित सेन, सेलुन संघ अध्यक्ष देबूराम शॉडिल्य ने कलेक्ट्रेट ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आरक्षण फार्म में गंतव्य का पूरा पता लेगा रेलवे

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय रेलवे ने फैसला किया है कि विशेष ट्रेनों में आरक्षण के लिए भरे जाने वाले विवरण में यात्री के गंतव्य का पूरा पता भी लिया जाएगा ताकि ज़रूरत पड़ने पर उससे तुरंत संपर्क साधा जा सके। रेलवे बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट में आरक्षण फॉर्म में इस निर्णय के क्रियान्वयन में आवश्यक संशोधन करने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार यदि कोई यात्री कोरोना संक्रमित पाया जाता है और उसके सहयात्री उस समय तक अपने गंतव्य चले जाते हैं तो ऐसे में प्रोटोकॉल के मुताबिक उन्हें ढूंढ़ना और उनकी जांच कराना एक मुश्किल काम होता है। सभी यात्रियों के गंतव्य का पूरा पता होने की दशा में ये परेशानी नहीं होगी।

लॉकडाउनः मां-इंजन, बैग-बोगी, नींद में बच्चा... जिंदगी की यह गाड़ी रुला रही है

नई दिल्ली (ए.)। मजबूरी बेहद बुरी होती है। लॉकडाउन में जो बस किसी तरह अपने घर पहुंच जाना चाहते हैं, उनकी मजबूरी समझिए। दूसरे राज्यों में फंसे मजदूर पैदल घरों की तरफनिकले हैं तो कोई वजह रही होगी। यूं ही किसी गाड़ी के नीचे आकर कुचले जा रहे। मजबूरी एक पल में मौत से दो-चार करा रही है। कोई इस एहसास से थोड़े ही निकलता है कि राह में दम तोड़ देगा। मौत तो बिन बताए आती है। कुछ की मंजिल बेहद करीब थी, इतनी कि सिर्फकुछ घंटों में घर पहुंच जाते। मगर होनी को शायद उनके परिवार को और दुख देने थे। अपने घर जाने की कोशिश में जान गंवा बैठे प्रवासियों के परिवार का दर्द महसूस कीजिए। उन्हें मजदूर ही रहना चाहिए था, मजबूर नहीं बनने देना था। हश्र सब देख रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 13 मई की रात एक भयानक हादसा हुआ। बिहार के कुछ मजदूर पंजाब में फंसे थे और पैदल ही निकल पड़े। झोले में पूड़ियां बांध रखी थीं कि भूख लगेगी तो खा लेंगे। बड़ा लंबा सफर है। स्टेट हाइवे के रोहाना टोल प्लाजा पर रोडवेज बस उनको कुचलती हुई निकल गई। वो पूड़ियां सड़क पर बिखर गईं, उनमें मजदूरों का खून मिल गया। बिस्कुट के कुछ पैकेट जो शायद जिस्म को बुरी तरह थका देने वाले इस सफर में थोड़ा ताकत देते, वो खुलकर ताश के पत्तों जैसे उस खौफनाक दृश्य के बीच बिछ गए।

रुला जाएगी जिंदगी की ऐसी गाड़ी

रेल का इंतजार करते-करते महीने भर से ज्यादा गुजर गए। जब चली भी तो जाने वाले लाखों में थे और सीटें चंद हजार। मरता क्या ना करता, हजारों मजदूर पैदल ही अपना परिवार लेकर निकल पड़े। पंजाब से उत्तर प्रदेश के महोबा के लिए निकले एक जत्थे की तस्वीर देखिए। एक बच्चा है, उसे आप इस सफर का यात्री मानिए। एक ट्रॉली-बैग है, उसे ट्रेन समझिए। तो ट्रेन पर वो यात्री पसरा हुआ। दोनों हाथों से बैग के दोनों छोर पकड़े हैं, गिरने का भी खतरा है। और इस ट्रेन को खींच रही है एक मजबूर मां। उसे चलते जाना है मगर बच्चे को तो नींद आती है। उसे क्या समझ कि क्यों उसकी मां अचानक निकल पड़ी है यूं पैदल। कहां जा रही है, उसे कुछ आइडिया नहीं।

मजदूरों के लिए कुछ सेफ नहीं

दो दिन पहले की बात है। हैदराबाद से ओडिशा जा रहे एक मजदूर की पैदल चलते-चलते भद्राचलम के पास तबीयत खराब हो गई। सीने में दर्द उठा, उलटी की, फिर गश खाकर सड़क पर ही गिर पड़ा। साथ चल रहे लोगों ने पुलिस को बताया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। डॉक्टर ने बताया कि लू लगने से मौत हुई। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में हुए रेल हादसे के वीभत्स नजारे पूरे देश ने देखे। रेल की पटरियों पर बिखरी रोटियां गवाह थीं कि भूख किस कदर मजबूर करती है। 16 मजदूरों के ऊपर से मालगाड़ी गुजर गई। वहीं के वहीं दम तोड़ दिया। 5 और घायल हो गए। सब गहरी नींद में थे। संभलने का कोई मौका मिला ही नहीं।

पैदल निकले, घर से थोड़ी दूर पहले मौत

पिछले सप्ताह, गुजरात से उत्तर प्रदेश जा रहे संतराज नाम के मजदूर की राजगढ़ के पास पैदल चलते-चलते अचानक तबीयत खराब हो गई। थोड़ी देर में उसने दम तोड़ दिया। महाराष्ट्र से निकले सिद्धार्थनगर के आशिक खान झांसी बॉर्डर पर बेहोश हो गए थे। अगली सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। सिद्धार्थनगर के तीन और मजदूर भी घर वापसी की कोशिश में बेहद करीब आकर चूक गए। हैदराबाद से एक ट्रक में निकले मजदूरों को भी घर नसीब नहीं हुआ। गोरखपुर के सहजनवां के पास ट्रक पलट गया और दो लोग मारे गए।

सहारा मिला पर काल ने पीछा नहीं छोड़ा

पिछले महीने की बात है। यूपी के फतेहपुर निवासी दो भाई दिल्ली में मजदूरी करते थे। लॉकडाउन हुआ तो दोनों भाई और बड़े भाई की पत्नी फंस गए। किसी तरह पैदल ही घर की ओर बढ़ चले। अलीगढ़ पहुंचे तो रास्ते में गेहूं ले जा रहा ट्रैक्टर मिला जिसे उनकी हालत देख दया आ गई। थोड़ी दूर का सहारा मिला तो तीनों उसपर सवार हो गए। मगर काल को तो आना ही था। पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने टक्कर मारी और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

कोरोना से तो बच जाएंगे, मौत से नहीं

लॉकडाउन के बाद केरल में काम करने वाले कुछ मजदूरों ने सोचा कि अपने घर तमिलनाडु लौट चला जाए। बीच में जंगल पड़ता था तो पकड़े जाने का भी डर नहीं था। मजदूर अपने परिवार लेकर निकल पड़े कुल 10 लोग थे। जिनमें एक साल की बच्ची भी शामिल थी। बदकिस्मती देखिए कि उसी वक्त जंग में आग लग गई। वो मासूम बच्ची उस आग में जलकर मर गई, उसकी दादी भी झुलसने से मरीं। दो और लोग भी मारे गए। 27 मार्च को हैदराबाद में एक लॉरी ने ट्रक को टक्कर मारी। ट्रक में बैठे लोगों में से आठ की मौत हो गई। वो सब कर्नाटक अपने घर जा रहे थे। मरने वालों में 18 महीने का बच्चा, 9 साल की बच्ची भी थे। उन्होंने तो गरीबी चुनी नहीं थी।

बिहार, एमपी में सड़क हादसों में मरे मजदूर

बिहार के समस्तीपुर में शंकर चौक के पास बस और ट्रक की टक्कर में कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 12 लोग घायल हो गए हैं। बस मुजफ्फरपुर से कटिहार जा रही थी। इसमें करीब 32 प्रवासी मजदूर सवार थे। वहीं, मध्य प्रदेश के गुना में बीती रात एक बस और ट्रक की टक्कर में 8 मजदूरों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 50 लोग घायल हुए हैं। सभी मृतक 8 मजदूर महाराष्ट्र से चले थे और यूपी में अपने-अपने गांव जा रहे थे।

मॉब लिंचिंगः जबरन छुट्टी पर भेजे गए एसपी की वापसी के लिए ऑनलाइन कैम्पेन

मुंबई। पालघर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह को अचानक से छुट्टी पर भेजे जाने के पांच दिन बाद वहां के स्थानीय लोगों ने उन्हें फिर से वापस लाने के लिए एक ऑनलाइन कैम्पेन शुरू किया है। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने एक आदेश जारी किया था, जिसके बाद आईपीएस अधिकारी को जबरन छुट्टी पर भेज दिया गया। वे पालघर भीड़ हत्या मामले से जुड़े थे, जिसमें तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

पालघर लिंचिंगः कोर्ट ने 51 आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा

वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में पिछले महीने हुई दो साधुओं समेत तीन लोगों की लिंचिंग के मामले में बुधवार (13 मई) को स्थानीय अदालत ने 51 आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा है। आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) एम वी जवाले के समक्ष पेश किया गया था। इस घटना के मद्देनजर पालघर जिला ग्रामीण पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन प्राथमिकियां दर्ज की हैं। पहली प्राथमिकी के संबंध में अदालत ने सात में से छह आरोपियों को 19 मई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया है, जबकि एक किशोर आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के पास भेजा गया। पुलिस पर हमले और हत्या के प्रयास में दर्ज हुई दूसरी प्राथमिकी के संबंध में सभी 106 आरोपियों को अदालत के सामने पेश किया गया। जिनमें से पांच आरोपियों को 16 मई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया, जबकि बाकी 101 आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए। इसी बीच, पुलिस ने तीसरी प्राथमिकी के सिलसिले में 101 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें से 40 आरोपियों को 18 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। स्थानीय पुलिस और राज्य क्राइम ब्रांच ने इस घटना के संबंध में कुल 134 लोगों को गिरफ्तार किया था।

केन्द्र सरकार ने गरीबों के लिए किया बड़ा ऐलान

बिना राशन कार्ड वालों को मुफ्त अनाज देगी सरकार

नई दिल्ली (वार्ता)। केन्द्र सरकार ने गरीबों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए अगले दो महीने तक सभी प्रवासी मजदूरों को बिना कार्ड के ही 5 किलो प्रति व्यक्ति गेहूं या चावल और एक किलो चना प्रति परिवार देने का फैसला किया है। केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इससे करीब 8 करोड़ प्रवासियों को फायदा होगा। इस पर करीब 3500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

अगस्त में लागू होगा वन नेशन वन राशन कार्ड

वित्तमंत्री ने ऐलान किया है कि उन्होंने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड को अगस्त 2020 तक लागू किया जाएगा। इसके बाद जो प्रवासी मजदूर देश के किसी भी कोने में हैं अपने राशन कार्ड से राशन डिपो जाकर राशन ले सकते हैं। ये राशन कार्ड किसी भी राज्य का हो, देश में हर जगह मान्य रहेगा। इससे 23 राज्यों को 67 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा। पीडीएस योजना के 83 फीसदी लाभार्थी इससे जुड़ जाएंगे। मार्च 2021 तक इसमें 100 फीसदी लाभार्थी जुड़ जाएंगे। देश के किसी भी कोने में लोग अपने राशन कार्ड से उचित मूल्य दुकान से राशन ले सकते हैं। रेहड़ी-पटरी और ठेले पर समान बेचने वाले 50 लाख लोगों को लोन देने के लिए 5 हजार करोड़ लोन की व्यवस्था की गई है। इस स्कीम में प्रति व्यक्ति अधिकतम 10 हजार रुपये लोन मिलेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होम लोन पर मिडल क्लास को मिलने वाली सब्सिडी की समयसीमा मार्च 2021 तक के लिए बढ़ा दी गई है। इसमें 6 लाख से 18 लाख तक की आय वालों को होता है फायदा। यह स्कीम मार्च, 2020 खत्म हो गई थी।

किसानों को 4.2 लाख करोड़ के लोन मोराटोरिम की सुविधा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि 3 करोड़ किसानों ने 4.22 लाख करोड़ रुपये के लोन पर लोन मोराटोरियम की सुविधा ली है। इसके अलावा ब्याज पर छूट, फसलों पर इंसेंटिव को 31 मई 2020 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं। इन पर लोन लिमिट 25 करोड़ होगी। ग्रामीण इलाकों में मार्च और अप्रैल महीने में 63 लाख ऋण मंजूर किए गए, जो करीब 86 हजार 600 करोड़ रुपए का है। गांव में कॉओपरेटिव बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनमें मार्च 2020 में नाबार्ड ने 29 हजार 500 करोड़ रुपए की रिफाइनैसिंग की है। रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 4200 करोड़ रुपये मार्च 2020 तक दिए गए हैं।

मनरेगा में 10 करोड़ खर्च करेगी सरकार

वित्त मंत्री ने कहा कि अब तक मनरेगा पर 10 करोड़ खर्च किया गया है। 2.33 करोड़ मजदूरों को मनरेगा के तहत काम दिया गया है। श्रमिकों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी में भेदभाव खत्म करेंगे। मजदूरों की दिहाड़ी 182 रुपये से बढ़कार 202 रुपये कर दी गई है। मजदूरों की सालाना स्वास्थ्य जांच अनिवार्य होगी। गांव के आधारभूत ढांचे के लिए 4200 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने शहरी गरीबों और प्रवासी मजदूरों के लिए की घोषणा

सस्ते अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग स्कीम लाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को पीएम मोदी द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के दूसरे हिस्से की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार प्रवासी मजदूरों और शहरी गरीबों के लिए अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग स्कीम (किफायती किराया आवास योजना) लाएगी।

पीपीपी मॉडल पर किराये पर रहने के लिए घर बनाएं जाएंगे, जिनमें वे कम किराया देकर रह सकते हैं। इससे वे कम किराया देकर शहर में रह सकेंगे। जो उद्योगपति अपनी जमीन पर ऐसे घर बनाएंगे उन्हें प्रोत्साहन दिया जाएगा। राज्य सरकारों के साथ मिलकर भी इस काम को किया जाएगा। सरकार घर बनाने में प्राइवेट कंपनियों को मदद देगी। सरकारी जमीन पर अफोर्डेबल घर बनाए जाएंगे। अफोर्डेबल रेंटल कॉम्पलेक्स बनाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार अगले दो महीने तक सभी प्रवासी मजदूरों को बिना कार्ड के ही 5 किलो प्रति व्यक्ति गेहूं या चावल और एक किलो चना प्रति परिवार देगी। इससे करीब 8 करोड़ प्रवासियों को फायदा होगा। इस पर करीब 3500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

हाउसिंग लोन पर सब्सिडी योजना एक साल के लिए बढ़ी

वित्त मंत्री ने राहत पैकेज की दूसरी किस्त जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होम लोन पर मिडल क्लास को मिलने वाली सब्सिडी की समयसीमा मार्च 2021 तक के लिए बढ़ा दी गई है। इसमें 6 लाख से 18 लाख तक की आय वालों को होता है फायदा। यह स्कीम मार्च, 2020 खत्म हो गई थी।

उद्धव ठाकरे निर्विरोध एमएलसी बने, आठ अन्य भी निर्वाचित

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे बृहस्पतिवार को राज्य विधान परिषद के लिए निर्विरोध चुन लिए गए। इसके साथ ही उद्धव ठाकरे की मुश्किलें भी खत्म हो चुकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उद्धव ठाकरे मंगलवार या बुधवार को एमएलसी पद की शपथ लेंगे। उधर, उद्धव ठाकरे के अलावा आठ अन्य उम्मीदवारों को भी राज्य विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

अब फिलीपींस में तूफान 'अम्बो' से चार लाख लोगों को बचाने की तैयारी

मनीला(स्पूतनिक)। फिलीपींस में कोरोना वायरस महामारी के बीच चक्रवाती तूफान 'अम्बो' ने दस्तक दी है और इससे बाचने के लिए समर द्वीप के उत्तरी हिस्से से करीब 4,00,000 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार गुरुवार की तूफान 'अम्बो' ने समर द्वीप के पूर्वी हिस्से में स्थित सैन पोलीकारपो में भारी बारिश और आंधी के साथ दस्तक दे दी है। अम्बो के जल्द ही समर द्वीप के उत्तरी हिस्से में पहुंचने की आशंका है जहां से हजारों लोगों को सुरक्षित निकालने की जरूरत है। एबीएस-सीबीएन ब्रॉडकास्टर के अनुसार, देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि लोगों के निकालने के दौरान सामाजिक दूरी का पालन किया जाए जो कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जरूरी है। प्रांत के मुख्य आपदा अधिकारी जोश इचानो ने ब्रॉडकास्टर से कहा कि कुछ लोगों को कोविड-19 रोगियों के लिए बने ऐसे आसोलेशन केंद्रों में रखा जाएगा जिनका अभी इस्तेमाल नहीं किया गया है।

6 राज्यों में सर्वाधिक मरीज, 78 % मरीज और 88 फीसदी मौत

नई दिल्ली (ए.)। देश में कोरोना से बीते चौबीस घंटों के दौरान 134 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 3722 नए संक्रमण आए हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या 2549 तक पहुंच गई है। महाराष्ट्र समेत छह राज्यों में कोरोना से मौतें सर्वाधिक हैं। इन छह राज्यों में कोरोना से होने वाली मौतें सौ से अधिक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना संक्रमितों की संख्या 78003 हो गई है। देश में अब तक 19.47 लाख टेस्ट कराए जा चुके हैं। इनमें करीब चार फीसदी के करीब पॉजीटिव निकले हैं।

1849 मरीज स्वस्थ हुए

इस बीच राहत पहुंचाने वाली बात यह है कि बीते चौबीस घंटों के दौरान 1849 कोरोना मरीज स्वस्थ हुए हैं। स्वस्थ होने की दर 32 फीसदी से अधिक है। अब तक 24386 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। करीब-करीब एक तिहाई मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 49219 मरीजों का देश के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक मौतें

कोरोना से मरने वालों में 975 लोग अकेले महाराष्ट्र से हैं। बीते चौबीस घंटे के दौरान वहां 54 लोगों की मौतें हुई है। दूसरे नंबर पर गुजरात है जहां अब तक 566 मौतें हो चुकी हैं जिनमें से 29 मौतें पिछले चौबीस घंटों के दौरान हुई हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश में 232, पश्चिम बंगाल में 207, राजस्थान में 121 और दिल्ली में 106 मौतें हुई हैं। इस प्रकार इन छह राज्यों में अकेले 2207 मौतें हुई हैं जो कुल मौतों का करीब 88 फीसदी है।

6 राज्यों में सर्वाधिक मरीज

इन छह राज्यों में देश के करीब 75 फीसदी कोरोना मरीज भी हैं। इनमें महाराष्ट्र में 25922, गुजरात में 9267, तमिलनाडु में 9227, दिल्ली में 7998, राजस्थान में 4328 और मप्र में 4173 रोगी हैं। इन छह राज्यों में कुल 60915 कोरोना रोगी हैं। ये कुल मरीजों का 78 फीसदी मरीज हैं।

वैक्सीन आने के बाद भी रहेगा कोरोना का खतरा : रयान

जिनेवा (वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निदेशक(आपदा) डॉ माइक रयान ने कोरोना वायरस (कोविड 19) के भविष्य में खत्म होने संबंधी दावों को खारिज करते हुए चेतावनी दी है कि वैक्सीन का पता लगने के बाद भी इसके संक्रमण का खतरा बना रह सकता है। डा रयान ने बुधवार को स्विटजरलैंड में अंतरराष्ट्रीय जनस्वास्थ्य संघ के मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ये तथ्य बहुत महत्वपूर्ण हैं कि कोरोना वायरस कभी खत्म नहीं हो सकता और यह दूसरे संक्रामक रूप में हमारे समाज में सामने आ सकता है।

उन्होंने कहा, एचआईवी दूर नहीं हुआ है , लेकिन हम उसके बारे में ज्यादा जान गये हैं। अगर कोई अनुमान व्यक्त करता है कि यह बीमारी कब खत्म होगी , तो मैं इस पर यकीन नहीं कर सकता।

डॉ रयान ने कहा कि अगर वैक्सीन का पता लगा लिया जाये, तो भी इस संक्रमण पर नियंत्रण के लिए व्यापक प्रयासों की जरुरत होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 100 से भी अधिक वैक्सीन है , लेकिन खसरा जैसी अन्य बीमारियां वैक्सीन होने के बावजूद खत्म नहीं हो सकी हैं।

■ न्यूज गैलरी

लॉक डाउन में 1 लाख 66 हजार का मॉल बेचने वाला पकड़ाया

रायपुर। लॉक डाउन के दौरान जर्दा, गुटखा सहित किराना सामान नमक आदि मूल कीमत से अधिक दाम में बेचने का कार्य इन दिनों किराना व्यापारियों द्वारा जोर शोर से किया जा रहा है नेवरा थाने से मिली जानकारी के अनुसार मनोज कुमार भोई आयु 43 वर्ष पिता जनक राम भोई मिथलेश आयु 40 वर्ष पिता राजपति निवासी बलौदाबाजार द्वारा लॉक डाउन का उल्लंघन कर अपने वाहन क्रमांक टाटा 407 क्रमांक सीजी 04-जेबी/6250 ने अवैध रूप से बीड़ी माचिस जर्दा, टाटा नमक सहित अन्य प्रतिबंधित 1,66,092 रूपये की सामग्री का अवैध परिवहन करते हुए नेवरा थाने की टीम ने पकड़ा आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत मामला कायम कर ट्रक में मिली सामग्री को टीम ने जब्त कर लिया है।

सूने मकान से 50 हजार की चोरी

रायपुर। शहर की सीमा से लगे गांव विशेषकर नेशनल हाईवे में बसे गांव अब चोरी की नजरों से नहीं बचे हैं। रेकी कर सुनसान क्षेत्रों में मॉलदार आसामी की तलाश में चोरों का दल ग्रामीणों से बातचीत के जरिये मौके का इंतजार कर जमकर चोरी कर रहा है। ऐसा एक मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र से प्रकाश में आया है जहां ग्रामीण महिला श्रीमती सरिता दीवान आयु 55 वर्ष पति स्व. महेन्द्र दीवान ग्राम पलौद के सूने मकान में अज्ञात चोर ने मकान का ताला तोड़कर 50 हजार की चोरी की है। उक्त चोरी में एक एलईडी टीवी नगदी 3 हजार रूपये , बर्तन सहित कुल 50 हजार की चोरी हुई है।

शिक्षक से मांगा 15 लाख, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सप्रे शाला के शिक्षक को 15 लाख रुपए नहीं देने पर परिवार को जान से मार डालने व मकान को ब्लास्ट करने की धमकी मिली है, शिक्षक की शिकायत पर पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में जुटी है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया, कि शैलेंद्र नगर निवासी के.राज गोपाल मंगलवार को अपने निवास पर नहीं थे, तभी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर पहुंच कर उनकी पुत्री के हाथ पर एक पत्र दिया गया। जिस पर शिक्षक से 15 लाख रुपयों की मांग की गई है। उक्त पत्र में पैसे नहीं देने पर परिवार को जान से मार डालने सहित उनके निर्माणाधीन मकान को ब्लास्ट करने की भी धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया, कि शिक्षक की पुत्री के मुताबिक अज्ञात आरोपी ने सपोर्ट हेलमेट पहना हुआ था, व काले रंग की एक्टिवा गाड़ी में आया था। उक्त घटना के बाद शिक्षक ने डर के कारण थाने में सूचना नहीं की थी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य के श्रमिकों की वापसी के लिए अब तक 29 ट्रेनों का इंतजाम

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव भाटापारा चांपा के रेल्वे स्टेशनों में विशेष इंतजाम

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर लॉकडाउन में अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के मजदूरों का आने का सिलसिला लगातार जारी है। मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर अब तक कुल 29 स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की जा चुकी है।

इन स्पेशल ट्रेनों में अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों, छात्रों, संकटापन्न और चिकित्सा की आवश्यकता वाले व्यक्तियों की छत्तीसगढ़ वापसी वापसी का सिलसिला बीते 11 मई से शुरू भी हो गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ पहुंचने वाले श्रमिकों किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। स्पेशल ट्रेन पहुचने पर राज्य के निर्धारित स्टेशनों में थर्मल स्क्रीनिंग, भोजन पानी तथा उन्हें अपने गंतव्य स्थान पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था भी संबंधित जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। ग्राम पंचायतों में इन श्रमिकों के लिए क्वारेंटाइन सेंटरों बनाए गए हैं। गांव पहुंचने पर इन सेन्टरों में श्रमिकों के रहने और भोजन का इंतजाम किया जा रहा है। 9 ट्रेनों में आने वाले 11 हजार 946 श्रमिकों के लिए छह रेल्वे मण्डलों को कुल 71 लाख 93 हजार 230 रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। इन 29 स्पेशल ट्रेनों में अहमदाबाद गुजरात से बिलासपुर के लिए दो ट्रेन, अमृतसर पंजाब से बिलासपुर-चांपा, लखनऊ उत्तरप्रदेश से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, नम्बूर विजयवाड़ा आन्ध्रप्रदेश से बिलासपुर, लिंगमपल्ली हैदराबाद तेलंगाना से बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और विरामगम अहमदाबाद से बिलासपुर-चांपा ट्रेनों में श्रमिकों की वापसी सकुशल अपने घर वापसी हो चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में जो स्पेशल ट्रेन प्रस्तावित हैं उनमें 15 मई को लखनऊ उत्तरप्रदेश से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, खेड़ा नाडियाद गुजरात से बिलासपुर-चांपा और दिल्ली से बिलासपुर ट्रेनों का छत्तीसगढ़ आगमन प्रस्तावित है। इसी तरह 16 मई को साबरमती अहमदाबाद गुजरात से बिलासपुर-चांपा, कानपुर उत्तरप्रदेश से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग और भोपाल से रायपुर, बिलासपुर ट्रेन आएगी। 17 मई को लखनऊ उत्तरप्रदेश से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, इलाहाबाद उ.प्र. से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, वाइजेग आन्ध्रप्रदेश से रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा तथा खेड़ा नाडियाद गुजरात से रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर और चांपा स्टेशन ट्रेन पहुंचेंगी। 18 मई को मुज्जफरपुर बिहार से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, हैदराबाद तेलंगाना से दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, इलाहाबाद उ.प्र. से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग और विरामगम अहमदाबाद गुजरात से भाटापारा बिलासपुर, चांपा स्टेशन स्पेशल ट्रेन का आगमन होगा। श्रमिक स्पेशल ट्रेन में 19 मई को मेहसाणा गुजरात से बिलासपुर-चांपा, दिल्ली से बिलासपुर, रायपुर, पूणे महाराष्ट्र से दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर ट्रेन पहुंचेगी। 20 मई को लखनऊ उ.प्र. से बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, पूणे महाराष्ट्र से दुर्ग, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा, 21 मई को मुम्बई महाराष्ट्र से दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, पूणे महाराष्ट्र से दुर्ग, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा और 22 मई को बैंगलौर कर्नाटक से दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर स्टेशन ट्रेन पहुंचेगी।

राज्य सरकार ने इन ट्रेनों में सफर के लिए ऑनलाइन लिंक भी जारी किया है-

http:cglabour.nic.in/covid19MigrantRegistrationService.aspx इस लिंक में एप्लाई कर लोग इन ट्रेनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ वापस आ सकेंगे। इसके अलावा 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन नम्बर 0771-2443809, 91098-49992, 75878-21800, 75878-22800, 91092-96858-50444, 96858-50444, 91092-83986 तथा 88277-73986 पर संपर्क किया जा सकता है।

छग राज्य वक्फ बोर्ड व मुस्लिम समाज ने सीएम सहायता कोष में दिए 6 लाख रुपए

■ **मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर दिया समाज का धन्यवाद**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड व प्रदेश में स्थित विभिन्न वक्फ संस्थाओं के मुतवल्ली कमेटी एवं मुस्लिम समाज की ओर से कोरोना महामारी से निपटन के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में 6 लाख 786 रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने ट्विटर हैंडल एवं फेसबुक के माध्यम से छग राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलाम रिजवी तथा मुस्लिम समाज का धन्यवाद दिया है। उल्लेखनीय है कि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में छग राज्य वक्फ बोर्ड में कंट्रोल रूम का गठन किया गया है और कोविड 19 की संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के परिपालन में प्रदेश की समस्त मस्जिद, दरगाह, कब्रस्तान, ईदगाह, ईमामबाड़ा, मदरसा आदि को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए हैं।

महत्वपूर्ण विषयों पर होती रही चर्चा

समस्त मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की गई है कि मस्जिदों, दरगाहों, कब्रस्तानों आदि धार्मिक स्थानों पर भीड़ जा न करें। सभी वक्त की नमाजें, जुमा की नमाज अपने-अपने घरों से ही अता करें। माह रमजान में भी लॉकडाउन का पूर्णतः पालन किया जाए, इसके लिए अध्यक्ष रिजवी की उपस्थिति में जिला प्रशासन के अधिकारीगण के साथ शहर की मुख्य मस्जिदों के मुतवल्ली, ओलम हजारात के साथ बैठक कर चर्चा की गई।

कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का जल्द निराकरण

कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का जल्द से जल्द निराकरण किया गया साथ ही गरबी बेसहारा लोगों को राशन भी वितरित किया गया।

विधायक विकास ने हर वार्ड में मास्क वितरण का उठाया बीड़ा

■ **विधायक ने कहा, मुख्यमंत्री के ऐतिहासिक निर्णय से कोरोना के खिलाफ बेहतर लड़ाई लड़ रहा छत्तीसगढ़**

रायपुर। कोरोना संक्रमण की खतरे के बीच रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक घर तक मास्क पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। इसी क्रम में आज सुबह उन्होंने आमजनों के साथ ही गणमान्य नागरिकों के घरों में दस्तक दी और उन्हें मास्क वितरित किया। विधायक श्री उपाध्याय ने आज सुबह रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर, साइंस कॉलेज परिसर पहुंचकर कुलपति केशरी लाल वर्मा, रजिस्ट्रार डॉ.गिरिशकान्त पांडेय एवं वार्ड की जनता को अपने हाथों से मास्क वितरित किया। विधायक श्री उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है उससे सभी प्रभावित है। कोरोना के खिलाफ जंग में छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री के द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के चलते आज विजय श्री के निकट खड़ा हो गया है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे है। यह मुख्यमंत्री श्री बघेल की सोच थी कि अपने प्रदेश को अपनी जनता को किस तरह कोरोना नामक बीमारी से बचाया जाए। उनकी दूरगामी सोच के कारण ही आज छत्तीसगढ़ सुरक्षित राज्य बना हुआ है। विधायक विकास उपाध्याय ने आज कुलपति, रजिस्ट्रार के साथ ही भजन सम्राट दिलीप षड़ंगी, ब्राह्मण समाज के अनिल तिवारी, रेडियो मिर्ची ऑफिस सर इंचार्ज राजेश खरे के घर में भी दस्तक दी।

छग में 28837 संभावितों का कोरोना टेस्ट, 27012 निगेटिव

■ **1766 की जांच जारी**

■ **4 पॉजीटिव मरीजों का एम्स रायपुर में उपचार जारी, हालत स्थिर**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब तक कोरोना वायरस के संभावित कुल 28837 लोगों की जांच की गई है, इनमें 27012 के परिणाम निगेटिव आये है, जबकि 1766 लोगों की जांच जारी है। प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव के अब सिर्फ 04 मामले बचे है, जिनका एम्स रायपुर में उपचार जारी है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार शाम को जारी बुलेटिन में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के कुल 28837 संभावित लोगों की जांच की गई है, इनमें 27012 लोगों का परिणाम निगेटिव आया है तथा 1766 लोगों की जांच जारी है। प्रदेश में कुल 150 क्वारेंटीन सेंटर है जिनकी क्षमता 3206 है, जबकि वर्तमान में 633 लोग क्वारेंटीन में रखे गये है।

प्रवासी श्रमिकों हेतु पूरे राज्य में 16013 क्वारेंटीन सेंटर चिन्हित किये गये है, जिनकी क्षमता 536515 है और वर्तमान में 42350 श्रमिक इन केन्द्रों में रखे गये है। 13 मई को कुल 771 की एवं 457 प्रवासियों की इस तरह कुल 1228 प्रवासियों की छत्तीसगढ़ वापसी हुई है। सभी को परीक्षण उपरांत पूर्व निर्धारित योजनानुसार संबंधित जिलों में भेजा गया है।

राज्य में वर्तमान में कोरोना पॉजीटिव के सिर्फ 04 मरीज है जिनका अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स रायपुर में उपचार जारी है।

सोसायटी के खाते में चार करोड़ 69 लाख जमा नहीं करने पर लॉ विस्टा बिल्डर के खिलाफ रेरा ने कुर्की का दिया आदेश

रायपुर। कोरोना संकट काल और लॉक डाउन के बीच लॉ विस्टा बिल्डर को 15 दिन के भीतर सोसायटी के खाते में 4 करोड़ 69 लाख रुपए जमा नहीं करने पर रेरा ने कुर्की करने का आदेश दिया है। बता दें कि बिल्डर द्वारा जमा किए गए पैसों से सोसाइटी के अधूरे काम पूरे किए जाएंगे। रेरा अध्यक्ष ने ऑनलाइन सुनवाई के बाद आदेश जारी किया है। लॉ विस्टा सोसायटी के अध्यक्ष इंदरपाल सिंह जुनेजा ने रेरा में शिकायत दर्ज कराई थी कि लॉ विस्टा का निर्माण करने वाले बिल्डर अमृत होम्स प्राइवेट लिमिटेड, एम आहूजा प्रोजेक्ट, रघु वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और वामसी पेरिचेला ने मकान बेचते समय जिन सुविधाओं का वादा किया था उसे तय अवधि में पूरा नहीं किया है।

पूर्व में प्रमोटर्स ब्रोशर के अनुरूप कार्य पूरा करने के लिए सोसाइटी को रकम उपलब्ध करवाने का आदेश रेरा ने दिया है। 2 महीने का समय दिया गया था लेकिन 7 महीने बाद भी बिल्डरों ने यह पैसा सोसाइटी को नहीं दिया। रेरा ने अधूरे काम को पूरा करने के बाद आर्किटेक्ट से इसकी रिपोर्ट भी मांगी थी। पैसा नहीं मिलने के कारण सोसाइटी में आज तक काम नहीं हो पाया जिसके बाद रेरा ने यह आदेश जारी किया है।

प्रवासी श्रमिकों की रेलवे स्टेशनों पर ही हो कोरोना की जांच : कौशिक

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने राज्य सरकार से मांग की है कि दूसरे राज्यों से ट्रेनों से लाये जा रहे प्रवासी श्रमिकों की कोरोना जांच रेलवे स्टेशनों पर ही किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस मसले पर प्रदेश सरकार गंभीरता से निति बनानी चाहिये।

श्री कौशिक ने कहा कि दूसरे राज्यों से आ रहे श्रमिकों की रैपीड किट से ही जांच होनी चाहिए साथ ही जांच लेकर कोई चूक होती है तो कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। आइसोलेशन और कोरेन्टाईन की समुचित व्यवस्था के लिये सरकार गंभीरता के कदम उठाना चाहिये। कहीं कोरोना का फि विस्तार न हो इसलिये इस मुद्दे पर संवेदनशील रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सभी जिलों कोरेन्टाईन केन्द्रों की संख्या भी बढ़ाई जानी चाहिये। इन सभी श्रमिकों को मुफ्त खाद्यान्न वितरण योजना का भी लाभ मिलना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस पूरे मसले पर प्रदेश सरकार की चिंतित नही है,अभी केवल सरकार का पूरा लक्ष्य शराब ब्रिकी ही है।कोरोना काल में जिस तरह की योजना बनानी चाहिये।उसमें प्रदेश सरकार पुरी तरह से नाकाम है। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि उमरिया मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ आते समय मनेन्द्रगढ़ के सीमा पर एक बुजुर्ग को रोके जाने बाद मृत्यु की घटना अमानवीय कृत्य है।इस परिवार के पास अनुमति पत्र होने के बाद भी प्रदेश में प्रवेश नही देना शर्मसार करने वाली घटना है।जिसकी जितनी निंदा की जाये कम है। उन्होंने प्रदेश सरकार से पीड़ित पक्ष को शीघ्र आर्थिक मदद देने की मांग की है।

फरमान केवल गंभीर रोगियों को ही भेजा जाए सेंदरी, कोरोनावायरस की हो जिले में ही जांच; स्वास्थ्य सचिव

सभी घुमंतू व्यक्तियों को सेंदरी मानसिक चिकित्सालय न संदर्भित किया जाए

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सभी जिलों से मानसिक रोगियों को राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय, सेंदरी न भेजने की सलाह दी है। स्वास्थ्य सचिवे सुश्री निहारिका बारीक् सिंह द्वारा जारी एक आदेश में बताया गया है जिलों में संचालित शासकीय एवं स्वयंसेवी संस्थानों द्वारा घुमंतु व्यक्तियों को राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय, सेंदरी (बिलासपुर) में भर्ती के लिए भेजा जा रहा है।

वर्तमान में कोविड -19 की परिस्थिति को देखते हुए राज्य के समस्त सिविल सर्जन एवं अस्पताल अधीक्षक, जिला अस्पताल में अधीन मनोरोग चिकित्सक अथवा वीकेएन प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सा अधिकारी के द्वारा घुमंतु व्यक्तियों की मानसिक जांच एवं कोरोना वायरस टेस्ट जांच कराये जाने के पश्चात सामान्य दशा हो तो उन्हें जिले में संचालित स्वयं सेवी संस्थानों में रखा जाए। जिनकी मानसिक अवस्था ठीक नहीं है, उन्हें राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय, सेंदरी रिफ्र किया जाए,'' आदेश में स्वास्थ्य सचिव ने कहा है।

राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय, सेंदरी के अधीक्षक, डॉ बी आर नंदा का कहना है सभी मानसिक रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है। केवल

उन्ही रोगियों को जो हिंसक होते हैं या खुद को क्षति पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं भर्ती करवाया जाता है, बाकी रोगियों का उपचार उनके घर पर,शेल्टर होम्स में या फि स्वयं सेवी संस्थानों में रह कर ही हो सकता है।

डॉ नंदा ने कहा अस्पताल में विडियो द्वारा परामर्श और टेली मेडिसिन की सुविधा भी दी जा रही है जिसका लाभ सभी उठा सकते है। डॉ मल्लिकार्जुन राव, मनोरोग विशेषज्ञ, सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दूरभाष नंबरः 8354066436 पर उपलब्ध रहते हैं। उन्होंने कहा घुमंतु व्यक्तियों को बिना कोविड-19 टेस्ट के सेंदरी भेजना, अस्पताल में भर्ती रोगियों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है।

पिछले दिनों में देखा गया लगभग सभी जिलों से घुमंतु व्यक्तियों को सेंदरी रेफ्र किया जा रहा है हालांकि इनका उपचार उनके गृह जिले में ही हो सकता था। प्रदेश के सभी जिलों में कम से कम एक मेडिकल ऑफिसर को बेंगलुरु-स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा कुछ जिलों में मनोरोग विशेषज्ञ उपलब्ध है और हर मेडिकल कॉलेज में मनोरोग वार्ड और मनोरोगियों के उपचार की व्यवस्था भी है। सेंदरी के चिकित्सालय में इस समय लगभग 150 गंभीर मानसिक रोगी भर्ती हैं और इनको कोविद-19 से भी बचाना अस्पताल प्रबंधन की ही ज़िम्मेदारी है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ राव के अनुसार पिछले दिनों में अस्पताल आने वाले रोगियों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है।

इंद्रिय नियंत्रण (लॉकडाउन) का माहे रमजान : मोबीन खान

रायपुर ए.। माहे रमजान का पहला अशरा (पहला 10 दिन) हो चुका है। इस माह का इस्लाम में बड़ा महत्व है, क्योंकि यह पावन माह आत्मचिंतन, अंतर्मन की शुद्धता एवं निरंकुश इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति अर्जित करने का प्रशिक्षण देता है। इस समय हमारा देश ही नहीं समूचा विश्व एक (कोरोना संक्रमण) जैसी महामारी से जूझ रहा है। जिसके चलते इस महामारी से बचने हेतु लॉक डाउन का प्रयोग किया जा रहा है।

रोज़ा इस लॉक डाउन में अत्यंत उपयोगी रोल अदा करता है। प्रतिदिन रोज़े की अवधि सूर्योदय के कुछ पहले से लेकर सूर्यास्त तक होती है, इस अवधि में खाना-पीना वर्जित है, मन एवं कर्म से भी रोजा रखना आवश्यक है। मन को शुद्ध एवं पाप रहित रखना मन का रोज़ा, हाथ से गलत कार्य ना करना हाथ का रोज़ा, आंखों से कोई अशोभनीय चीज़ का ना देखना आंखों का रोज़ा, वगैरा-वगैरा। इस प्रकार संपूर्ण इंद्रियों को वश में कर ईश भक्ति के साथ समस्त बुराइयों का लॉक डाउन करके ही सही मायनों में रोज़े से आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त की जा सकती है।

रोज़ा हमें गरीबों से जोड़ता है, हमें निर्धनों की भूख एवं प्यास का अनुभव कराता है, रोज़ा सद् व्यवहार की प्रेरणा देता है। इस्लाम की यह शिक्षा की पड़ोसी चाहे किसी भी संप्रदाय का हो, समाज का हो, उसके हक का ख्याल रखना हर मुसलमान का कर्तव्य है। हमें चाहिए कि इस महीने में अधिक से अधिक नेक काम करें, इंद्रियों को वश में रखें, अनाथों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें, उनकी सहायता करें, काम, क्रोध, लोभ, मोह, छल, कपट एवं दुष्ट-कर्म से बचें। कोरोना वायरस कि संकट की बला में हम पूरे एक माह तक अपनी बेलगाम इच्छाओं, विलासिताओं पर पाबंदी लगाकर आत्मा का प्रशिक्षण कोर्स पूरा कर सकते हैं।

रमज़ान के इस पावन मास द्वारा पूरे एक माह का लॉक डाउन यानी इंद्रियों पर कंट्रोल का अगर हमने फायदा उठाया तो अवश्य ही खुदा ने चाहा तो हमारे आने वाले पूरे साल में हमारा सामाजिक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक विकास होगा। रमज़ान प्रतिवर्ष हमारे जीवन में 1 माह के इस अनुशासित लॉक डाउन की प्रैक्टिस कराने आता है ताकि हम अपने अंदर व्यक्तित्व का उत्थान, समाज का निर्माण और एक आदर्शमय राज्य की स्थापना में उचित सहयोग प्रदान कर सकें। यही इस माहे मुबारक का असल पैगाम है।

संपादकीय

आर्थिक पैकेज का दुरूपयोग न हो

कोरोना संकट काल में देश की अर्थव्यवस्था को संजीवनी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीस लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की जो घोषणा की है वह स्वागत योग्य है। निश्चित रूप से इस आर्थिक पैकेज से देशवासियों को भारी राहत मिलेगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक पैकेज का विस्तृत विवरण दिया है। इस आर्थिक पैकेज से गरीबों, मजदूरों, किसानों, लघु व्यवसाइयों, छोटे उद्यमियों और मध्यम वर्ग को राहत पहुंचाने का प्रावधान किया गया है। सरकार को चाहिए कि वह यह सुनिश्चित करें कि इस आर्थिक पैकेज से वास्तविक हितग्राही ही लाभन्वित हो। बिचौलियों को इसमें मुंह मारने का मौका न मिले। पूर्व के अनुभव बताते है कि आम जनता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत जो भारी धन राशि आबंटित की जाती है उसका अधिकांश हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। कमीशखोरी के चक्कर में वास्तविक हितग्रहियों तक इन योजनाओं का समुचित लाभ नहीं पहुंच पाता। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि केन्द्र से चला एक रुपया वास्तविक हितग्राही के हाथों तक पहुंचते 15 पैसे के रूप में तब्दील हो जाता है। इसी से स्पष्ट है कि ऊपर से नीचे तक व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण शासकीय धन की किस कदर बंदर बांट की जाती है। हालांकि जब से केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है तब से भ्रष्टाचार पर काफी हद तक अंकुश लगा है। इसके बावजूद सिस्टम आज भी नहीं बदला है ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि आर्थिक पैकेज का किसी भी तरह से दुरूपयोग न हो,इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। अन्यथा इस आर्थिक पैकेज में भी भ्रष्टाचारी सेंध लगाने में कामयाब हो जाएंगे। बेहतर होगा कि इस आर्थिक पैकेज का लाभ संबंधित लोगों तक पहुंचाने के लिए केन्द्र सरकार वृहद कार्य योजना बनाएं और यह देखें की इस आर्थिक पैकेज के दुरूपयोग की कहीं कोई गुंजाईश भी न रहें। यदि इमानदारी से इस आर्थिक पैकेज का सदुपयोग किया जाएगा तो भारत इन मुश्किल हालातों से बहुत जल्द सुधर जाएगा और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी के साथ कदम बढ़ाएगा। बीस लाख करोड़ रूपए बहुत बड़ी राशि होती है यदि इस राशि का पूरा लाभ हिग्राहियों तक पहुंच जाता है तो देश की अर्थव्यवस्था सुधर सकती है। अन्यथा कोरोना काल के बाद दुनिया के अन्य देशों की तरह ही भारत को भी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

विचार

अब समय है तालाबंदी उठाने का

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

प्रधानमंत्री और देश के सभी मुख्यमंत्रियों के बीच बातचीत अभी चल रही है, यदि हमारे टीवी चैनल उसका जीवंत प्रसारण करते तो उसमें कोई बुराई नहीं होती। देश की जनता को कोरोना से निपटने के सभी पैंतरों का पता चलता। वह अपनी स्वतंत्रत राय बना सकती थी। इसी तरह क्या ही अच्छा होता कि हमारे सभी टीवी चैनल यह बहस चलाते कि 17 मई को तालाबंदी खत्म की जाए या नहीं और यदि खत्म की जाए तो क्या-क्या सावधानियां रखी जाएं। ऐसी बहसों में देश के विभिन्न तबकों के विचारशील लोगों से राय ली जाती तो उससे सरकार को भी मार्गदर्शन मिलता और आम जनता भी प्रेरित होती लेकिन अभी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों के संवाद से जो भी सर्वसम्मति उभरेगी या जो भी राय केंद्र सरकार प्रकट करेगी, उसकी आतुरता से प्रतीक्षा सभी को है।

लेकिन पिछले 48 दिनों की तालाबंदी ने यह सिद्ध कर दिया है कि कोरोना जितना खतरनाक है, उससे भी ज्यादा खतरनाक हमारी तालाबंदी हो सकती है। यह मैं पहले भी आंकड़ों के आधार पर सिद्ध कर चुका हूं कि अन्य देशों की तुलना में कोरोना का कोप भारत में बहुत कम है लेकिन हमने खुद को जरुरत से ज्यादा डरा लिया है। इस डर के मारे कृषि-मंडियां, कारखाने, दुकानें और दफ्तर बंद हो गए हैं। बेरोजगारी और भुखमरी बढ़ गई है। सैकड़ों लोग घर-वापसी में मर रहे हैं। देश की अर्थ-व्यवस्था लंगड़ा गई है। इसलिए जरुरी यह है कि तालाबंदी को तुरंत उठा लिया जाए लेकिन कोरोना के विरुद्ध जितनी भी सावधानियां जरुरी हैं, उन्हें लागू किया जाए। इसका नतीजा यह भी हो सकता है कि कोरोना का जबर्दस्त हमला हो जाए। उस हमले से मुकाबले की तैयारी पहले से की जाए। लाखों लोगों के इलाज का इंतजाम, गांवों और शहरों में, पहले से हो। भारत उसी तरह खुल सकता है, जैसे वियतनाम, द.कोरिया और स्वीडन खुले हुए हैं। भारत सरकार इस तर्क को समझ रही है। इसीलिए रेलें चलाने की घोषणा हो गई है। तालाबंदी को उठा लेना एक खतरनाक जुआ भी सिद्ध हो सकता है लेकिन उसका चलाए रखना तो आर्थिक प्रलय को आमंत्रण देना है। तालाबंदी उठाने के बाद यदि हताहतों की संख्या इटली या अमेरिका की तरह आसमान छूने लगे तो केंद्र सरकार फिर तालाबंदी का छाता तान सकती है। उसे कौन रोक सकता है ? लेकिन यह साहसिक कदम उठाने के पहले केंद्र को राज्यों की सहमति जरुर लेनी चाहिए और उन्हें फैसलों की पूरी छूट देनी चाहिए।

सकारात्मकता का नया सवेरा

सुरेश जैन

> यह धरती, अम्बर, हवा, पानी, चाँद-सूरज, तारे, पेड़-पौधे, हरियाली कुदरत की अमानत हैं। इन पर जितना इंसानी हक़ है, उससे कहीं ज्यादा बेजुबानों का है। इन सबसे हम नाहक छेड़छाड़ करते हैं तो मानवजीवन की कीमत भी भुगतते हैं।कहते हैं,इतिहास अपने को दोहराता है।1914 की महामारी ने 1 करोड़ 80 लाख भारतीयों को अपना ग्रास बना लिया था। इतिहास बताता है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी संक्रमित हुए थे,लेकिन उनके संयम,संकल्प और समर्पण ने महामारी को परास्त कर दिया था। मौजूदा परिदृश्य सबके सामने है। हम चिंतन और क्रियान्वयन में कितने बोंसाई हो गए हैं। यह लोकमंगल प्रेमियों के सामने विचारणीय प्रश्न है। कोविद-19 की जंग में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफहकीकत में देवदूत के रूप में सामने आए हैं। इन्हें कोरोना वॉरियर्स की संज्ञा से भी नवाजा गया है । कहीं-कहीं इन कोरोना योद्धाओं के साथ बदसलूकी की खबरें देखने और सुनने को मिली हैं तो ऐसे तत्वों के खिलाफन केवल त्वरित एक्शन हुआ बल्कि केंद्र और यूपी की सरकारों ने कड़े कानूनों का प्रावधान कर दिया है।

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस मानव जीवन में मौत के सौदागर के रुप में सामने आया है तो लॉकडाउन ने जिंदगी को दोबारा से पढ़ने, सुनने और गुनने का स्वर्णिम मौका दिया है। बदले हालात ने जीवन में और वैकल्पिक सुनहरे पन्ने खोल दिए हैं। हमारी सोच में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिया है। यदि हम पहले घोर नास्तिक थे तो अब ईश्वर के अस्तिव को मानने लगे हैं। यदि हम पहले लोभी थे तो अब सोच में मोल-भाव का प्रतिशत कम हुआ । नीयत में खोट था तो सोचने के दायरों में रचनात्मक और सकारात्मक बदलाव आया है। धन का लोभ, विलासता की सोच, और चाहिए-और चाहिए, आलीशान मोटर गाड़ियों की होड़, गगनचुम्भी इमारतों के निर्माण की प्रतिस्पर्धा, रेस्त्रां के स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रति हमारा चश्मा बदल गया है। घर की सोंधी - सोंधी महक नथुनों को भाने लगी है। लॉकडाउन परिवार के हर सदस्य को और करीब ले आया है। उनकी पसंद और नापसंद के अलावा खुशी और नाराज़गी को हम और संजीदगी से समझने लगे हैं।

24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी का दुनिया को जियो और जीने दो का संदेश हम सब के मनन और चिंतन में फिर से जागृत हो गया है।लॉकडाउन में शहरों और छोटे कस्बों की बात करें तो पशु-पक्षियों के प्रेम और दया में वृद्धि हुई है। घरों की मुंडेर पर अब गौरेया, कौए, चिड़ियों, कबूतर, गिलहरी, चीटियों के लिए दाना - पानी का प्रावधान करने लगे हैं। घर - आंगन या ऑफिस में बरसों से सेवारत कारिंदे भले ही अब अपनी ड्यूटी से दूर घरों में हैं लेकिन उनके प्रति चिंता हमारी प्राथमिकता में शामिल है। नकदी से लेकर दाल-आटा चावल,तेल, चीनी, सब्जी, दवा सरीखी जरूरतें मालूम करना हमारे एजेंडे में हैं। यह सिर्फ हमारे चिंतन ही शामिल नहीं है बल्कि जैसे भी संभव हो, हम उनकी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मदद कर रहे हैं। ठीक वैसे ही ईश्वर जैसे हम सब पर अपने वात्सल्य की वर्षा कर रहा है। नौकर-चाकरों,रिश्तों-नातेदारों, मित्रों, पड़ोसियों, समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति हमारी मानवीय संवेदनाओं की फेहरिस्त में हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी मन की बात से लेकर टेलीफोनिक संवाद तक हम सबको यही पॉजिटिव राह दिखा रहे हैं। हमारी भारतीय परम्परा,संस्कार और संस्कृति यही है। इन्हें हम बिसरा बैठे थे। पूरा भारतीय समाज प्रधानमंत्री जी का अनुसरण और अनुकरण कर रहा है।पूरी दुनिया रेशम की डोर की मानिंद सामाजिक ताने-बाने में बंधी हुई है। कोरोना वायरस के कहर से पहले दुनिया को एक ग्लोबल विलेज यानी वैश्विक गांव माना जाता था। कोरोना के संक्रमण ने देशों को देशों से और शहरों को शहरों से काट दिया है। हमें कतई नाउम्मीदी नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमान जल्द फर्राटे भरने लगेंगे। एक देश से दूसरे देश और एक शहर से दूसरे शहरों की दूरी आंख झपकते ही कम हो जाएगी।

यह धरती, अम्बर, हवा, पानी, चाँद-सूरज, तारे, पेड़-

> लॉकडाउन के सभी चरणों में खाकी से लेकर स्वयंसेवी संगठनों का भी अति मानवीय चेहरा दिल को सुकून देने वाला है। पुलिस वालों की तो अपनी कड़क छवि से एकदम उलट दोस्ताना छवि दिखाई दी। लॉकडाउन के दौरान सख्त ड्यूटी के संग - संग पशु - पक्षियों से लेकर प्रवासी मजदूरों के लिए लंगर, नकदी, चप्पल,पेयजल जैसे बुनियादी जरूरतों को पूरा करते नजर आए। गलियों और चौराहों पर लॉकडाउन की लक्ष्मण रेखा न पार करने के लिए गीत सुनाकर सबको जीवन का महत्व बताया।

पौधे, हरियाली कुदरत की अमानत हैं। इन पर जितना इंसानी हक़ है, उससे कहीं ज्यादा बेजुबानों का है। इन सबसे हम नाहक छेड़छाड़ करते हैं तो मानवजीवन की कीमत भी भुगतते हैं।कहते हैं,इतिहास अपने को दोहराता है।1914 की महामारी ने 1 करोड़ 80 लाख भारतीयों को अपना ग्रास बना लिया था। इतिहास बताता है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी संक्रमित हुए थे,लेकिन उनके संयम,संकल्प और समर्पण ने महामारी को परास्त कर दिया था। मौजूदा परिदृश्य सबके सामने है। हम चिंतन और क्रियान्वयन में कितने बोंसाई हो गए हैं। यह लोकमंगल प्रेमियों के सामने विचारणीय प्रश्न है।

कोविद-19 की जंग में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ हकीकत में देवदूत के रूप में सामने आए हैं। इन्हें कोरोना वॉरियर्स की संज्ञा से भी नवाजा गया है । कहीं-कहीं इन कोरोना योद्धाओं के साथ बदसलूकी की खबरें देखने और सुनने को मिली हैं तो ऐसे तत्वों के खिलाफन केवल त्वरित एक्शन हुआ बल्कि केंद्र और यूपी की सरकारों ने कड़े कानूनों का प्रावधान कर दिया है। यदि मेडिकल स्टाफ के साथ बदसलूकी करता है तो नए कानून में सजा और जुर्माना दोनों का प्रोविजन किया गया है। विशेषकर डॉक्टर के लिए कहा जाता है कि ये धरती के भगवान हैं। सच में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और यूपी के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने इनके सम्मान में कोई कोर - कसर नहीं छोड़ी है। देश की तीनों सेनाओं - जल, थल और नभ से इन कोरोना योद्धाओं को सलूट किया है। देशभर के बड़े कोविड द हॉस्पिटल्स पर आसमान से पुष्प वर्षा की हुई । नौ सेना के जहाजों ने आतिशबाजी की तो कोविद-19 अस्पतालों में सैन्य बैंड बजाए गए। दिल छूने वाला यह सम्मान भारतीय समाज में ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए अप्रतिम उदाहरण है। बैंक अफसरों और कर्मियों ने केंद्र और राज्य की मानव कल्याणकारी योजनाओं विशेषकर जन-धन योजना और किसान समृद्धि योजना के क्रियान्वन में पूरी ताकत झोंक दी। आम आदमी से लेकर ख़ास आदमी तक यानी सभी से मिलकर एक ही सार्थक संदेश दिया - कोरोना की इस भीषणतम लड़ाई में हम सब हिंदुस्तानी एक है। हमारी भाषा, हमारी बोली, हमारी जाति, हमारी संस्कृति, हमारी छत- आंगन,हमारा रंग, हमारे रीति - रिवाज भले ही जुदा - जुदा हों लेकिन हम तिरंगे के नीचे मुठ्ठी तानकर 135 करोड़ लोग खड़े होते हैं तो बड़े गर्व से कहते हैं - हम हैं हिंदुस्तानी...।

सच मानिए,घोर अंधेरी रात का यह आखिरी पहर है। सूरज की लालिमा धरा को प्रकाशवान करने को आतुर है। किरणें मानव जीवन को और ऊर्जावान बनाने को बेताब हैं । मानव जीवन की खातिर भगवान महावीर स्वामी जी स्वर्णिम अक्षरों में नया इतिहास लिखने को आतुर हैं। महायज्ञ में आखिरी आहुति दी जानी बाकी है। आइए, लोकमंगल की खातिर महायज्ञ में हम सब आहुति दें। देखिए, वैश्विक लोकमंगल के लिए चौतरफा प्रकाश की पौ फटने वाली है। आओ ... आओ ... दुनिया के मानव इस नए सवेरे के स्वागत की तैयारी करें। पौ फटते ही मंगल गीत की बयार बहेगी। चिड़ियां चहकेंगी। जंगल में मोर नाचेंगे। धरती पुत्र कंधों पर हल लिए खेतों की ओर कूच करेंगे। कारखानों की चिमनियों से धुआं उठता दिखाई देगा। मंदिरों, मस्जिदों, जिनालयों , गुरुद्वारों और गिरजाघरों के कपाट खुलने की मद्धिम - मद्धिम आवाजें जीवन को और मंगलकारी कर देंगी।

कोरोना वायरस ने 'अन्य भारत' के अस्तित्व को दिखाया

के रवीन्द्रन

> हमने देखा है कि दिल्ली के उपनगरीय इलाके में लोग सड़क पर कैसे गिर गए, क्योंकि वे एक हजार किलोमीटर की दूरी तक चलते चलते गिर गए। वे बस हताशा में चल रहे थे, यह भी नहीं जानते थे कि उनका गाँव जहाँ से उनकी यात्रा शुरू हुई, कितनी दूर है, या कितने दिनों में यह उन्हें ले जाएगा। लेकिन उनकी जेब में पैसे नहीं थे और खाने के लिए कोई खाना नहीं था, उनके पास पैदल घर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। राज्य सरकारों में से कुछ ने अपने फंसे नागरिकों 'को लेने के लिए बसें भेजने का फैसला करने से पहले कई दिनों तक संघर्ष किया।

कोविद -19 महामारी ने 'अन्य भारत' के अस्तित्व को प्रकट किया है, जो हमेशा अस्तित्व में रहा है, लेकिन अदृश्य बना रहा। 'अन्य भारत' में लाखों प्रवासी श्रमिक शामिल हैं, जो या तो उन शहरों या गांवों से संबंधित नहीं हैं, जहां से वे लंबे समय से उखड़े हुए थे। वे राजनेताओं, नीति नियोजकों और नौकरशाही के राडार पर नहीं दिखते हैं, ये सभी ज्यादातर अपने और अपने लोगों के वर्ग के साथ रहते हैं। ये वे लोग हैं जो ट्रकों, बस छतों, रेलगाड़ियों और रेल लाइनों के किनारे झुंड में यात्रा करते हैं, जो अक्सर अपने ट्रेक के दौरान घर वापस आते हैं, क्योंकि संचार और यात्रा के नियमित चैनल उनकी पहुंच से परे हैं।

महाराष्ट्र के जालना और औरंगाबाद जिलों के बीच एक मालगाड़ी द्वारा 16 प्रवासी कर्मचारियों को रौंद दिया गया क्योंकि वे मध्य प्रदेश के अपने गाँवों में लंबे समय तक पैदल मार्च के दौरान रेलवे ट्रैक पर सो गए थे, इस दौरान कोविद ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है, लेकिन अन्य भारत के लोगों के जीवन में इस तरह की घटनाएं नियमित होती हैं। यह अलग बात है कि इस तरह की घटनाएं सुर्खियां नहीं बटोरतीं क्योंकि उन्हें इन दुर्भाग्यपूर्ण लोगों के जीवन की नियति एक मान ली जाती है। जिस तरह वे नीति नियंताओं के ब्रह्मांड के बाहर आते हैं, वे कभी भी भारत सरकार के कोविद रक्षा का हिस्सा नहीं थे, जिसे विश्व स्तर पर शीर्ष-वर्ग के रूप में प्रशंसित किया गया है, क्योंकि वे बसों की छतों पर चलते हैं या आगे बढ़ने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर सकते हैं। हमने देखा है कि दिल्ली के उपनगरीय इलाके में लोग सड़क पर कैसे गिर गए, क्योंकि वे एक हजार किलोमीटर की दूरी तक चलते चलते गिर गए। वे बस हताशा में चल रहे थे, यह भी नहीं जानते थे कि उनका गाँव जहाँ से उनकी यात्रा शुरू हुई, कितनी दूर है, या कितने दिनों में यह उन्हें ले जाएगा। लेकिन उनकी जेब में पैसे नहीं थे और खाने के लिए कोई खाना नहीं था, उनके

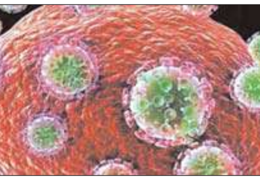

पास पैदल घर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। राज्य सरकारों में से कुछ ने अपने फंसे नागरिकों 'को लेने के लिए बसें भेजने का फैसला करने से पहले कई दिनों तक संघर्ष किया। कुछ सरकारों ने उन्हें अपनी सीमाओं को पार करने से भी मना कर दिया, जाहिर है क्योंकि वे अपने कोरोनोवायरस रक्षा के लिए उच्च जोखिम वाले थे।

इस तथ्य के अलावा कि इन लोगों और उनके जीवन की स्थिति सामाजिक गड़बड़ी और व्यक्तिगत सुरक्षा के मानदंडों के लिए उत्तरदायी नहीं है, कोरोनोवायरस के खिलाफ मोदी सरकार के मुख्य अभियान में कई पहलू हैं जो सुझाव देते हैं कि यह अन्य भारत के लोगों के लिए अभिप्रेत नहीं है। उदाहरण के लिए, आरोग्य सेतु घातक वायरस से लड़ने के लिए मोदी सरकार की योजना का एक अभिन्न अंग है। वास्तव में, ऐप की स्थापना लोगों के अधिकांश वर्गों के लिए अनिवार्य कर दी गई है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें विदेशों से निकाला गया है और साथ ही फंसे हुए लोगों को घर भेजने के लिए चलाई जा रही विशेष ट्रेनों के यात्रियों को भी शामिल किया गया है। लेकिन यह शर्त इस तथ्य को नजरअंदाज करती है कि ऐप की डालने के लिए एक स्मार्ट फोन और इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है, जो दोनों अन्य भारत की पहुंच के भीतर नहीं हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारतीय स्वामित्व वाले स्मार्ट फोन की संख्या केवल लगभग 500 मिलियन है, जिसका अर्थ है कि अधिकांश भारतीयों की अभी भी स्मार्ट फोन तक पहुंच नहीं है। मोदी सरकार ने अपने कोविद समर्थन पहल के हिस्से के रूप में कुछ प्रोत्साहन पैकेजों की घोषणा की है, लेकिन यह निर्धारित करने का कोई तरीका नहीं है कि ये उपाय इन लोगों की दुर्दशा पर कितना फर्क डालने वाले हैं। पिछले अनुभव के आधार पर, कोई भी सुरक्षित रूप से मान सकता है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

लॉकडाउन नंबर 4 की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने टेलीविजन भाषण में 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की। हालांकि इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा अलग-अलग घोषित किए गए अलग-अलग पैकेज शामिल हैं, यह प्रधानमंत्री द्वारा घोषित अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। मोदी ने वादा किया है कि यह प्रवासी श्रमिकों सहित सभी भारतीयों के जीवन को छूएगा, लेकिन हमें उन विवरणों को जानने का इंतजार है, जिनकी घोषणा करने के लिए निर्मला सीतारमण को छोड़ दिया गया है। - (संवाद)

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब आप खुले तौर पर

जब आप खुले तौर पर किसी विचारधारा का विरोध कर रहे होते हैं ...तो जान लीजिये और समझ लीजिए कि आप अपने सामने , अपने ही विरोध में भिन्न विचारों की एक बड़ी फौज को खड़ा पाते हैं। अब ये आप पर ही है कि आप पीठ दिखाते हैं या सामना करते हैं ..!!!

- आभा खरे

मै दरिया नही समुंदर

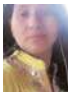

मै दरिया नही, समुंदर की ख्वाहिश में एक अरसा इंतजार करूं.. ओस की बूंद सा अस्तित्व है मेरा, रात भर ठहर के सुबह किरणों से मिलके रुख़सत हो जाना.... किसकी हुई है जिंदगी से दोस्ती इक उम्र गुजार कर , मांगा है मुझसे भी धडकनों ने दिल में, कुछ रात का ठिकाना।

- किरन भण्डारी

ख़ास पाती | दोस्ती और प्रेम में एक फर्क

दोस्ती और प्रेम में एक फर्क तो होता ही है कि प्रेम में बाध्यता होती है मीठा--मीठा बोलने की और आदत भी मीठा ही सुनने की , पर दोस्ती में ऐसे झमेले नहीं होते ! हम कभी भी एक-दूसरे को गरिया सकते हैं वो भी बिना कारण बताए .... अंजाम सोचे ! गुडमार्निंग और गुडनाइट जैसे चोंचलों की भी कोई खास दरकार नहीं होती इस बतकही में ! वैसे एक बात ये भी देखी गई है कि प्रेम दोस्ती में नहीं बदलता, पर दोस्ती कभी भी प्रेम का चोला पहन लेती है !!

- कल्याणी कबीर

जैसे दरिया के अंदर भी, सीप की

जैसे दरिया के अंदर भी, सीप की मोती होती है जैसे घर को किये रोशन, दीप की ज्योति होती है जो कहते हैं परायी है, तो उनके भाग खोटे है जाते खुल ताले किस्मत के जिनकी बेटी होती है हम ही गंगा हम ही यमुना हम ही से सृष्टि है सारी हम बेटी ठान ले तो अंतरिक्ष भी भेद आती हैं न होती तो अगर बेटी, तो तुम भी शामिल होते क्या जो बेटी हो मेरे जैसी, तो लेखक बन वो जाती है।

- अहाना अर्चाना पाण्डेय

भूखे प्यासे नंगे पांव-पांव चले मजदूर

भूखे प्यासे नंगे पांव-पांव चले मजदूर आज निज गांव चलें। मुसीबतों के दिन में याद आई वो ही पीपल वाली छाँव चलें। तपती धरती पर ऐसे वो चलते हैं जैसे तूफ़ाँ में कोई नाव चले। गिरते-पड़ते मंजिल पर जाना है ऐसे वो अपने जीवन का दाव चले। राजनीति के करतब सारे देखे हरदम पेट पर उनके पांव चले।

- कवि दिनेश

जीवनपृष्ठ के ऊपर अंकित सुख

जीवनपृष्ठ के ऊपर अंकित, सुख दुःख गत्वर बिंदु है. आदम बस इन दो बिंदुओं के, मध्य खड़ा है प्रतिमा जैसा. उसे तो ये भी पता नहीं कि, सुख और दुख का रंग है कैसा! सुख दुख मानव रक्त में मिश्रित, रंग विहीन सा निराकार है. सुख-दुख तो हर एक जीवन का, सत्य शाश्वत, और व्यवहार है. ये आदम है बस एक नौका, सुख दुख बहता सिंधु है. जीवनपृष्ठ के ऊपर अंकित, सुख दुख गत्वर बिंदु है।

- कुमार सोनल

समाया हुआ था वो मेरी रूह में

समाया हुआ था वो मेरी रूह में... विलग हो जाए कभी तो अन्यथा न लेना... 'मेरा' होना भी है नामुमकिन! भौतिक रूप तो होगा सब कुछ ऊपर से ठीक ही दिखेगा बस... वैसे ही जैसे सपनों बिन जिंदगानी!

- सरिता खोवाला

संस्कार और संक्रमण दोनों ही

संस्कार और संक्रमण दोनों ही एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति मे फैलते है.. संस्कार जगत मे मानव सभ्यता की स्थापना करते है, जबकि संक्रमण बीमारी फैला कर मानव सभ्यता का विनाश करता है..!!

- धीरज सिंह धीरू

सदा औरों पे हंसता हो वो हँसना

सदा औरों पे हंसता हो वो हँसना कैसे छोड़ेगा! जीवाणु है सड़े तन पर वो बसना कैसे छोड़ेगा ! किसी विषधर को प्याली दूध की तुम लाखपिलवा लो, जिसे आदत हो डसने की वो डसना कैसे छोड़ेगा!!

- कवि सुनिल नील

QUIZ TIME

1) देश में शून्य आधारित बजट सर्वप्रथम किस वर्ष के वार्षिक बजट में अपनाया गया?

2) लोक थियेटर 'नौटंकी' का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रमुख वाद्य यंत्र क्या है?

3) इंग्लैण्ड में डर्बी घुड़दौड़ किस स्टेडियम में होता है?

4) क्या राज्यसभा भंग की जा सकती है?

5) वैज्ञानिक का नाम बताए जिन्होंने शतरंज जैसे दो-खिलाड़ी खेलों के लिए एला-रेटिंग प्रणाली के निर्माता थे ?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 1987-1988 (2) नगाड़ा (3) इप्सम (4) कभी भी नहीं (5) अर्पाद ऐलो

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1796 - फ्रांसीसी सैनिकों ने इटली के मिलान पर कब्जा किया। 1817 - समाज सुधारक देवेन्द्र नाथ टैगोर का जन्म। 1905 - अमेरिका के नेवादा प्रांत में लास वेगास शहर की स्थापना। 1907 - शहीदे आजम भगत सिंह और राजगुरु के साथ हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर लटकने वाले सुखदेव थापर का जन्म। 1918 - अमेरिका में पहली हवाई डाक सेवा की शुरुआत। 1940- मैक और डिक मैकडोनाल्ड नाम के दो भाइयों ने कैलिफोर्निया के सैन बर्नार्डीनो में मैकडोनाल्ड रेस्त्रां की शुरुआत की। 1958 - सोवियत संघ ने स्पूतनिक तृतीय रॉकेट प्रक्षेपित किया। 1958 - भारत में उपहार कर की शुरुआत हुई। 1967- बॉलीवुड की जानी मानी अदाकारा माधुरी दीक्षित का जन्म।

■ न्यूज गैलरी

राजस्व अधिकारी बंजारे निलंबित

दुर्ग। निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन द्वारा छग सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील 1966 के नियम 9/1 की शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये आरके बंजारे राजस्व अधिकारी को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उन्हें मूलभूत नियम के अंतर्गत विधिवत जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। उल्लेखनीय है कि कोविड.19 के तहत् लॉकडाउन अवधि में श्री बंजारे द्वारा निगम अधिकारियों का कॉल रिसिव नहीं किया गया तथा पूरे समय मुख्यालय से बाहर रहने के कारण शासन एवं निगम के कार्य प्रभावित हुए जिसके कारण आयुक्त बर्मन द्वारा सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा नियम की शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये निलंबित कर दिया गया।

डेंगू मरीजों के परिजनों का हालचाल जानने पहुंचे महापौर व कलेक्टर

घरों- घर जाकर बताएं टेमीफास की उपयोगिता

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम के तहत आज महापौर एवं विधायक देवेंद्र यादव, कलेक्टर अंकित आनंद, निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने वार्ड 25 संतोषी पारा क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस क्षेत्र में डेंगू के मरीज पाए गए थे जिसमें से दो ठीक हो कर घर वापस आ चुके हैं, इन मरीजों और परिजनों का हालचाल जानने के लिए महापौर सहित कलेक्टर एवं निगम कमिश्नर क्षेत्र में पहुंचे। वार्ड क्षेत्र में पहुंचकर सभी ने आसपास के रहवासियों से चर्चा किए तथा आस.पास में कोई और परिवार का सदस्य बीमार तो नहीं है की जानकारी लिए लोगों को बताया गया कि डेंगू का लार्वा नष्ट करने के लिए निगम द्वारा वितरण किए जा रहे टेमीफास् का उपयोग कैसे करना है तथा कितनी मात्रा में इसका उपयोग करना है।

क्षेत्र का भ्रमण करते हुए टेमीफास् वितरण की जानकारी घरों से प्राप्त किए। इस दौरान लोगों को बताया गया कि अपने घर के कूलर की नियमित रूप से सफाई कर पानी को प्रतिदिन परिवर्तन करते रहे, पुराने जमा हुए पानी में टेमीफास् का उपयोग कर डेंगू के लार्वा को नष्ट करने के पश्चात ही उसे खाली करें। जिससे डेंगू के लार्वा को पनपने का अवसर न मिले। पुराने जमा पानी में डेंगू के लार्वा को नष्ट किए गए बगैर पानी को न बहाए। वार्ड के रहवासियों को बताया गया कि टेमीफास् का दो बूंद ही कूलर एवं विभिन्न पात्रों में जहां पानी जमा है लार्वा को नष्ट करने के लिए उपयोग करें प्रतिदिन इसका उपयोग करना आवश्यक नहीं है।

राहत सामाग्री का मामला गरमाया

भाजपाईयों ने संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। निगम व हैदराबाद के एक समुदाय से जुड़े संस्था का एकसाथ छपे थैले से शहर के कुछ क्षेत्रों में धर्म विशेष के लोगों को सूखा राहत सामग्री बांटें जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है और कोरोना महामारी आपदा काल में निगम जैसी शासकीय संस्था के साथ गैर प्रदेश के संस्था के नाम पर कांग्रेस शासित निगम में विधायक व महापौर के फोटोयुक्त खाद्य सामग्री गरीबों को तुष्टिकरण के तहत धार्मिक भेदभाव के आधार पर दिए जाने के मुद्दे को भाजपा ने भी बेहद गंभीरता से लिया है व इसे शहर के शांत व सौहाद्र वातावरण में जहर घोलने वाला बताते हुए आज भाजपा जिला अध्यक्ष उषा टावरी के नेतृत्व में एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल ने संभाग आयुक्त जीआर चुरेंद्र से मुलाकात कर गत दिनों हुए गोडवाना भवन की घटना की विस्तारवार जानकारी देते हुए इस पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कर संकट काल में इस प्रकार मदद की आड़ में अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए बहुसंख्यक वर्ग के गरीबों के साथ भेदभाव करने वाले दोषी तत्वों पर कड़ी के कार्यवाही करने की मांग की जिस पर संभाग आयुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल निगम आयुक्त से फोन पर चर्चा की व इस प्रकार की घटना को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए इस विषय जांच कर विस्तृत जानकारी देने इस तरह की घटना की पुनरवृत्ति न हो इसकी सख्त निर्देश दिया।

इस मामले को लेकर आज जिला भाजपा अध्यक्ष उषा टवरी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, जिला भाजपा उपाध्यक्ष कांतिलाल जैन जिला भाजयुमो अध्यक्ष दिनेश देवांगन, नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा ने सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए संभाग कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

1061 मजदूर ग्राम पंचायतों व 304 जनपद पंचायत में क्वारंटीन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। दूसरे राज्यों से आए ग्रामीणों के क्वारंटीन में रहने के दौरान उनकी सुविधाओं की समीक्षा जिला पंचायत सीईओ कुंदन कुमार ने की। अधिकारियों से उन्होंने विभिन्न जगहों में रह रहे लोगों के क्वारंटीन के संबंध में और मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि 1061 मजदूर ग्राम पंचायतों में और 304 मजदूर जनपद पंचायत में क्वारंटीन में हैं। इनके लिए सैनिटाइजेशन की व्यवस्था, संक्रमण के रोकथाम के इंतजाम आदि की जानकारी सीईओ ने बैठक में ली। बैठक में मनरेगा, गौठान निर्माण, आजीविका मूलक गतिविधियों के बारे में समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि एसओपी (स्टैंडर्ड आपरेटिव प्रोसीजर) के मुताबिक पूरा कार्य किया जा रहा है। बाहर से आ रहे मजदूरों की जानकारी त्वरित रूप से दी जा रही है और उनके आइसोलेशन और क्वारंटीन तथा स्वास्थ्य जांच के बारे में तत्काल कार्य किया जा रहा है। इसकी मानिटरिंग के लिए पूरी टीम लगाई गई है। मनरेगा अंतर्गत होने वाले व्यापक पौधरोपण कार्य की समीक्षा की गई और इसके लिए कार्ययोजना बनाई गई। सीईओ ने कहा कि इस बार व्यापक रूप से पौधरोपण का कार्य होगा। इसके लिए भूमि के चिन्हांकन के लिए कार्य करें और पौधरोपण की बेहतर योजना बनाकर इसे कार्यान्वित करने की दिशा में काम करें। बैठक में सभी ब्लाक के सीईओ, ईई आरईएस, कार्यक्रम अधिकारी एवं अन्य ब्लाकस्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्वॉरेंटाइन में रखे मजदूरों को नाश्ता एवं भोजन की सुविधा

निगम भिलाई के मंगल भवन खुर्सीपार को क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाया गया है जहां पर 7 मजदूर बाहर से आकर इस क्वॉरेंटाइन सेंटर में रुके हुए हैं। 3.4 दिनों पूर्व विभिन्न क्षेत्रों से आए मजदूरों को यहां पर रखा गया है जिन्हें सुबह चाय, नाश्ता एवं दोनों टाइम का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगल भवन स्थित क्वॉरेंटाइन सेंटर के लिए कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पुलिस कस्टडी में खुदकुशी का प्रयास

पुलिस की कार्यशैली पर लगाए प्रश्नचिन्ह

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। मोहन नगर पुलिस थाना के कस्टडी में गुरुवार की सुबह एक युवक ने अपने शरीर पर धारदार वस्तु से वार कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। उसे गले व दोनों हाथो की कलाई में चोंटे आने से जिला अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। जहां उसकी हालत अब खतरे में बाहर बताई गई है। आत्मघाती कदम उठाने वाले युवक लक्ष्मीकांत ठाकुर 35 वर्ष पिता जीएस ठाकुर आरके फिटनेस के पास बोरसी निवासी को पुलिस ने धारा 386 कर्जा एक्ट के एक पुराने मामले में बुधवार की शाम हिरासत में लेकर मोहन नगर पुलिस थाना के कस्टडी में रखा था। उसे गुरुवार को पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश करने की तैयारी थी। इसके पहले वह सुबह बाथरुम जाने के बहाने निकला और मोहन नगर पुलिस थाना के भीतर अपने शरीर पर धारदार वस्तु से वार कर खुद को जख्मी कर लिया। पुलिस कस्टडी में सामने आए इस घटना से पुलिस महकमें में हड़कंप का माहौल है। घटना की खबर पर दुर्ग सीएसपी विवेक शुक्ला, अजीत यादव, मोहन नगर थाना प्रभारी नरेश पटेल, कोतवाली थाना प्रभारी बागड़े एवं अन्य अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे।

भाजपा द्वारा सुरक्षा कर्मियों का सम्मान

भिलाई। भाजपा जिलाध्यक्ष सांवलाराम डाहरे के निर्देश पर भाजपा जिला द्वारा निरंतर नगर के कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया जा रहा है। नगर के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस कर्मियों, बैंक कर्मियों व निगम में कार्यरत समस्त सुरक्षा कर्मियों का सम्मान किया। जिसमें जिला कोषाध्यक्ष अर्जुन सचदेव, मंत्री पुरषोत्तम देवांगन एवं सुपेला मंडल अध्यक्ष विजय जायसवाल के द्वारा समस्त सुरक्षा कर्मियों को शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिम संचालकों ने शासन से खोलने की माँगी अनुमति

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। छग प्रदेश बॉडी बिल्डर्स एसोसिएशन के महासचिव अरविंद सिंह ने बताया किए आज लॉकडाऊन व काविड.19 के दौरान उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर्स एसो. व दुर्ग.भिलाई के जिम संचालकों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा हुई। इस दौरान सभी जिम संचालकों ने लॉकडाऊन के वजह से आर्थिक स्थिति की तंगी की चर्चा की गई। चर्चा के दौरान जिम संचालकों ने अपनी माली हालत, बैंक ऋण, बिल्डिंग का किराया एवं छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा भेजी गई विद्युत बिलों की सम्बंध में गंभीरता के साथ चर्चा की गई। चर्चा के दौरान अनेक जिम संचालकों ने बताया किए लगभग दो महीने के लॉकडाऊन के बाद जिम बंद होने से सभी जिम संचालकों की आर्थिक हालत बहुत खराब हो चुकी है। शहर के अधिकतर जिम किराये से एवं बैंक के द्वारा फायनेंस पर चल रहे है और मकान मालिक के द्वारा किराया देने का लगातार दबाव बनाया जा रहा है। बिजली का बिल जिम बंद होने के बाद बड़ी राशि भेजी जा रही है। सभी जिम में लगभग 8 से 10 कर्मचारी कार्यरत है। जिम बंद होने से प्रदेश के सभी बॉडी बिल्डर राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी से वंचित है। सभी जिम संचालकों की प्रदेश शासन ने माँग है किए उन्हें भी जिम खोलने की अनुमति दी जाये। जिम संचालक शासन के नियमों का पूर्णतरू पालन करेंगे। जैसा किए भारत सरकार एवं राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा भी यह बात कही गई है किए कसरत करने से शरीर का इम्युनिटी सिस्टम बढ़ता है।

तालाब से खाली किया प्रदूषित पानी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शक्ति नगर क्षेत्र में प्रदूषित पानी से होने वाली महामारी एवं अन्य बीमारी से बचाव के लिए निगम ने बेहतर प्रबंधन का कार्य करते हुये शक्ति नगर तालाब से प्रदूषित पानी को खाली कराया। अब तालाब से खाद युक्त मिट्टी को बाहर निकाला जा रहा है। निगम की विभागीय बेहतर प्रबंधन से कार्यपालन अभियंता राजेश पाण्डेय के नेतृत्व एवं सहा. अभियंता जगदीश केशरवानी स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के सहयोग से कम समय में प्रदूषित पानी को खाली किया गया। औद्योगिक नगर वार्ड 17 में स्थित शक्ति नगर तालाब का पानी प्रदूषित होने के कारण मछलियां मर रही थी पानी से बदबू आ रहा था। वार्ड निवासियों की मांग पर विधायक वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा शक्ति नगर तालाब का निरीक्षण किया गया। उनके निर्देश के परिपालन में निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन द्वारा शक्ति नगर तालाब सफाई हेतु दल गठित किया। निर्देश पर तालाब की सफाई कार्य निगम से व्यवस्था करने निर्देशित किया। अधिकारियों ने तालाब से प्रदूषित पानी खाली करने पम्प लगाया गया।

नीजि स्कूलों की मनमानी के खिलाफ एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

विधायक व शिक्षाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही पर दिया जोर

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला एनएसयूआई ने विद्यार्थियों के हित में नीजि स्कूलों की मनमानी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस संबंध में संगठन द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लॉकडाउन की परिस्थितियों का हवाला देते हुए विद्यार्थियों की 3 माह की फीस माफ करने के अलावा निर्धारित बुक डिपों से ही पुस्तक.कॉपी खरीदने के लिए पालकों को बाध्य करने वाले नीजि स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की गई है। उक्त मांगों को एनएसयूआई ने विधायक अरुण वोरा के सज्ञान में भी लाया गया है। श्री वोरा से एनएसयूआई ने मांगों पर मुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री स्तर पर पहल कर विद्यार्थियों व उनके पालकों को राहत प्रदान करने पर जोर दिया गया है। विधायक वोरा व जिला शिक्षाधिकारी को यह ज्ञापन जिला एनएसयूआई के कार्यकारी अध्यक्ष सोनू साहू के नेतृत्व में सौंपा गया। मांगों में विद्यार्थियों की 3 माह की फीस माफ, निर्धारित बुक डिपो से पुस्तक व कॉपी खरीदी के लिए पालकों को बाध्य करने पर रोक, केपीएस स्कूल की मनमानी पर रोक एवं विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य मांगे शामिल है। कार्यकारी अध्यक्ष सोनू साहू ने कहा है कि शिक्षा विभाग द्वारा उक्त मांगों पर यदि जल्द कार्यवाही नहीं किया गया तो एनएसयूआई आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

पालकों में आक्रोश

दुर्ग। कोरोना संकट में प्रभावशील लॉकडाउन में व्यापार व व्यवसाय बंद होने से लोगों की आर्थिक स्थिति गड़बड़ा गई है। इसको देखते हुए शासन. प्रशासन ने नीजि स्कूलों को फीस के लिए पालकों पर दबाव नही बनाने का आदेश दिया, लेकिन कुछ नीजि स्कूल इन आदेशों का खुला उल्लंघन कर रहे है। जिससे विद्यार्थियों के पालकों में आक्रोश है। निगम मुख्यालय के पास संचालित लिटिल मिलेनियम स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भी ऐसा ही मामला सामने आया। जिसकी विद्यार्थियों के पालकों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत कर स्कूल प्रबंधन की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की गई है।

किसानों की दोगुनी आय के वादे का क्या हुआ : राजेन्द्र

6 साल में कितने के खाते में जमा हुए 15 लाख

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शराब बंदी को लेकर भाजपा के धरना प्रदर्शन को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने तीखा पलटवार किया है। राजेंद्र ने कहा कि विरोध करने वाले डा. रमन सिंह ने 15 साल तक छत्तीसगढ़ में राज किया और शराब दुकानों की संख्या बढ़ा दी। आबादी बस्तियों में शराब दुकानें खोली गई। जबकि 15 महीने के कार्यकाल में भूपेश सरकार ने शराब दुकानों की संख्या घटाने का काम किया है। राजेंद्र ने कहा कि पिछले साल शराब की 50 दुकानें और इस साल 49 दुकानें बंद करने का फैसला भूपेश सरकार ने लिया है। 15 साल तक जब रमन कार्यकाल में शराब दुकानों की संख्या बढ़ रही थी तब सरोज पांडेय सांसद और विधायक थी।

भाजपा के शीर्ष नेताओं के वादे याद है या भूल गए

राजेंद्र ने कहा कि प्रदेश भाजपा नेताओं को अपने केंद्रीय नेताओं के वादों को भी याद करना चाहिए। 2014 में सत्ता पाने के लिए भाजपा के शीर्ष नेताओं ने हर भारतीय के खाते में 15 लाख रुपए जमा करने का वादा किया था। 6 साल बीत चुके हैं। आज तक कितने लोगों के खाते में 15 लाख रुपए जमा हुए। मोदी सरकार चाहती तो किस्तों में भुगतान कर सकती थी। मगर लोगों के साथ छल किया गया।

यह काम करें अच्छा समय है

भाजपा नेता बार.बार कह रहे हैं कि लोगों ने 45 दिनों में शराब पीना छोड़ दिया था, यह शराबबंदी के लिए अच्छा समय है। राजेंद्र ने इसके जवाब में कहा कि 2014 के चुनाव में मोदी समेत भाजपा नेताओं ने सरकार बनने पर पेट्रोल.डीजल के रेट 40 रुपए करने का वादा किया था। वर्तमान में पूरी दुनिया में कच्चे तेल के दाम कम हो गए हैं। भारत में पेट्रोल.डीजल का रेट 30 रुपए प्रति लीटर करने के लिए भी यह यह अच्छा समय है। राजेंद्र ने कहा कि कोरोना महामारी के नियंत्रण में लापरवाही का प्रदेश भाजपा नेताओं का आरोप हास्यास्पद है। सच ये है कि भूपेश सरकार के कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए उठाए गए कदमों से न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया में भूपेश सरकार की तारीफ हो रही है। प्रदेश भाजपा के नेताओं का झूठ पूरी दुनिया समझ रही है।

कोरोना वायरस सीमित संसाधनों एवं कर्मचारियों की कमी से जुझ रहें निगम के कर्मचारी

यौद्धाओं की तरह लड़ रहें है निगम के कोरोना वॉरियर्स

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। विश्व समुदाय के नजरों में चुभ चुके विस्तारवादी देश चीन से आयातित संक्रमित बीमारी कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम हेतु रिसाली निगम के कोरोना वॉरियर्स स्वास्थ्य अमला को 3.3 मोर्चो में योद्धाओं की तरह लड़ाई लड़ना पड़ रहा है। सीमित संसाधनों एवं कर्मचारियों की कमी से जुझ रहें निगम के कर्मचारी स्वंय की जान को खतरों में डालकर निगम क्षेत्र में रहवासियों की सुरक्षा के लिए कोविड.19 के साथ साथ जनजनित मौसमी बीमारी डेंगु एवं पीलिया से भी युद्ध स्तर पर लड़ाई लड रहें है। भिलाई निगम क्षेत्रों में डेंगु के दस्तक के बीच निगम भी अलर्ट मोड पर आ गई है। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू के मार्गदर्शन में निगम के सभी वार्डो में प्रथम चरण की समाप्ति के बाद विगत तीन दिनों से क्लोरिन टेबलेट व टेमीफास लार्वा नाशक दवाई निगम के स्वास्थ्य अमला द्वारा घर.घर बाटी जा रही है साथ ही साथ कोविड 19 के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम हेतु तथा डेंगु एवं पीलिया के लक्षणों एवं बचाव के बारे में आमजन को सचेत करने के लिए व्यापक स्तर पर भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है। अभी तक रिसाली निगम स्वास्थ्य अमला द्वारा विभिन्न वार्डो में द्वितीय चरण उपरांत प्रथम 3 दिनों में 2000 टेमीफास लार्वा नाशक दवाई की बोतलें एवं 3000 क्लोरिन टेबलेट निगम क्षेत्र के वार्डो में वितरित किये जा चुके है। निगम के सफाई गैंग कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन सभी वार्डो के नहर नालो तथा नालियों का भी व्यापक रूप से सफाई उपरांत चुना एवं ब्लीचिंग पाउडर से छिड़काव कर रहें। नियमित रूप से प्रतिदिन मलेरिया ऑयल, मैलाथियान का छिडकाव के अतिरिक्त निगम वार्डो के घरों, मोहल्लों, दुकानों, चैक चैराहों में स्प्रे पंप एवं ट्रेक्टर टेंकर पंप के द्वारा सोडियम हाईकोक्लोराईड कीटनाशक दवाई के घोल से सैनेटाईजेशन कार्य भी तेजी लाने के साथ साथ रात्रि में फांगिग कार्य को भी युद्धस्तर पर सभी वार्डो में कराये जाने कडे निर्देश आयुक्त ने स्वास्थ्य अमला को दिया है। निगम के स्वास्थ्य अमला द्वारा वार्ड 39 पुरैना, वार्ड 40 जोरातराई, वार्ड 41 डुण्डेरा, वार्ड 42 नेवई, वार्ड 43 स्टेशन मरोदा, वार्ड 44 टंकी मरोदा, वार्ड 60 रिसाली, वार्ड 61 प्रगति नगर के आदि वार्डो में क्लोरिन टेबलेट व टेमीफास लार्वा नाशक दवाई का वितरण कार्य प्रगति पर है।

430 स्वास्थ्य महिला कर्मी कोरोना को दे रही है मात

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। लॉकडाउन के बाद से निगम क्षेत्र में कोरोना को मात देने निगम की लगभग 430 महिला सफाई कर्मी पूरे जज्बे के साथ स्वच्छता के क्षेत्र में काम कर रही है। सड़क और नालियों की सफाई के साथ ही डेंगू और पीलिया जैसी बीमारियों के रोकथाम हेतु हर कार्य को अंजाम दे रही है। सभी जोन के स्वास्थ्य विभाग में तैनात महिला स्वच्छता कर्मचारी निगम क्षेत्र में गंदगी को दूर भगाने और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दे रही है। क्लोरीन टैबलेट, टेमिफॉस की बॉटल वितरण हो या फिर पाम्प्लेट चस्पा करना हो हर मोंचे पर निगम की महिला कर्मचारी खरी उतर रही है। 26 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक की महिलाएं कोरोना वारियर्स के रूप में कार्य कर रही है। महिला स्वच्छता कर्मचारी प्रथम पाली प्रातः 6 से 2 बजे तक कार्य करती हैं, परंतु कोरोना वायरस के रोकथाम एवं नियंत्रण तथा डेंगू एवं पीलिया के रोकथाम के तहत व समय.समय पर अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए निर्धारित समय का भी का ख्याल न रखते हुए अपने क्षेत्र पर कार्य करती रही है। निगम के स्वच्छता विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारी जो साफ सफाई से लेकर स्वच्छता के हर कार्य में पूरी मुस्तैदी से जुटी है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार के संक्रमण की रोकथाम में प्रतिदिन कार्य कर रही है।

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./141/ब-121/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनमौतीन पति श्याम सुंदर निवासी ग्राम चरोदा तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम सिरसाकला प.ह.न. 02 रा.नि.मं. चरोदा तह. पाटन व जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 457/4, 1012 रकबा 0.10, 0.18 हे. भूमि जो कि आवेदक/आवेदिका एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक/ आवेदिका के द्वारा ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर द्वितीय ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र बैंको द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 15.05.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 20.04.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

■ न्यूज गैलरी

10वीं-12वीं के शेष विषयों की परीक्षा रद्द

महासमुंद। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते आखिरकार सरकार को बोर्ड कक्षाओं की परीक्षा रद्द करनी पड़ी। अब दसवीं व बारहवीं कक्षाओं के शेष विषयों की परीक्षा नहीं होगी। इन्हें अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित करने का निर्णय लिया है। वहीं अनुपस्थिति या अनुत्तीर्ण होने वाले व स्वाध्यायी छात्रों को भी बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें भी न्यूनतम उत्तीर्ण अंक दिया जाएगा। जिले के तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। वे लगातार तनाव में थे कि परीक्षा होगी या नहीं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव वीके गोयल ने 13 मई को यह आदेश प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजा है।

आठ हजार का गुटखा और गुड़ाखू जब्त

महासमुंद। बुधवार सुबह जिला एवं पुलिस प्रशासन की टीम ने दो तीन लोगों से आठ हजार रुपए का गुटखा जब्त किया है। थाना प्रभारी कमला पुसाम ने बताया कि लहरौद स्थित फल ठेला में गुटखा बेचते हुए प्रवीण देवांगन पिता सुरेश को पकड़ा गया। वह मेन रोड स्थित श्रवण अग्रवाल के यहां से गुटखा लाकर बेच रहा था। श्रवण अग्रवाल के गोदाम में छापामार कार्रवाई की। जहां से 5 हजार रूपए का गुटखा जब्त किया गया। इसके बाद अधिक कीमत में गुड़ाखू बेचने की सूचना पर मनोज अग्रवाल पिता सुरेश अग्रवाल के यहां छापामार कार्रवाई की, जहां गुड़ाखू के साथ गुटखा बरामद हुआ। जिसकी कीमत तीन हजार रूपए हैं। इन तीनों के खिलाफधारा 188, 270, 279, 34 के तहत केस दर्ज किया गया है।

जुआ खेलने से मना करने पर पिटाई

महासमुंद। जुआ खेलने से मना करने पर चार लोगों ने युवक की पिटाई कर दी। नयापारा निवासी भूपेंद्र शर्मा पिता रमेश शर्मा के अनुसार मंगलवार रात साढ़े 8 बजे उसके मकान में मोहल्ले के दूजराज सेन, छगन सेन, श्यामा बाई सेन और उत्तम जुआ खेल रहे थे। जिन्हे मना करने पर उन्होने मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने उक्त चारों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 452/34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

दुकान खोला, कार्रवाई

महासमूंद। लॉकडाउन के दौरान कपड़ा दुकान खोलने पर पुलिस ने वस्त्रालय संचालक के खिलाफअपराध दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि सागरपाली में प्रभा वस्त्रालय के संचालक वीरेंद्र पिता हेमसागर पटेल को मंगलवार अपरान्ह पौने 5 बजे दुकान खोले पाया गया जहां वह कपड़ा बेच रहा था। पुलिस ने उक्त युवक के खिलाफ धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किया।

40 लीटर शराब के साथ दो पकड़ाए

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने केदवा मेन रोड के पास बाइक से शराब परिवहन करते दो लोगों को पकड़ा। युवक चंडीभौना के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात सवा 10 बजे बाइक सवार चंडीभौना निवासी शिव प्रसाद पटेल और उसके एक अन्य साथी के कब्जे से 40 लीटर महुआ शराब जब्त की। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

दुकान संचालक पर कार्रवाई

महासमुंद। बसना में मोबाइल दुकान खोलने पर पुलिस ने संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि लॉकडाउन का उल्लंघन करते पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। मंगलवार सुबह 11 बजे सागरपाली रोड भंवरपुर में संतपाली निवासी जशवंत राणा (76) ने मोबाइल दुकान खोल रखा था। जिस पर धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किया गया।

अधिकतम 02 किलो की पात्रता होगी

महासमुंद। राज्य शासन के निर्देश पर लॉकडाउन की वर्तमान परिरिथतियों को दृष्टिगत रखते हुए शासन एतद् द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत जारी किये गये सामान्य (एपीएल) राशनकार्डधारकों को 1 जून से 10 रुपए प्रति किलो की दर से अधिकतम 02 किलो नमक प्रति राशन कार्ड प्रतिमाह की पात्रता निर्धारित की है।

पुलिस और नपं उपाध्यक्ष के सहयोग से वृद्धाओं को मिला आशियाना

महासमुंद। तुमगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लगे यात्री प्रतीक्षालय में एक वृद्धा निवासरत थीं, जो लोगों से प्राप्त खाद्य पदार्थ, भोजन से अपना समय व्यतीत कर रही थीं। इस बीच एक और अन्य वृद्धा वहां आकर उसी रहने लगीं। इसकी सूचना मिलते ही आरक्षक अनिल यादव संचालित योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाने की कवायद में जुट गए। सहकर्मी प्रकाश ठाकुर ने दलदली स्थित वृद्धाश्रम आशियाना पहुंचकर प्रभारी नीतू दास को जानकारी देकर वृद्धजनों को वहां शिफ्ट करने के लिए चर्चा की। जिस पर प्रभारी ने आवश्यक प्रक्रिया के साथ वृद्धाश्रम में लाने की बात कही। बाद आरक्षक ने नगर पंचायत तुमगांव के युवा उपाध्यक्ष पप्पू कुमार पटेल से भेंटकर द्वय वृद्धजनों को जिले के वृद्धाश्रम में शिफ्ट करने के लिए पहल की रूपरेखा बनाई।

निकाय की टैक्स अवधि 30 मई तक बढ़ाएं राज्य सरकार : प्रकाश

महसमुंद। भारतीय जनता पार्टी के नेता और नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने नगरीय निकाय के टैक्स अवधि को 30 मई तक बढ़ाने राज्य सरकार से अनुरोध किया है। राज्य सरकार के टैक्स वसूली के आदेश पर पालिका अध्यक्ष चंद्राकर ने कहा कोरोना महामारी के कारण देशभर में पिछले 50 दिनों से लॉकडाउन जारी है और इस लॉकडाउन के कारण गरीब, मजदूर सहित मध्यमवर्गीय परिवार सर्वाधिक प्रभावित हुएं हैं। ऐसे में लोगों का रोजगार व्यापार भी ठप पड़ गया है। पालिका अध्यक्ष चंद्राकर ने राज्य सरकार से लोगों को राहत देते हुए टैक्स वसूली की तिथि को 15 से बढ़ाकर 30 मई किए जाने की मांग की है।

अन्य राज्यों से आए लोगों के लिए क्वारन्टीन सेंटर में पर्याप्त व्यवस्था

■ **क्वारेंटाईन सेंटर में सामाजिक दूरी, फिजिकल डिस्टेंस, हाथ धोने, मास्क उपयोग संबंधित नियमों के पालन पर रखा जा रहा है विशेष ध्यान**

महासमुंद। कलेक्टर सुनील कुमार जैन के निर्देशानुसार देशव्यापी लाकडाउन के दौरान जिले में अन्य प्रदेशों से आ रहे प्रवासी श्रमिकों को 14 दिनों तक क्वारेंटाईन सेंटर में रखने की व्यवस्था सभी तहसीलों में की गई है। बागबाहरा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भागवत प्रसाद जायसवाल ने बताया कि बागबाहरा विकासखंड के ग्रामों में ही स्थित बस्ती से बाहर शासकीय भवनों में क्वॉरेंटाइन सेंटरों की स्थापना की गई है। बागबाहरा तहसील में 247 क्वॉरेंटाईन सेंटर बनाया गया है। इन सेंटरों में बिजली, पानी, भोजन, शौचालय, बिस्तर सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उनको उपलब्ध कराई गई है, जहां इनका नियमित रूप से चिकित्सकीय जांच किया जाता है तथा इनके आवागमन या आम लोगों से मिलने पर रोक लगाने के लिए निगरानी दल भी बनाया गया है। अधिकांश नागरिक क्वारेंटाईन नियमों का पालन कर रहे हैं । लेकिन कुछ मामलों में उनके द्वारा निर्देशों या नियमों की अव्हेलना करने पर नोडल अधिकारी और गठित टीम पहुंच कर उनको समझाईस देते हैं। इसके अलावा उनको क्वॉरेंटाईन सेंटरों में रहने संबंधी नियमों के बारे में बताकर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि बागबाहरा तहसील में अब तक 2593 लोग अन्य राज्यों से आ चुके है, इनमें 11 महाराष्ट्र से, तीन हरियाणा से, चार तेलंगाना से, 17 उत्तर प्रदेश से, 760 उड़ीसा से, 11 मध्य प्रदेश से एवं शेष अन्य राज्यों से यहां पहुंचे हैं। इन सभी को प्रारंभिक क्वॉरेंटाईन सेंटर में ही रुकवाया गया था। इनमें से 1665 लोगों का क्वॉरेंटाईन समय 14 दिन का पूरा हो चुका है और वे अपने-अपने घर वापस जा चुके हैं । वर्तमान में 928 लोग क्वारेंटाइन सेंटर में रह रहे हैं। प्रशासन द्वारा उन्हें लगातार बताने का प्रयास किया जाता है कि वे इसे अपने लिए 14 दिवस का घर समझकर रहें और सामान्य जीवन के रूप में बिताएं। क्वारेंटाईन सेंटर में सामाजिक दूरी, फिजिकल डिस्टेंस, हाथ धोने, मास्क उपयोग संबंधित नियमों के पालन पर विशेष ध्यान रखा जाता है।

पौने 50 लाख का प्रतिबंधित गुटखा व तंबाकू बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। लॉकडाउन के दौरान बसना पुलिस ने गुटखा भंडारण पर बड़ी कार्रवाई की। हबेकांटा में एक मकान से पौने 50 लाख रुपए का प्रतिबंधित गुटखा व तंबाकू बरामद की। ये गुटखा अन्य राज्य से ला कर रखा गया था। मामले में एक विक्रेता को जेल भेज दिया। प्रदेश में अवैध रूप से गुटखा भंडारण पर अब तक यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने पत्रकारों को बताया किबसना पुलिस ने बुधवार दोपहर बरेपेलाडीह निवासी पुरंदर पिता शिवप्रसाद (24) के हबेकांटा स्थित किराए के मकान में बनाए गोदाम में छापा मारा। कार्रवाई से पहले पुलिस ने एक ग्राहक बनाकर भेजा। जिसने तंबाकू विक्रेता से फोन पर बात की और गुटखा-तंबाकू खरीदने गोदाम पहुंचा। सिविल ड्रेस में पुलिस ग्राहक के संपर्क में रही। जैसे ही विक्रेता पुरंदर ने गोदाम खोला पुलिस ने घेर लिया। गोदाम की तलाशी में भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा व तंबाकू मिला। गोदाम के अंदर राजश्री पान मसाला 110 प्लास्टिक बोरी, पान मसाला का तंबाकू 100 नग बोरी में रखा मिला। इसके अलावा तीन सफेद बोरी में तीर्थराम तंबाकू कुल करीब 49 लाख 74 हजार रुपए का बरामद किया गया। गोदाम को सील कर दिया। इस कार्रवाई में बसना निरीक्षक वीणा यादव, उप निरीक्षक लक्ष्मीनारायण साव, सहायक उपनिरीक्षक सिकंदर भोई, सहायक उपनिरीक्षक दरबारी राम , प्रधान आरक्षक राजेश सिकरवार, आरक्षक महेंद्र यादव, आरक्षक अनिल खांडे, नूतेंद्र साहू, लखेश्वर चौधरी, कौशल ध्रुव, दासरथी भोई शामिल रहे।

अध्यक्ष ने की बाल संप्रेक्षण ग्रहों के संबंध में आवश्यक चर्चा

■ **वीडियों कान्फ्रेंसिंग से ली सुविधाओं की जानकारी**

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा दुबे ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती रेणु प्रकाश से विभिन्न मुद्दो पर चर्चा कर कार्यों की समीक्षा की। चर्चा के दौरान कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती रेणु प्रकाश ने बताया कि जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में क्षमता के अनुसार हेण्डवास, सेनेटाईजर, साबुन उपलब्ध है। यहां निवासरत बच्चों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक एक घंटे के अंतराल में सेनेटाईजर का उपयोग किया जा रहा है। संस्था में प्रवेशित नये बच्चों के लिए एक पृथक से आईसोलेशन कक्ष बनाया गया है। ताकि कोरोना वायरस से रोकथाम किया जा सके। बाल देखरेख संस्थाओं में परिसर को सेनेटाईज करने के लिए दिन में 3 बार हार्पिक एवं फिनाईल से पोछा लगाया जा रहा है।

जिले में संचालित बालदेखरेख संस्थाओं द्वारा बच्चों के शयनकक्ष, मनोरंजन कक्ष, बैठक कक्ष एवं भोजन कक्ष में सामाजिक एवं भौतिक दूरी का गंभीरता से पालन किया जा रहा है। शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक), शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालिका), बालगृह बालिका में हाउसकीपर द्वारा प्रतिदिन शौचालय एवं स्नानागार की सफाई दिन में 3 बार किया जा रहा है। बाल देखरेख संस्थाओं में बाहर से आने-जाने वाले कर्मचारियों को नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए सेनेटाईजर का उपयोग करने के बाद ही संस्था में प्रवेश दिया जाता है। सभी कर्मचारियों को मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है। बाल गृह संस्थाओं में कर्मचारी एवं क्षमता अनुरूप मास्क उपलब्ध है।

लॉकडाउन में मनरेगा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

■ **मनरेगा में प्रतिदिन जिले के 2 लाख 10 हजार 567 मजदूरों को मिल रहा रोजगार**

■ **कार्य स्थल में श्रमिकों के लिए हाथ धोने साबुन की व्यवस्था**

राजनांदगांव। कोरोना संक्रमण में लॉकडाउन के कारण सभी आर्थिक गतिविधियां बंद है, लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में मनरेगा के तहत राजनांदगांव जिले के गांवों में 2 लाख 10 हजार 567 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है। इससे लोगों की रोजी-रोटी की समस्या दूर हो गई। श्रमिकों को जीवन यापन में होनी वाली कठिनाईयों से राहत मिली है। गांवों में साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मनरेगा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मनरेगा के अन्तर्गत तालाब गहरीकरण, नया तालाब, डबरी निर्माण, भूमि सुधार , गौठान निर्माण तथा नरवा पुनर्जीवन के कार्य किए जा रहे हैं

कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में मनरेगा के अंतर्गत वर्तमान में जिले की 812 ग्राम पंचायतों में से 779 ग्राम पंचायतों में 4 हजार 25 कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। जिसमें 2 लाख 10 हजार 567 श्रमिक कार्य कर लाभान्वित हो रहे है। कार्य स्थल पर कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सोशल डिस्टेसिंग का पालन किया जा रहा है। साथ ही हाथ धोने के लिए साबुन की व्यवस्था भी की गई है।

जिला पंचायत राजनांदगांव से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनरेगा के अंतर्गत जिले के डोंगरगांव विकासखंड में 297 कार्य चल रहे हैं जिसमें 14 हजार 267 मजदूर कार्यरत हैं। इसी प्रकार विकासखंड मोहला में 248 कार्यों में 10 हजार 132 श्रमिक लाभान्वित हो रहे है। विकासखंड छुईखदान में 474 कार्य चल रहे है। यहां प्रतिदिन 26 हजार 961 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। विकासखंड मानपुर में 287 कार्य संचालित है। जिसमें 16 हजार 73 श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। छुरिया विकासखंड में 486 कार्य चल रहे है। जिसमें 34 हजार 976 श्रमिक कार्यरत हैं। विकासखंड अंबागढ़ चौकी में 416 कार्य संचालित है। यहां 19 हजार 210 मजदूर कार्य कर रहे हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड में 694 कार्य चल रहे हैं। जिसमें 25 हजार 318 मजदूर कार्य कर रहे हैं। खैरागढ़ विकासखंड में 664 कार्य संचालित हैं। जिनमें 32 हजार 799 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। राजनांदगांव विकासखंड में 459 कार्य चल रहे हैं। इस विकासखंड में 30 हजार 831 मजदूर कार्य कर रहे है।

सोलर पॉवर प्लांट से मोतीपुर से डोंगरगढ़ तक का पथ हुआ रौशन

राजनांदगांव। क्रेडा ऊर्जा विभाग द्वारा रास्ते में प्रकाश व्यवस्था के लिए राजनांदगांव शहर के मोतीपुर से डोंगरगढ़ मार्ग में 20 नग सोलर पॉवर प्लांट के माध्यम से एक हजार नग स्ट्रीट लाईट लगाई गई है। इसके माध्यम से नवरात्र पर्व में मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए जाने वाले हजारों पदयात्रियों को सुविधा मिलक रही है। सोलर लाईट लगने से विद्युत में होने वाले व्यय की बचत हुई है । स्ट्रीट लाईट से प्रतिदिन आसपास के गांवों के निवासियों को प्रकाश व्यवस्था का लाभ मिल रहा है। क्रेडा द्वारा सतत रूप से स्ट्रीट लाईट का संचालन किया जा रहा है। स्ट्रीट लाईट की स्थापना से लेकर अभी तक प्रकाश व्यवस्था के लिए 58 हजार 615 यूनिट उपयोग किया जा चुका है।

पेड क्वारेंटाईन सुविधा के लिए राजनांदगांव के 4 होटल चयनित

राजनांदगांव। लॉकडाउन के दौरान देश के चिन्हांकित शहरों मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, इंदौर, भोपाल, गाजियाबाद तथा नोएडा से आ रहे राजनांदगांव जिले एवं अन्य जिले के निवासी जो शुल्क भुगतान कर सकते हैं। उनको पेड क्वारेंटाईन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजनांदगांव शहर के 4 होटलों का चयन किया गया है। इनमें होटल अमोरा रेवाडीह, होटल अवाना नया बस स्टैण्ड, होटल पंचशील रेल्वे स्टेशन तथा होटल कंवर पैलेस रेल्वे स्टेशन शामिल हैं। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार पेड क्वारेंटाईन सुविधा के लिए होटल प्रबंधकों को निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। शुल्क जमा करने के लिए संबंधित होटल द्वारा एक व्यक्ति नियुक्त किया जाएगा। जो प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक होटल में उपलब्ध रहेगा। शुल्क राशि प्राप्त कर संबंधित को पावती देने की जिम्मेदारी इसी व्यक्ति की होगी। चिन्हांकित शहरों से आ रहे राजनांदगांव जिले के ऐसे निवासी जो शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते हैं उनके लिए आदर्श एकलव्य विद्यालय पेण्ड्री राजनांदगांव को क्वारेंटाईन सेन्टर बनाया गया है।

नपाध्यक्ष और पार्षदों ने किया करदाताओं का सम्मान

महासमुंद। नगर पालिका द्वारा करदाताओं को लेकर एक अनोखा तरीका अपनाया जा रहा है। अब संपत्ति कर जमा करने वाले नागरिकों का नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षदों द्वारा तिलक और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया जा रहा है। नगर पालिका के इतिहास में पहली बार एक दिन में करीब 10 लाख रुपए राजस्व मिले हैं। नगर पालिका का उद्देश्य किसी को आहत करने का नहीं, बल्कि कोरोना महामारी के कारण आर्थिक संकटों के दौर से गुजर रही पालिका को टैक्स देकर अपने को मददगार के रूप में साबित करने वाले लोगों का सम्मान किया जा रहा है। नगर पालिका को एक दिन में करदाताओं ने करीब 10 लाख रुपए टैक्स अदा किया है। इसी कड़ी में बुधवार को भुवनेश्वर राव साकरकर के टैक्स को दीपक साकरकर ने 5 लाख 79 हजार रुपए का चेक नगर पालिका अध्यक्ष को सौंपा है। इसी प्रकार गोयल राइस मिल के प्रोप्राइटर अक्षत गोयल ने 1 लाख 55 हजार 456 रुपए नगर पालिका को टैक्स भुगतान किया है।

नमक के थोक एवं चिल्हर विक्रेताओं की जांच

■ **महासमुंद, पिथौरा एवं बसना के दुकानदारों पर की गई कार्रवाई**

महासमुंद। कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने कोरोना संक्रमण काल में छत्तीसगढ़ सहित जिले में अचानक नमक की कमी की अफवाह फैलाकर जमाखोरी, कालाबाजारी, मुनाफाखोरी करने वालों दुकानदारों एवं व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिले में नमक की कोई कमी नहीं है। नमक की रैक नियमित रूप से आ रहे हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नमक का वितरण किया जा रहा है। जिले में सभी आवश्यक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में एवं समुचित दरों पर खुले बाजार में आम उपभोक्ताओं के लिए सहज रूप से उपलब्ध हैं। जिले के नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें। जिला प्रशासन के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, खाद्य विभाग के अधिकारियों, निरीक्षकों एवं नापतौल विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा जिले में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी में नियंत्रण के लिए लगातार मानिटरिंग की जा रही है। नमक की उपलब्धता एवं मूल्य नियंत्रण के लिए अधिकारियों के द्वारा नमक के थोक एवं चिल्हर विक्रेताओं की जांच की गई। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जांच में महासमुंद तहसील के अंतर्गत मेसर्स मुस्कान किराना स्टोर्स छिन्दौली के विरुद्ध विधिक माप विज्ञान (पैक बंद वस्तुएँ) नियम 2011 के नियम 18(2) का उल्लंघन अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक दर पर विक्रय करने पर कार्रवाई की गई। पिथौरा तहसील में सालासर बालाजी इन्टरप्राईजेस गुरुद्वारा चौक पिथौरा में 1825 किलोग्राम नमक की जमाखोरी का प्रकरण तैयार किया गया।

नमक एवं उसके उपभोक्ता मूल्य की निगरानी के लिए टीम का गठन

■ **जानकारी छुपाने पर सागर ट्रेडर्स पर की गई कार्रवाई**

■ **10 रूपए प्रति किलो की दर से विक्रय करने के आदेश**

राजनांदगांव। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के निर्देशानुसार जिले में नमक एवं उसके उपभोक्ता मूल्य की निगरानी के लिए तीन टीम का गठन किया गया है। जिसमें खाद्य अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी एवं खाद्य निरीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदारए नायब तहसीलदार शामिल है। टीम द्वारा आज 13 मई 2020 को नगर निगम क्षेत्र राजनांदगांव के विभिन्न थोक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान थोक व्यापारियों को अपने व्यापार स्थल पर नमक के उपलब्ध स्टॉक एवं थोक विक्रय मूल्य की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। निगरानी टीम द्वारा सागर ट्रेडर्स राजनांदगांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जांच में पाया गया कि व्यापारी द्वारा विगत दो दिनों से गोदाम की जानकारी छुपाई गई है। अन्य माध्यमों से गोदाम की जानकारी प्राप्त होने पर जांच की गई। जिसमें 29 बोरी खड़ा नमक (भर्ती 20 किलो प्रति बोरी), 29 बोरी ताजा नमक (भर्ती 25 किलो प्रति बोरी) एवं लूज 1 म्टिल जप्त कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

लाभदायी शेडनेट हाउस किसानों के लिए वरदान साबित

नाबार्ड पोषित संरक्षित खेती एवं फसलोत्तर प्रबंधन योजना

महासमुंद। राज्य शासन के नाबार्ड पोषित संरक्षित खेती एवं फसलोत्तर प्रबंधन योजना के तहत् निर्मित शेडनेट हाउस महासमुंद जिले के कृषकों के लिए वरदान साबित हो रही है। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि जिसमें जिले के कृषक योजनान्तर्गत शेडनेट हाउस का निर्माण कर फूलगोभी, टमाटर, बैंगन, मिर्च इत्यादि फसल की खेती आधुनिक विधि से कर रहे हैं। शेडनेट निर्माण से कृषकों के फसल में कीट व्याधि का प्रकोप काफी कम होता हैं, जिसके कारण पैदावार अधिक होता है, इससे कृषकों को अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है और इसके माध्यम से कृषक आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जिले में इस योजना से अनेक किसानों ने लाभ उठाया है। इसी कड़ी में इस योजना के तहत बसना विकासखंड के ग्राम गदहाभाठा, के लाभान्वित कृषक प्रेमलाल पटेल बताते हैं कि उनके द्वारा उद्यान विभाग के योजना नाबार्ड पोषित संरक्षित खेती एवं फसलोत्तर प्रबंधन योजना के तहत वर्ष 2019-20 में आधा एकड़ (2000 वर्ग मीटर) में शेडनेट का निर्माण कराया गया है, जिसमें टमाटर, बैंगन, मिर्च, फूलगोभी, बरबटी एवं खीरा की फसल पैदावार कर रहे हैं। उन्होंने अधिक उत्पादन वाले एवं वातावरण के अनुरुप सब्जी फसल की खेती करना अपना मुख्य उद्देश्य बताया है। कृषक द्वारा उद्यानिकी फसलों की खेती विभाग के अधिकारियों के तकनीकी मार्गदर्शन से सफलतापूर्वक की जा रही हैं और उनकी आमदनी भी बढ़ रही है।

अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदें नमक, स्टॉक करने पर होगी कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । नमक को लेकर पिछले कुछ दिनों से लोगों में असमंजस की स्थिति है। इस तरह की सूचनाओं व शिकायतों की सत्यता परखने खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने विभिन्न फर्मों का औचक निरीक्षण किया। जिला प्रशासन से गठित निगरानी दल ने अलग-अलग जगह छापामार कार्रवाई की। जांच में नमक को लेकर मिल रही सूचनाओं के विपरीत स्टाक एवं उचित मूल्य में विक्रय पाया गया। अधिकारियों ने जांच के साथ आम लोगों को जरूरत से ज्यादा नमक का स्टाक न रखने व संचालकों से उचित मूल्य पर ग्राहक को उसकी आवश्यकता के अनुसार ही नमक विक्रय करने कहा है।

नमक की कमी से जुड़ी अफवाहों को मद्देनजर रखते हुए कोरबा स्थित थोक व्यापारी के यहां जांच की गई। जांच के दौरान पवन ट्रेडर्स, रूपेश एजेंसी, राधेश्याम बृजकिशोर, बोलबम ट्रेडर्स में पर्याप्त मात्रा में नमक निर्धारित मूल्य में विक्रय करते हुए पाया गया। एक अन्य टीम ने निहारिका स्थित विभिन्न फर्मों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में

निहारिका क्षेत्र के सभी फर्मों में उचित मूल्य पर नमक का विक्रय होना पाया गया है। दुकान संचालकों से कहा गया है कि वे ग्राहकों की जरूरत को देखते हुए ही अपने फर्म में नमक का स्टाक रखें और आवश्यकता के अनुसार ही नमक का विक्रय करें। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम जनता से भी गुजारिश की है कि जरूरत से ज्यादा नमक का स्टाक रखने की कोशिश न करें। लोगों की आवश्यकता को देखते हुए नमक विक्रय करने कहा गया है, जबकि आवश्यकता से अधिक विक्रय न करने की हिदायद भी दुकान संचालकों को दी गई है, ताकि हर किसी के लिए सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

लाइसेंस डिस्प्ले व बिल नहीं देने पर जुर्माना

जांच के दौरान फर्मों में गड़बड़ियां भी पाई गईं। इस दौरान पवन ट्रेडर्स में लाइसेंस डिस्प्ले नहीं करने, बिल नहीं देने व फिजिकल डिस्टेंस के नियम का पालन नहीं करने पर 1500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह अमन इंटरप्राइसेस में प्रतिबंधित गुटखा, सिगरेट बेचने पर गुटखा, सिगरेट जब्त कर नष्ट कर दिया गया और फर्म के खिलाफएक हजार रुपये का जुर्माना भी आरोपित किया गया। इसी तरह गेवरा बस्ती स्थित राजा स्वीट्स में साफसफाई व प्रतिबंधित सिगरेट की बिक्री करते पाए जाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना ठोंका गया है। दुकान संचालकों से प्रतिबंधित सामग्री का विक्रय न करने कहा गया है।

जमाखोरी की तो सख्त कानूनी कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारी विकास भगत ने बताया कि अफवाहों के कारण दुकानदारों ने नमक की मांग बढ़ा दी है। रिटेलर को समझाइश दी जा रही है कि आवश्यकता के अनुसार ही नमक की मांग करें व्यवस्था बहाल रखे जाने में शासन-प्रशासन का सहयोग करें। उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है कि अगर किसी फर्म में जमाखोरी की शिकायत मिली और जांच में यह शिकायत भी सही पाई गई तो ऐसी गड़बड़ी पकड़े जाने पर फर्म संचालक के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुकान संचालकों से भी ग्राहकों को जरूरत के अनुसार नमक का विक्रय करने कहा गया है, ताकि सभी की आवश्यकता की पूर्ति सुलभ हो सके।

न्यूज गैलरी

जिले की 31 छात्राएं हैदराबाद से पंहुची बचेली 14 दिनों तक रहेंगी कोरिनटाइन

बचेली। हैदराबाद अपोलो नर्सिंग कॉलेज से जिले की 31 छात्राएं आज बचेली के मांझी पारा स्थित कन्या आवासीय स्कूल में बने क्वारीन टाइन सेंटर पंहुची। अब छात्राओं को 14 दिनों तक रहना होगा क्वारीनटाइन। मौके पर तहसीलदार पीआर पात्र,थाना प्रभारी मनीष नागर,शिक्षा विभाग के फखरे आलम सर एवं अन्य शिक्षकों की रही मौजूदगी। एसडीएम प्रकाश कुमार भारद्वाज लगातार पूरी व्यवस्था की कर रहे देख रेख। दंतेवाड़ा जिले में आई छात्राओं में कंचन कर्मा,शारदा मंडावी,ममता बरसा,वंदना नाग,ग्रेसी तिमोथी, कन्या कुमारी कश्यप,बसंती कश्यप,सपना कर्मा,कंचन तेलाम, चंद्रिका कश्यप,सुशीला कुंजाम,गीता नाग,मानसी नेताम,यशोदा पोयाम,चेनेश्वरी जुमरा,पूर्णिमा बघेल,तरुणा सोढ़ी,पूर्णिमा चन्द्रवंशी,सविता नाग को 14 दिनों के लिए कोरिनटाइन किया गया है। 14 दिनों के पश्चात ये छात्राएं अपने अपने गृह ग्राम जा सकेगी अपोलो अस्पताल के डाक्टरो की टीम द्वारा इन छात्राओं का परीक्षण भी किया जाएगा।

शर्तों के आधार पर सेलून और ब्यूटी पार्लर खोलने की मिली छूट

कोरबा। प्रदेश में सबसे ज्यादा कोरोना पॉजिटिव के 28 मामले कोरबा जिले से मिले थे। कलेक्टर ने अब यहां सेलून और ब्यूटी पार्लर शुरू करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि आदेश में साफतौर पर कहा गया है कि कटघोरा क्षेत्र में एक भी सेलून या ब्यूटी पार्लर नहीं खुलेगा। सभी कोरोना पॉजिटिव इसी क्षेत्र से मिले थे। आदेश में कहा गया है कि सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक ब्यूटी सैलून, नई दुकान और ब्यूटी पार्लर खुल सकेंगे। कोरबा से अब तक सामने आए सभी कोरोना पॉजिटिव लोग ठीक हो चुके हैं।

इन शर्तों को मानना होगा: संचालकों को हर व्यक्ति के बारे में जानकारी रखनी होगी। नाम, पता, मोबाइल नंबर का ब्यौरा रखना होगा। एक व्यक्ति पर उपयोग की गई चीजों को दोबारा किसी अन्य व्यक्ति पर उपयोग नहीं किया जा सकेगा। मास्क, ग्लब्स, सैनिटाइजर वगैरह का उपयोग करना होगा। किसी व्यक्ति पर उपयोग किए गए तो तौलिए, कपड़े को बिना धोए किसी अन्य व्यक्ति पर उपयोग नहीं किया जा सकेगा। कुर्सी, टेबल को हर बार सैनिटाइज करना होगा। जिन लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार या सांस लेने में तकलीफकी दिक्कत होगी उन्हें सैलून में सेवा नहीं दी जा सकेगी। इन लोगों की जानकारी कंट्रोल रूम नंबर 077592 28427 पर देनी होगी।

यूपी बिहार सांस्कृतिक समिति ने नगर पालिका में जमा की राहत सामग्री

बचेली। यूपी बिहार सांस्कृतिक समिति बचेली के द्वारा एक बार फिर से लौह नगरी के जरूरत मंद लोगो के लिए नगर पालिका खाद्य बैंक में आलू- 107 किलो, प्याज 100 किलो जमा करवाया गया। इस दौरान नगर पालिका सीएमओ आई.एल पटेल, नगर पालिका इंजिनियर प्रवीण साहू ,पार्षद मनोज साहा,श्रीमती बीना साहू की मौजूदगी रही समिति के सदस्य में अमलेंदू कौशिक (अध्यक्ष) कमलेश दुबे,अंशुमन त्रिपाठी एवं संजय सिंह की मौजूदगी रही।

काला बाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर

जांजगीर-चांपा। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर ने नमक और अन्य राशन सामग्री के काला बाजारी के विषय पर सख्त लहजे में कहा है कि वर्तमान में पूरे भारत की जनता कोरोना महामारी से लडने के लिए अपना काम काज छोड़कर संक्रमण का चेन तोड़ने के लिए अपने अपने घरों में हैं। लोग सीमित व्यवस्था में अपना जीवन यापन कर रहें हैं। ऐसे में कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों का कार्य अमानवीय है।

पठानकोट से चांपा पहुंची श्रमिक स्पेशल ट्रेन

- जांजगीर-चांपा जिले के -685 श्रमिक पहुंचे अपने गृह जिले,
- सुरक्षित गृह -जिला वापसी पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति जताया आभार,
- चिकित्सकों द्वारा थर्मल स्केनिंग के बाद क्वारंटीन के लिए रवाना किए गए श्रमिक,

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के संवेदनशील प्रयासों से कोविड-19 के कारण लाक डाऊन में जांजगीर-चांपा जिले के अन्य राज्यों में फंसे 685 श्रमिकों, यात्रियों का बुधवार की रात श्रमिक स्पेशल ट्रेन से पठानकोठ से चांपा आगमन हुआ। कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक और पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल माथुर के मार्गदर्शन में इन सभी श्रमिकों के लिए चांपा रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य जांच, भोजन पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। ट्रेन से उतरने के बाद प्रत्येक श्रमिक को चिकित्सकों की उपस्थिति में सेनेटाइज किया गया। रेलवे स्टेशन पर तैनात चिकित्सा टीम द्वारा प्रत्येक श्रमिक की कोविड-19 के संक्रमण के संभावित लक्षण को परखने थर्मल स्केनिंग से जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा इन श्रमिकों के स्वास्थ्य की सामान्य जांच भी की गई। जिला प्रशासन द्वारा आज चांपा पहुंचे श्रमिकों को क्वारंटीन के लिए उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से पहुंचाने विकास खंड वार रेल्वे स्टेशन के प्लेट फार्म में क 9 काउंटर बनाए गए थे। इसके अलावा कोरबा और रायगढ़ जिले के श्रमिकों की सुविधा के लिए काउंटर बनाए गए थे। श्रमिकों की सुविधा के लिए उनके गंतव्य की बसों में बैठाने उदघोषणा कर सुव्यवस्थित जानकारी दी गई और इन बसों को क्रमबद्ध श्रमिकों के गांव के लिए रवाना किया गया।

श्रमिकों ने जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार- पठानकोठ से स्पेशल श्रमिक ट्रेन से आज रात चांपा पहुंचे श्रमिकों ने अपने गृह जिला जांजगीर-चांपा आगमन पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया और उनके प्रति आभार जताया। श्रमिकों के चेहरे पर खुशी के भाव परिलक्षित हो रहे थे। जिले के नवागढ़ विकास खंड के ग्राम गुठिया के सुंदर सिंह, योगेश सिंह,सीता बाई, प्रेमसिंह और राहोद के संतराम पटेल, छोटकू, जागेश्वर पटेल और मंगलीन बाई सहित खरोद के करीब 50 श्रमिक राजमिस्त्री और मजदूरी का काम करने पठानकोट गए थे।ये सभी लाकडाऊन के कारण पठानकोट में पिछले करीब 45 दिनों से फंसे हुए थे। अपना घर आने ललायित थे। किंतु किसी भी प्रकार का जाने का साधन नहीं होने से वे काफी परेशान थे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा विशेष श्रमिक ट्रेन से इन श्रमिकों को उनके गृहग्राम लाने की व्यवस्था करने पर इन सभी श्रमिकों ने राहत की सांस ली और मुख्यमंत्री को अपने सुख दुःख का साथी बताया तथा उनके प्रति आभार जताया।

राजोरिया फाऊंडेशन चांपा ने की भोजन की व्यवस्था - सभी यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच होने के बाद राजोरिया फाऊंडेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा सभी श्रमिकों को आत्मीयता से भोजन और पानी के बाटल वितरित किए गए। आगन्तुक श्रमिकों के प्रति फाऊंडेशन के सेवा भाव की सभी ने प्रशंसा की।

ताली बजाकर किया स्वागत

इसके पूर्व रात करीब 8 बजे विशेष श्रमिक ट्रेन का अमृतसर से चांपा स्टेशन आगमन हुआ। कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक, पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल माथुर, विभागीय और रेलवे के अधिकारियों कर्मचारियों ने श्रमिक, यात्रियों का करतल ध्वनि से स्वागत किया। विशेष श्रमिक रेल से आज जांजगीर-चांपा, रायगढ़ और कोरबा जिले के 984 श्रमिक, यात्रियों का चांपा आगमन हुआ।

कलेक्टर ने की सतत मॉनिटरिंग

कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक ने ट्रेन के आने के पूर्व विकासखण्डवार बनाए गए स्टॉल और वाहन पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। सभी तैनात कर्मचारियों को सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए श्रमिक यात्रियों से सहयोगात्मक व्यवहार करने के संख्त निर्देश दिए। स्टेशन पर जिला पंचायत सीईओ श्री तीर्थराज अपर कलेक्टर श्रीमती लीना कोसम, एएसपी श्रीमती मधुलिका सिंह, स्टेशन मास्टर श्री दीपक सरकार सहित स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुसीबत में पड़ गए थे, राज्य सरकार की मदद से घर पहुंच गए

अपने राज्य पहुंच कर अब सुकून की सांस ले रहे हैं - श्रमिक महेंद्र

जांजगीर चांपा। राज्य सरकार की पहल पर लाकडाउन में फंसे छत्तीसगढ़ के मजदूरों को वापस गृह ग्राम तक पहुंचाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में पठानकोट से चांपा तक सफर कर पहुंचे शिवरीनारायण के समीप के ग्राम कटौद निवासी श्री महेंद्र साहू ने बताया कि वे 7 महीने पूर्व तिहाड़ी मजदूरी काम करने पत्नी व तीन बच्चों के साथ अमृतसर गए हुए थे। कोरोनावायरस के संक्रमण के कारण पूरे देश में लाकडाउन होने के कारण वहां काम बंद हो गया था। काम बंद होने के कारण आर्थिक और मानसिक समस्या का सामना करना पड़ रहा था। वहां परिवार के साथ भूखे मरने की स्थिति थी। कोई मदद करने वाला नहीं था। वहां स्थानीय राज्य सरकार द्वारा पहले कुछ राशन दिया गया। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल पर चलाए जा रहे इस समय की स्पेशल ट्रेन की जानकारी मिली। वे अपनी पत्नी यशोदा, बेटा चंद्र मनीष, बेटी उषा और बेटा चंद्रशेखर को लेकर वे ट्रेन से आज

चांपा पहुंचे। उन्होंने बताया कि चांपा पहुंचते हैं उन्हें अपने घर पहुंचने की खुशी हुई।. चैन की सांस लिया, मन का भय दूर हुआ। उन्होंने बहुत भावुक होते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गरीबों की हितैषी राज्य सरकार की मदद से ही ऐसी मुसीबत के समय घर पहुंचने की व्यवस्था हुई। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बड़ी भावुकता से मुख्यमंत्री को दाऊ कहते हुए कहा की ''.धन्यवाद आप मन ला दाऊ जी'' कहते हुए आभार व्यक्त किया।

शराबबंदी को लेकर किए गए धरना प्रदर्शन में एक भी भाजपा कार्यकर्ता नहीं दिखा- ज्योति कुमार

- शराबबंदी को लेकर भाजपा का घरों में धरना प्रदर्शन रहा फ़्लॉप शो - ज्योति कुमार

बीजापुर। शराबबंदी को लेकर भाजपा द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन के आह्वान पर बीजापुर ज़िले में एक भी कार्यकर्ता इस धरना प्रदर्शन में शामिल होना तो दूर इस प्रदर्शन में भाजपा के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते कही पर भी दिखाई नही दिए और घर में रहकर करने वाले इस प्रदर्शन से दूर रहे और घरों में रहकर प्रदर्शन करने का प्लान बीजापुर के साथ साथ पूरे छग प्रदेश में पूरी तरह फ़्लॉप शो रहा। शराब बंदी का राग अलापने वाली भाजपा पंद्रह साल सत्ता में थी उस वक़्त भाजपा के लोग क्या कर रहे थे ? जब प्रदेश की भूपेश सरकार द्वारा शराबबंदी के लिए

समिति गठित की तो शराबबंदी समिति का विरोध किए असल में ये भाजपा के दोहरा चरित्र को दर्शाता है भाजपा तब भी नही चाहती थी और अब भी नही चाहती है कि प्रदेश में शराबबंदी हो उल्टे कोरोना काल में केंद्र की मोदी सरकार ने शराब दुकानों को खोलने की अनुमति भी दे दी भाजपा का यह दोहरा चरित्र बीजापुर की जनता समझ चुकी है अब बीजापुर ज़िले की जनता भाजपा को पूरी तरह नकार चुकी है और भाजपा का जिले में कोई जनाधार नही है इसलिए भाजपा के कार्यकर्ता भी भाजपा के बड़े नेताओं के अवहान पर धरना प्रदर्शन से बच रहे है। छग प्रदेश में जब से भूपेश बघेल जी की सरकार बनी है तब से प्रदेश का हर वर्ग खुश है।

242 क्विंटल अमानक सोयाबीन प्रतिबंधितः मुंगेली - कृषि विभाग के उपसंचालक एवं अनुज्ञप्ति अधिकारी डी.के. ब्यौहार ने आज यहां बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड प्रक्रिया केन्द्र धरमपुरा से खरीफ वर्ष 2020-21 में भण्डारित सोयाबीन बीज के लिए गये नमुने परीक्षण हेतु सोयाबीन किस्म जे.एस-335 प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया था।

इस बार कोई भी रोजा 14 घंटे से कम का नहीं होगा

सक्ती। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक नवां महीना रमजान का होता है। रमजान के महीने को इबादत का महीना कहा जाता है।इसमें सभी मुस्लिम समुदाय के लोग एक महीना रोजा रखते हैं। इस साल रमजान की शुरुआत 25 अप्रैल से हो गयी हैं,मुस्लिम समुदाय के लोग साल भर रमजान का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि ऐसी मान्यताएं हैं कि इस महीने अल्लाह अपने बंदों को बेशुमार रहमतों से नवाजता है और दोजख (जहान्नम) के दरवाजे बंद कर के जन्नत (स्वर्ग) के दरवाजे खोल देता है,इस बार कोई भी रोजा 14 घंटे से कम का नहीं होगा। यह अवधि अलग-अलग जगहों पर घट-बढ़ सकती है।हर मुसलमान मर्द व औरत जो अक्ल वाला व तन्दुरूस्त हो उस पर साल में एक माह के रोजे रखना फर्ज है।इस्लामी नियमों के हिसाब से बच्चों के लिए 12 साल की उम्र पर रोजा फर्ज है। शहर में इससे कहीं कम उम्र के बच्चे रोजा रख रहे हैं और रमजान के सारे नियम का पालन भी कर रहे हैं। बाकायदा सुबह सहरी खाने के साथ ही वह फज्र की नमाज अदा करते हैं। उसके बाद कुरान पाक की तिलावत करते हैं। दोपहर और शाम की नमाज भी बाकायदा अदा करते हैं। इसके बाद मगरिब के वक्त रोजा इफ्तार करते हैं।बच्चो मे मुहम्मद उजैद पिता मुहम्मद मुश्ताक़ जो सिर्फ 8 वर्ष का पूरे रोजे रख रहा है,जुबैर रजा जो जफर अत्तारी का पुत्र और मात्र 6 वर्ष का है उसने 6 रोजे रखे हैं, इसी कड़ी मे अक्लिमा उम्र 9 वर्ष, रुकैया उम्र 8 वर्ष ने भी रोजे कुछ रोजे रखे हैं, 13 साल का अफान शेख का पूरा रोजा चल रहा है, अभी कुल 20 रोजे हो चुके हैं,,अफान के पिता अनीस शेख ने बताया कि बच्चे ने खुद अपनी मर्जी से पूरे रोजे रखे हैं और उसका इरादा तो पूरे 30 रोजे रखने का है।

लघु और कुटीर उद्योंगों को मिले बढ़ावा ताकि ज्यादा लोगों को मिले रोजगार: अग्रवाल

- राजस्व मंत्री और बीजापुर के प्रभारी मंत्री ने बीजापुर जिले के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए की विकास कार्यों समीक्षा

कोरबा । प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने आज वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए जिले में कोरोना वायरस (कोविड-19) से बचाव नियंत्रण रोकथाम सहित जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में बस्तर के सांसद श्री दीपक बैज एवं विधायक श्री विक्रम मंडावीं विशेष रूप से शामिल हुए। जिले के कलेक्टर श्री के डी कुन्जाम से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जिले में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर एवं सभी विभागीय अधिकारियों को कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जिलें में वनोपज आधारित लघु उद्योगो को बढ़ावा देने कहा जिससे लोगो को बेहतर रोजगार की संभावना निर्मित हो सके, साथ ही भविष्य में जिले से रोजगार के लिए श्रमिकों का पलायन रोका जा सके।

मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने इस वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में बीजापुर जिले में कोरोना वायरस की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए जिला अस्पताल में कोविड अस्पताल, आईसोलेशन वार्ड, कोरोना टेस्टिंग के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि जिले में कोरोना वायरस संक्रमण पूरी तरह से नियंत्रण में है। अभी तक जिले में कोई भी संक्रमित व्यक्ति नहीं मिला है। कलेक्टर ने बताया कि जिला अस्पताल में कोविड अस्पताल बनाया गया है, जहां पर आईसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। कोरोना टेस्टिंग जगदलपुर मेडिकल कॉलेज से की जा रही है। जिले में अब तक 500 लोगों की जांच की गयी, जिसमें 400 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आयी है। शेष टेस्टिंग प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरण कि जानकारी में बताया कि विवादित प्रकरणों में लगभग 72 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है जिलें में अविवादित प्रकरण नहीं है एवं सीमांकन के 80 प्रकरण पूर्ण हो चुके हैं ।

ाजस्व मंत्री ने बीजापुर जिले में बाहर से आने वाले मजदूरों के बारे में भी पूछा। श्री अग्रवाल ने इन सभी मजदूरों के साथ जिले के ग्रामीणों को मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के तहत रोजगार उपलब्ध कराने की जानकारी भी ली। जिला पंचायत बीजापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विभागीय जानकारी देते हुए कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से जिले में लगभग 22 हजार श्रमिक कार्य कर रहें हैं। सीईओ ने बताया कि 91 ग्रामों में कार्य चल रहा है जिसमें 600 डबरी एवं 500 तालाब का कार्य है । सीईओ ने यह भी बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण बीजापुर में बैंकों की सीमित शाखाओं में भीड़ नियंत्रित करने के लिए मनरेगा मजदूरी का भुगतान नगद किया जा रहा है।

बलौदाबाजार भाटापारा जिले के 100 मजदूर गुजरात से आये

■ आज भी लखनऊ से एक हजार श्रमिक आएंगे

भाटापारा। गुजरात के वीरम गाम से तकरीबन 100 मजदूरो को एक स्पेथल ट्रैन गुरुवार की शाम भाटापारा पहुँची। इस ट्रैन बलौदा बाजार भाटापारा जिले के सभी ब्लाक के यात्री उतरे,जीने जाँच उपरांत ब्लाको में भेजा गया। वही 4 मजदूरो को बुखार की शिकायत के बाद उन्हें अलग रखा गया।कल शुक्रवार को भी उत्तर प्रदेश राज्य से मजदूरों की दूसरी खेप आएगी।

गुजरात से निकली श्रमिक स्पेशल ट्रैनं भाटापारा पहुंची।इसमें इसी जिले के लगभग 100 मजदूर इसमें शामिल थे। जिले के सभी ब्लाको के यात्रियो को कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल एवं एसपी श्री प्रशांत सिंह ठाकुर की प्रत्यक्ष निगरानी में तमाम मजदरों को सुरक्षित तरीके से उतारा गया। इन सभी मजदूरो को जाँच उपरांत ब्लाक हिसाब से बसो में रवाना किया गया। भाटापारा ब्लाक के श्रमिको को देवरी स्थित आई टी आई कालेज में रखा गया है फिर उनके।गांव के हिसाब से उन्हें क्वार टाईन किया जायेगा। उसी तरह सभी ब्लाक में भेजे गए श्रमिको को भी क्वार टाईन रखा जायेगा। बताया जाता है की 4 मजदूरो को बुखार की शिकायत के बाद उनकी अलग से जाँच की गई है

और संभावना है की 2 दिन बाद उनकी रिपोर्ट आएगी।

अपने घर सुरक्षित तरीके से पहुंचने पर मजदूर खुश नजर आये और उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए राज्य सरकार के प्रति अभार जताया।

वही बताया जा रहा है की आज 15 तारीख शुक्रवार को भी लगभग एक हजार मजदूर विशेष रेलगाड़ी से पहुंचने की संभावना है। गुजरात के वीरम गाम से निकली यह स्पेशल ट्रैन गुरुवार की शाम 4 बजकर 55 मिनट को भाटापारा पहुँची और तकरीबन 35 मिनट रुकने के बाद बिलासपुर के लिए रवाना हो गई।

मजदूरों को बाकायदा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एक-एक कर उतारा गया। प्रत्येक श्रमिक का उतरने के बाद स्वास्थ्य जांच किया गया। थर्मल स्केलिंग मशीन से उनके शरीर के तापमान की जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के लिए 10 टीम बनाई गई थी।जिन्हें जरा भी बुखार अथवा खांसी की शिकायत थी, उन्हें संदेही मानकर अलग से जांच किया गया तथा उन्हें अलग से बस निर्धारित कर रवाना किया गया। एक-एक यात्री का नाम एवं पता भी नोट किया गया ताकि कोई श्रमिक इधर-उधर ना हो जाये। जांच के बाद उन्हें संबंधित ब्लाक के लिये बसों में बिठाकर रवाना किया गया। भाटापारा रेलवे स्टेशन में उन्हें भोजन परोसा गया था। भाटापारा स्टेशन में उन्हें साफ पेयजल एवं इलेक्ट्राल के पेकेट दिये गये।

कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल एवं एसपी प्रशांत श्रीवास्तव के हाथ में सकुशल वापसी की संपूर्ण कमान थी। उन्होंने अनेक मजदूरों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना और हौसला बढ़ाया। ये सभी मजदूर आगे 14 दिनों तक अपने गांव में निर्धारित किये गये भवनों में क्वारेंटाईन में रहेंगे। मजदूरों ने जिला प्रशासन एवं रेलवे द्वारा की गई चैकस व्यवस्था की सराहना की है।

20 लाख करोड का आर्थिक पैकेज देश को आत्मनिर्भर व मजबूती प्रदान करेगी : किरण बघेल

खरोरा। ये आर्थिक पैकेज देश के उस श्रमिक के लिए है देश के उस किसानों के लिए है जो हर स्तिथि हर मौसम मे देश वासियों के लिए दिन रात परिश्रम कर रहा है उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष श्रीमती किरण बघेल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज का स्वागत किया है।आर्तिक मंदी की लडाई में मोदीजी एवम वित मंत्री श्रीमती निर्मला सितारामन का ये पैकेज भारत एवम छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाने में मजबूती प्रदान करेगा।उन्होंने कहा की इससे छत्तीसगढ़ वासियों के लिए ये नयी ऊर्जा का संचार होगा, विभिन्न उद्योग सूचम, लघु एवम गृह उद्योग जिसमे कई महिलाएं भी कार्यरत है उन्हे गर्व महसूस होगा। मोदी सरकार के मूलमंत्र सबके साथ सबका विकास,तो था ही और अब सबका विश्वाश पूर्ण आत्मविश्वश् के साथ बढ़ है। आगे श्रीमती बघेल जी ने वित्तमंत्री सीतारमन जी ने भारत देश के लिए स्स्श्वस्स्श्वह्य के लिये छह बड़े क़दम उठाये.गए है स्स्श्वस्स्श्वह्य को बिना गारण्टी छः माह लोन दिया जाएगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आर्थिक हालात सुधारने के लिए राहत पैक की घोषणा का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि यह आर्थिक पैकेज आत्मनिर्भर भारत अभियान की अहम कड़ी के तौर पे काम करेगी हाल ही में जो सरकार ने कोरेना संकट को लेकर जो आर्थिक घोषणाएं की थी जो रिजर्व बैंक के फैसले थे ,आज जिस आर्थिक पैकेज का ऐलान हो रहा उसे जोड़ दे तो ये क़रीब -करीब 20 लाख करोड़ रुपए का है ये पैकेज भारत की त्ष्ठक्क का करीब 10 प्रतिशत है ,जो देश को आत्मनिर्भर बनाने एवं राज्यों को मजबुती प्रदान करने में लाभदायक सिद्ध होंगी।

जिला पंचायत क्षेत्र विकास निधि का गठन हो : टंक राम वर्मा

खरोरा। अंचल के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष टंक राम वर्मा ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन को पत्र प्रेषित कर मांग किया है कि छत्तीसगढ़ में जिला पंचायत क्षेत्र विकास निधि का गठन कर प्रत्येक जिला पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यो हेतु 50 लाख रुपये का प्रावधान रखा जाय द्य जिस तरह सांसद को अपने संसदीय क्षेत्र के विकास हेतु सांसद निधि से 5 करोड़ एवं विधायक को विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु विधायक निधि से 2 करोड़ मिलता है उसी तरह जिला पंचायत सदस्य को ज़िला पंचायत क्षेत्र के विकास हेतु ज़िला पंचायत विकास निधि का गठन कर 50 लाख रुपए का प्रावधान रखा जाय द्य जिससे गांव के मूलभुत समस्याओ का तत्काल निराकरण किया जा सके। जिला पंचायत क्षेत्र का गठन 27 पंचायतों को मिलाकर किया गया है जिसमें लगभग 50 हजार मतदाता है। जिला पंचायत सदस्य अपने क्षेत्र में जन संपर्क करने जाते है तो ग्रामीणों के द्वारा विकास कार्यों का मांग रखे जाते है। पेयजल व्यवस्था, चबूतरा, रंग मंच, सामुदायिक भवन, सी.सी. रोड, अहाता निर्माण ,जैसे कार्यों का मांग रखा जाता है लेकिन जिला पंचायत सदस्य के पास कोई मद नही होने के कारण माँग पूर्ण करने में असहाय नजर आते है।

देवरी के क्वारटाईन मजदूरों से मिले सुनील माहेश्वरी

भाटापारा। ब्लाक के ग्राम देवरी में क्वॅारेंटाइन किये गए मजदूरो और वहा की व्यवस्था का निरीक्षण कांग्रेस नेता सुनील माहेश्वरी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया । देवरी में आईटीआई भवन में लगभग 12 एवं ला कालेज भवन में 60 लोगों को रखा गया है। महेश्वरी ने शासन के सभी नियमों का पालन करने के लिए संबंधित प्रभारी अधिकारी, श्रमिकों ,गांव के ग्रामीणों को कहा। इस दौरान

प्रदेश कांग्रेस सचिव सुनील महेश्वरी को श्रमिक पूर्णिमा निषाद संगीता ,भोलाराम , आजूराम , टेकराम ध्रुव आदि ने बताया कि वे अमरावती ,नागपुर में काम करने गए थे वहां से पैदल निकल पड़े रास्ते में गाड़ी वालों ने बैठाकर छत्तीसगढ़ के सीमा तक छोड़ दिया।वहां से हमें अपने ब्लॉक मुख्यालय भाटापारा तक पहुंचने में ज्यादा तकलीफनहीं हुई ।उन्होंने शासन के द्वारा की जा रही व्यवस्था पानी, पंखा,भोजन, लाइट आदि कि व्यवस्था में संतुष्टि जताया।

श्री महेश्वरी ने श्रमिकों से कहा कि 14 दिन तक प्रशासन एवं पंचायत परिवार का सहयोग करें । कहीं भी बाहर निकलने की कोशिश ना करें । पास ही दूर में मिलने पहुंचे ग्रामीणों से भी महेश्वरी कहा कि कोई आपका कितना ही प्रिय रिश्तेदार क्यों ना हो, 14 दिन आप उससे दूर रहे ।आपके सुख दुख के साथी भूपेश बघेल सरकार सभी समस्याओं के निराकरण के लिए आपके साथ खड़ी है।

भाटापारा स्टेशन में उतरने के बाद मजदूरों के चेहरों पर आई मुस्कान

भाटापारा। राज्य सरकार की विशेष पहल पर बाहर राज्यों में फंसे मजदूरों को लाने विशेष श्रमिक ट्रेन चलायी जा रही है। बुधवार को एक विशेष ट्रेन उत्तरप्रदेश के लखनऊ शहर से भाटापारा पहुँची। जिसमें से भाटापारा रेल्वे स्टेशन में कवर्धा, बेमेतरा एवं बलौदाबाजार भाटापारा जिला के करीब 12 सौ मजदूरों को वापस लाया गया है। जिसमें बलौदाबाजार जिला के 35 मजदूर वापस आये। इन सभी मजदूरों को प्रोटोकॉल के तहत एक सिस्टमेटिक तरीके से सभी की बारी बारी से मेडिकल चेकअप कर उन्हें बसों से अपने गृह जिला रवाना किया गया।

इन कार्यों में सोशल डिस्टेंसिंग का बारीकी से ध्यान रखा गया। मजदूरों के पाँव जैसे ही प्लेटफार्म पर उतरे उनके चेहरे में एक नयी मुस्कान आयी। जिसमें से कुछ श्रमिक बेहद

भावुक एवं कुछ खुशी से उछल पड़े। ग्राम दलपुरवा विकासखण्ड पंडरिया जिला कवर्धा निवासी टिका राम यादव ने बताया कि वह करीब 7 सालो से लखनऊ शहर में राज मिस्त्री का काम करने जाता था। मेरे इस काम मे मेरी पत्नी भी कार्य मे सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा जब से लॉक डाउन हुआ है। तब से हम वापस अपने राज्य आने की कोशिश कर रहे थे।

रेलवे स्टेशन में प्रवासी श्रमिकों की हुई मेडिकल जांच

भाटापारा। प्रवासी श्रमिकों की घर वापसी का महाअभियान शुरू हो चुका है। विभिन्न प्रदेशों से श्रमिक ट्रेनों में सवार होकर जिले की प्रमुख स्टेशन भाटापारा में उतर रहे हैं। जिला प्रशासन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा श्रमिकों के स्वास्थ्य जांच की पुख्ता व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य संचालनालय रायपुर एवं सीएमएचओ कार्यालय के लगभग 60 डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने त्वरित स्वास्थ्य जांच का मोर्चा संभाल रखा है।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया कि बलौदा बाजार भाटापारा में पहली ट्रैन से 13 मई को लखनऊ से भाटापारा रेल्वे स्टेशन पर पहुँची इसमें कुल 1170 प्रवासी श्रमिक आये। जिनमें बेमेतरा ,कवर्धा तथा बलौदा बाजार के श्रमिक शामिल थे । सभी के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु 10 टीम तथा लक्षण वालो की जांच के लिए 2 पृथिक टीम लगाई थी । प्रत्येक टीम में तीन सदस्य थे । सभी का थर्मल स्केनिंग कर ,कोरोना संबंधित लक्षण की भी जानकारी लिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रदेश धीरे-धीरे सामान्य...

है। पूरे देश में कहीं भी किसानों के हित में इतना महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लिया गया है। हमने राज्य के किसानों से वादा किया था कि उन्हें उनकी उपज का पूरा दाम मिलेगा। लोगों ने इसमें कई अड़चने लगाई, अवरोध पैदा किये लेकिन हमने जो कहा था वो निभाया है। उन्होंने यह भी कहा कि छग में कोरोना से ठीक होने वालों का औसत 93 प्रतिशत से ज्यादा है।

51 हजार करोड़ का...

इस योजना के तहत राज्य के 18 लाख 75 हजार किसानों को लाभ मिलेगा। यहीं नही खरीफ 2020 से आगामी वर्षो में दलहन और तिलहन फसलों के पंजीकृत और अधिसूचित रकबे के आधार पर निर्धारित राशि प्रति एकड़ की दर से किसानों को आदान सहायता अनुदान के रूप में देंगे। अनुदान लेने वाला किसान यदि गत वर्ष धान की फसल लगाया हो और इस साल धान के स्थान पर योजना के तहत शामिल अन्य फसल लगाता हैं तो ऐसी स्थिति में किसानों को प्रति एकड़ अतिरिक्त सहायता दी जायेगी।

30 हजार करोड़ रुपए...

छत्तीसगढ़ में धान का उत्पादन आने वाले वर्षों में बढ़ेगा। सरप्लस धान हर वर्ष बढ़ेगा। इसका उपयोग बायो एथेनॉल के उत्पादन में किया जा सकेगा।

अब चक्रवाती तूफान...

की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और साथ में बारिश भी हो सकती है।

आज दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश के आसार : इसी तरह राजधानी रायपुर स्थित मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस समय एक द्रोणिका मध्य महाराष्ट्र से दक्षिण अंदरुनी कनार्टका तक 0.9 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी से नमी दक्षिण छत्तीसगढ़ में आ रही है। जिसके कारण शुक्रवार दिनांक 15 मई को दक्षिण छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

अफसर-कर्मियों की...

से बढ़ाकर 15 जून, समीक्षक अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन में मतांकन 31 मई से बढ़ाकर 30 जून और स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन में मतांकन 15 जून से बढ़ाकर 15 जुलाई निर्धारित की गई है। परिपत्र में कहा गया है कि वर्तमान में राज्य कोरोना संक्रमण (कोविड-19) प्रभावित आपदा से जूझ रहा है। देश में 21 मार्च 2020 को लॉकडाउन की घोषणा होने के कारण 22 मार्च 2020 से राज्य में लॉकडाउन की स्थिति लागू है। वर्तमान में लॉकडाउन की स्थिति में कुछ अनिवार्य सेवाओं वाले कार्यालयों को छोड़कर अन्य कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति कम है या 50 प्रतिशत अथवा 30 प्रतिशत के औसत से उपस्थित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में शासकीय सेवकों की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली में मतांकन की समय-सीमा (केवल वर्ष 2019-20 की अवधि के लिए) परिवर्तन किया गया है। समय-सीमा परिवर्तन की जानकारी से सभी राजपत्रित अधिकारियों के ध्यान में लाने को कहा गया है।

रायगढ़ के क्वारंटाइन...

12 मई को अर्जुन की तबीयत कुछ बिगड़ गई थी। लिहाजा उसे सारंगढ़ हॉस्पिटल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसका इलाज कर उसे मनोचिकित्सक को भी दिखाने की सलाह दी थी। 13 मई की रात को वह अचानक नींद से उठा व दूसरे कमरे में जाकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली । उसके साथ सोया दोस्त 2-2:30 बजे जब उठा तो देखा कि वह वहां नहीं है। उसने दूसरे कमरे में जाकर देखा तो अर्जुन पंखे से लटका मिला।

पब्लिक पर प्रतिबंध...

महज दो बार ही लोगों को पड़ती होगी। फिर भी इस जरुरी और करीब डेढ़ लाख लोगों के पेट से जुड़े इस रोजगार की अनदेखी से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ में छोटी दुकान से लेकर सैलून, पार्लर और स्पा सेंटर तक की तादात हजारों में है। इनसे जुड़े कारीगरों की संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा है। इसमें उनकी गिनती नहीं है जो सरेराह कुर्सी या बोरा बिछाकर हजामत करते हैं। इस रोजी-रोटी से जूड़े लोग अब फाका का वक्त गुजारने मजबूर हैं। दुकान खोलेंगे तो संक्रमण का ही नहीं बल्कि पुलिस की सख्ती का भी दंश झेलना होगा। धमतरी के नाई समाज ने कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गुहार लगाई है।

बता दें कि कर्नाटक में 1,600 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान, धोबी, नाई और ड्राइवरों के लिए किया गया है। औसतन हर एक नाई के खाते में वहां की सरकार 5,000 रुपये की राशि देगी। इसी तरह महाराष्ट्र जैसे सबसे संक्रमित राज्य में भी सेलून कारोबार से जुड़े लोगों को राज्य सरकार राहत पैकेज दे रही है। छत्तीसगढ़ के इस बड़े तबके की सुध फिलहाल नहीं ली जा सकी है।

दुर्ग में कलेक्टर ने दी सशर्त अनुमतिः लंबे समय से कोविड-19 के चलते बंद नाई, सेलून व स्पा सेंटर को सशर्त खोलने दुर्ग कलेक्टर ने जिले के लिए अनुमति दी है। हालांकि कई कठिन शर्तें भी रोपित की गई हैं। हालांकि दुर्ग के अलावा प्रदेश में और सभी जगह प्रतिबंध कायम है। शर्त ऐसा है कि दुकानदार को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। सोमवार से शुक्रवार तक संचालन के लिए समय रहेगा सुबह 9 से शाम 4 बजे तक। जो भी ग्राहक आएगा उसका नाम,पता व मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। उपयोग में आने वाले सामान का दोबारा उपयोग नहीं करेंगे। संक्रमण से बचाव के लिए सुरक्षात्मक उपाय जैसे कि मास्क,ग्लोब,सेनेटाइजर का उपयोग करेंगे।

आम के लिए रोक...

फिर घर पहुंच सेवाएं बड़े पार्लर, स्पा सेंटर व सेलून से ले रहे हैं। यहां तक की साहबों की पत्नियां तक ब्यूटी पार्लर टच में है। फिर पब्लिक को सेलून से दूर रखने या दुकानों पर ताला बंदी करना कितना लाजमि है।

हम पालन करेंगे...

पहुंच मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

एक राष्ट्र, एक राशन...

सरकार उठाएगी। शहरी गरीबों और प्रवासी मजदूरों के लिए केंद्र ने 11 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की है। राज्यों से कहा गया है कि वे प्रवासी मजदूरों के रहने और खाने पीने का उचित प्रबंध करें।

वित्तमंत्री की अन्य...

- प्रवासी मजदूर, किसान और गरीब हमारी प्राथमिकता है। -संकट आने पर हमने सबसे पहले गरीब के खाते में पैसे पहुंचाए। -लॉकडाउन जरूर है लेकिन सरकार लगातार दिन-रात काम कर रही है। -प्रवासी मजदूरों को मुफ्त में भोजन सामग्री मिलेगा। इन मजदूरों को 5 केजी गेहूं या चावल और एक किलोग्राम दाल मिलेगी। -प्रवासी मजदूर जो वापस घर जा रहे हैं, उन्हें तेजी से मनरेगा योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। -मई 2019 के मुकाबले इस साल 50 फीसदी ज्यादा मजदूरों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। 13 मई तक 14.62 करोड़ पर्सन डे वर्क पूरे हो चुके हैं। -15 मार्च से अब तक 7200 नए सेल्फहेल्प ग्रुप बनाए गए हैं जो शहरी गरीबों के लिए है। -12 हजार सेल्फहेल्प ग्रुप ने 3 करोड़ मास्क और 1.20 लाख लीटर सैनिटाइजर तैयार किए हैं। इस काम के जरिए उन्हें आर्थिक मदद मिली है। -राज्यों ने किसानों को 6700 करोड़ की मदद दी है। - फसल कर्ज की अदायगी की समय सीमा बढ़ाई गई।

कांग्रेस कर रही...

सम्मेलन में कहा कि बुधवार 13 मई को नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की कानूनी कार्यवाही में मुंबई उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्त न्यायाधीश अभय थिप्से ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नीरव मोदी के बचाव में पेश हुए और कहा कि उसके ऊपर लगे भारत के कानून के अनुरूप नहीं है और उसे किसी भी कानून में दोषी नहीं माना जा सकता है। प्रसाद ने कहा कि न्यायमूर्ति थिप्से मुंबई उच्च न्यायालय में जज रहे हैं और सेवानिवृत्ति से दस माह पहले प्रशासनिक कारणों से उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजा गया था। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी और इस मौके पर तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, अशोक गहलोत एवं श्री अशोक चव्हाण मौजूद थे। इससे साफहो जाता है कि थिप्से किस वजह से नीरव मोदी के बचाव में उतरे हैं।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी रायपुर में निर्मित ईडब्ल्यूएस भवन योजना के अंतर्गत, भूखण्डों में से क्रमांक ईडब्ल्यूएस-248 स्ला-1 में श्री संजय जगदीश भारद्वाज पिता श्री जगदीश प्रसाद भारद्वाज को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 29.6.2007 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया। आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 19.2.2020 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती मीना देवी पति श्री बसाऊ राम के नाम से निष्पादित को विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर संभाग क्र.-1, रायपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक 2204/एन.आई.टी.-1/टी.सी./20-21 रायपुर, दिनांक 11/05/2020

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 26/05/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 01/06/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 02/06/2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

स. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	अमानत राशि (रुपए में)
1	S/R, MOW, Deposit & Other Works of Pansheel Nagar Colony at pansheel Nagar Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	19.90	15000/-
2	White Washing, Color Washing, Distempering & Ranting Work of Residential/ Non Residential Building at Police Line Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	19.90	15000/-
3	S/R, MOW, Deposit Other Works of Police Line Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	19.90	15000/-
4	White Washing, Color Washing, Distempering & Panting Work of Residential/ Non Residential Building at Pansheel Nagar Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	10.00	7500/-
5	S/R, MOW, Deposit & Other Works of Jila Hospital Kalibadi & Irregation Colony at Pansheel Nagar Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	10.00	7500/-
6	White Washing, Colour Washing, Distempering & Panting Work of Jila Hospital Kalibadi at Pansheel Nagar Section Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	10.00	7500/-
7	S/R, MOW, Deposit & Other Works of V.I.P. Colony Anand Nagar & Shanti Nagar at Pansheel Nagar Section under Maintenance Sub dn. Raipur	12.00	9000/-
8	White Washing, Colour Washing, Distempering & Panting Work of Anand Nagar & Shanti Nagar V.I.P. Colony at Pansheel Nagar Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	7.00	5300/-
9	White Washing, Colour Washing, Distempring & Panting Work of Irregation colony at Pansheel Nagar Section under Maintenance Sub Dn. Raipur	5.00	3800/-

1. सरल क्र. 1 से 9 के लिए निविदा प्रपत्र की राशि - 750/ रुपए
2. सरल क्र. 1 से 9 के लिए बैंक साल्वेंसी राशि - टेण्डर राशि का 15 प्रतिशत।
3. सरल क्र. 1 से 9 तक के लिए निविदाकारों की श्रेणी - ''द'' श्रेणी से ''अ'' श्रेणी तक
4. सरल क्र. 1 से 3 तक के लिए कार्य अवधि - दिनांक 31/03/2021 तक
5. सरल क्र. 4 से9 तक के लिए कार्य अवधि 6 माह वर्षा ऋतु सहित।

टीप :- निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-80685/2

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1
रायपुर

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (जिला निर्माण समिति)

निविदा क्रमांक /04/ले.शा./का.अ./जि.नि.स./लो.स्वा.यां.वि./2020 दंतेवाड़ा, दिनांक 20.03.2020

संशोधन/शुद्धिपत्र क्रमांक- 02, दिनांक 04.05.2020

इस कार्यालय के निविदा क्र./04/ले.शा./का.अ./2020/दंतेवाड़ा, दिनांक 20.03.2020 से जिला दंतेवाड़ा में 125/ 115 मि.मी. व्यास के 90 मीटर गहरे नलकूपों का डी.टी.एच. नलकूप खनन एवं उससे संबंधित कार्यों हेतु सामग्री (ISI Specification अनुसार) सहित निविदा आमंत्रित निविदा के समय सारणी में नोबेल कोराना वायरस के संक्रमण व रोकथाम के लिए प्रदेश में लागू किए गए लॉक डाउन के कारण से निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

क्र.	विवरण	पूर्व समय सारिणी		संशोधित समय सारणी	
1	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि	04.05.2020	5.00 बजे तक	18.05.2020	5.30 बजे से
2	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	06.05.2020	5.00 बजे तक	20.05.2020	5.30 बजे तक
3	निविदा रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट से प्राप्त करने की तिथि	08.05.2020	5.00 बजे तक	22.05.2020	5.00 बजे तक
4	निविदा खोलने की तिथि	11.05.2020	11.30 बजे से	23.05.2020	11.30 बजे से

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

जी-80674/6

कलेक्टर
जिला दक्षिण बस्तर
दंतेवाड़ा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

क्रमांक 999/नपानि/जोन-4/लो.क.वि./2020 **निविदा सूचना** रायपुर, दिनांक 11/05/2020

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सीलबंद निविदाएं **स्पीड पोस्ट** से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा जारी करने की तिथि - 27.05.2020 को सायं 5.30 बजे तक
2 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि - 03.06.2020 को सायं 4.00 बजे तक
3 निविदा खोलने की तिथि - 04.06.2020 को सुबह 11.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.आर./नॉन एस.ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	रानी दुर्गावती वार्ड क्र. 45 अंतर्गत न्यू राजेन्द्र नगर गार्डन में विद्युतीकरण कार्य।	2.65	4,000.00	750.00	विद्युत लायसेंस 'डी' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र 'अ'	पी.डब्ल्यू डी विद्युत एस.ओ.आर. दिनांक 01/07/2015
2	ऑक्सीजोन में सामुदायिक भवन एवं पेवर लगाने का कार्य।	7.95	8,000.00	750.00	'डी' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र 'अ'	पी.डब्ल्यू डी भवन एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
3	मदर टेरेसा वार्ड क्र. 43 अंतर्गत श्याम नगर क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य।	10.00	10,000.00	750.00	'डी' श्रेणी एवं उससे उपर	3 माह	प्रपत्र 'अ'	पी.डब्ल्यू डी भवन एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
4	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र. 46 अंतर्गत प्रियदर्शनी नगर संत ज्ञानेश्वर स्कूल के पास सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	6.95	7,000.00	750.00	'डी' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र 'अ'	पी.डब्ल्यू डी भवन एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
5	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत कलेक्टोरेट गार्डन में पुराना पाईप की जगह नए पाईप लाईन बिछाने का कार्य।	3.94	5,500.00	750.00	'डी' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र 'अ'	छ.ग. पी.एच.ई. एस.ओ.आर. 2013

नोट :- 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज/ जीवित पीडब्ल्यूडी लायसेंस/जीएसटी रिटर्न सर्टिफिकेट/ जीवित बैंक साल्वेंसी/पेन कार्ड/ 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न/ 03 माह का जीएसटी रिटर्न निविदा जारी होने के 06 माह पहले का/ राशि रु. 100/- का शपथ पत्र स्वीकार किया जावेगा।
(राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से होगा।)
2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्तें जोन क्रमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।

पेयजल, सड़कबत्ती, सफाई समस्या निराकरण संपर्क निदान-1100

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

33 की हुयी जरीन खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जरीन खान 33 वर्ष की हो गयी। 14 मई 1987 को मुंबई में जन्मी जरीन खान ने शुरूआती दौर में बतौर मॉडल काम किया।बतौर अभिनेत्री जरीन खान ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म 'वीर' से की। फिल्म में जरीन ने सलमान खान के अपोजिट काम किया लेकिन फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी।

वर्ष 2011 में प्रदर्शित फिल्म 'रेड्डी' में जरीन खान को एक आयटम नंबर ..कैरेकटर ढ़ीला..में काम करने का अवसर मिला।इस गाने में जरीन खान ने सलमान खान के साथ काम किया जो सुपरहिट साबित हुआ।वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म हाउसफुल 2 जरीन के करियर की एक और हिट फिल्म साबित हुयी लेकिन सफलता का श्रेय उन्हें नही दिया गया।

इस बीच जरीन खान ने हिंदी फिल्मों के अलावा तमिल और पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय किया। वर्ष 2015 में जरीन खान की फिल्म हेट स्टोरी 3 प्रदर्शित हुयी ।फिल्म में जरीन खान ने अपने बोल्ड अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया ।फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी । इसके बाद जरीन ने अक्सर 2 और 1921 जैसी फिल्मों में काम किया।

बर्थडे पर सलमान की दोस्ती चाहती है जरीन

मुंबई (वार्ता)। जरीन खान अपने बर्थडे पर सलमान की दोस्ती चाहती है। कोरोना वायरस की वजह से जरीन खान अपने परिवार के साथ लॉकडाउन हैं। बर्थडे के पहले उन्होंने बताया कि वह ज्यादा धूमधाम से यह दिन सेलिब्रेट नहीं करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह जरूर बताया कि वह सलमान खान से क्या गिफ्ट लेना चाहती हैं। जरीन खान ने अपने बर्थडे से पहले बताया कि रमजान चल रहा है इसलिए उनका खास प्लान नहीं है। लॉकडाउन की वजह से केक भी होगा या नहीं, इस बात को लेकर भी वह श्योर नहीं। जरीन फिल्म 'वीर' के को-स्टार सलमान से वह क्या गिफ्ट चाहती हैं, इस पर उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि सलमान से उनकी ज्यादा बात हो।

अदाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया माधुरी दीक्षित ने

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में माधुरी दीक्षित का नाम एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में लिया जाता है जिन्होंने अपनी दिलकश अदाओं से लगभग चार दशक से दर्शकों के दिलो में अपनी खास पहचान बनायी है। माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में एक मध्यमवर्गीय मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई से हासिल की। इसके बाद उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी में ..माइक्राबॉयलोजिस्ट .. बनने के लिये दाखिला ले लिया। इस बीच उन्होंने लगभग आठ वर्ष तक कथक नृत्य की शिक्षा भी हासिल की।

माधुरी दीक्षित ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत 1984 में राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म ..अबोध.. से की लेकिन कमजोर पटकथा और निर्देशन के कारण फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से नकार दी गयी। वर्ष 1984 से 1988 तक वह फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करती रही। ..अबोध .के बाद उन्हें जो भी भूमिका मिली वह उसे स्वीकार करती चली गयी। इस बीच उन्होने स्वाति .आवारा बाप .जमीन .मोहरे .हिफाजत और उत्तर दक्षिण .जैसी कई दोयम दर्जे की फिल्मों में अभिनय किया लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स आफिस पर सफल नहीं हुयी।

बाजीगर में डबल रोल में काम करने वाली थी श्रीदेवी!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी को किंग खान शाहरूख खान की फिल्म बाजीगर में डबल रोल में कास्ट करने का निर्णय लिया गया था लेकिन बात नहीं बन सकी। शाहरुख खान की फिल्म 'बाजीगर' में शिल्पा शेट्टी और काजोल के साथ रोमांस करते नजर आए हैं। बताया जाता है कि इस फिल्म में फिल्ममेकर्स श्रीदेवी को डबल रोल में लेना चाहते थे।हालांकि प्लान बाद में बदल गया। निर्देशक अब्बास-मस्तान फिल्म की लीड के तौर पर श्रीदेवी को लेने के लिए काफी उत्साहित थे। फिर उन्हें अहसास हुआ कि श्रीदेवी शाहरुख खान के किरदार पर भारी पड़ सकती हैं। और हो सकता है दर्शक शाहरुख से कनेक्ट न कर पाएं।इस बात को ध्यान में रखते हुए उन लोगों ने फिल्म में दो अलग ऐक्ट्रेसस कास्ट की थीं। फिल्म में शिल्पा शेट्टी और काजोल को लीड रोल के लिए चुना गया था। इन दोनों ही ऐक्ट्रेसस के साथ शाहरुख की केमिस्ट्री लोगों को काफी पसंद आई थी।

गेल की सरवन पर टिप्पणी उनके करियर के लिए खतरा : रिकी

पोर्ट ऑफ़ स्पेन (वार्ता)। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रिकी स्केरिट का मानना है कि वेस्ट इंडीज के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल की पूर्व खिलाड़ी रामनरेश सरवन पर की गयी टिप्पणी उनके शानदार करियर के लिए खतरा हो सकती है।

गेल को कैरिबियन प्रीमियर लीग के सत्र 2020 के लिए सेंट लूसिया जॉक्स ने अनुबंधित किया है। गेल ने कहा था कि सरवन सांप हैं और उन्होंने सरवन पर उन्हें जमैका तालावास टीम से बाहर करने का आरोप लगाया था। सरवन तालावास टीम में गेल के पूर्व सदस्य थे। रिकी ने गेल के इस बयान को लेकर कहा कि यह बेशक दोनों का आपसी मामला है लेकिन ऐसा बोल कर गेल ने कैरेबियन लीग को बदनाम किया है जो बहुतगलत है और गेल को ऐसा नहीं करना चाहिए था।

गेल ने इसके अलावा कहा था कि तालावास प्रबंधन उनके साथ चालाकी कर रहा था और बिना किसी नोटिस के उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया जबकि उनके तीन साल के अनुबंध के अभी दो साल रह गए थे। सरवन ने गेल के इन आरोपों को लेकर कहा था कि यह आरोप पूरी

तरह से फर्जी है और द्वेषपूर्ण हैं। तालावास ने भी गेल के आरोपों को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि इसमें सरवन का कोई लेना देना नहीं है और यह पूरी तरह से व्यापारिक और क्रिकेट को लेकर लिए गए निर्णय थे। बोर्ड के अध्यक्ष रिकी ने कहा,÷गेल की यह टिप्पणी सुन कर मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा और मुझे लगता है कि गेल के दिमाग में कुछ चिंताएं थीं जिसको लेकर उन्होंने यह सार्वजनिक टिप्पणी कर दी। निजी तौर पर मेरा मानना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा,÷अगर कोई खिलाड़ी लीग, क्लब या राष्ट्रीय टीम से जुड़ा हुआ है तो इस तरह का स्वभाव बदनामी से जुड़ जाता है। मैं उम्मीद करता हूं कि यह टिप्पणी उनके करियर के लिए कोई खतरा नहीं बने क्योंकि उनका करियर शानदार रहा है और उसका इस तरह से अंत नहीं होना चाहिए। सरवन ने गेल के इन आरोपों को लेकर कहा था कि यह आरोप पूरी तरह से फर्जी है और द्वेषपूर्ण हैं। तालावास ने भी गेल के आरोपों को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि इसमें सरवन का कोई लेना देना नहीं है।

हॉकी इवेंट्स से पहले स्टेडियम को करना होगा सेनेटाइज

नई दिल्ली (वार्ता)। हॉकी की नियंत्रण संस्था हॉकी इंडिया ने अपनी सदस्य इकाइयों के साथ बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के मद्देनजर खेलों को फिर से शुरू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलों या किसी भी इवेंट को शुरू करने से पहले पूरे स्टेडियम को सेनेटाइज करना जरुरी होगा। केंद्र और राज्य सरकारों के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए हॉकी इंडिया ने अपनी सदस्य इकाइयों को 20 पन्नों का डोजियर जारी करते हुए कहा कि खेलों के आयोजन से पहले शर्तों का पालन जरुरी होगा। इस डोजियर में खिलाड़ियों को कोरोना वायरस से सम्बंधित सभी

जानकारी साझा करने, स्टेडियम या खेल परिसर को पूरी तरह से सेनेटाइज करने तथा प्रतिभागियों को आयोजनकर्ताओं एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ सभी जानकारी साझा करने के लिए कहा गया है। इन दिशा-निर्देशों में इवेंट से पहले, इवेंट के दौरान और इवेंट के बाद भी प्रोटोकॉल का पालन करने की हिदायत दी गयी है तथा इसमें घरेलू प्रतिस्पर्धाओं के दौरान यात्रा करने के लिए भी विशेष दिशा-निर्देशों तय किये गए हैं।

2021 में ओलंपिक से पहले एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खेलेंगी भारतीय टीमें

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें 2021 में टोक्यो ओलंपिक की अपनी तैयारी के लिए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेंगी। हॉकी इंडिया ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अगले वर्ष के लिए टीमों की तैयारियों पर रूपरेखा पेश की। हॉकी इंडिया ने कहा कि कोरोना से उत्पन्न हालात पर नजर रखी जायेगी और ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेंगी जिसका आयोजन एशियाई हॉकी महासंघ करेगा। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने गत वर्ष नवम्बर में क्रमशः रूस और अमेरिका को हराकर टोक्यो ओलंपिक 2020 के लिए

क्वालीफाई किया था लेकिन कोरोना के कारण टोक्यो ओलंपिक को जुलाई 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारत की दोनों टीमें इस समय बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में हैं। हॉकी इंडिया ने बताया कि सीनियर पुरुष और महिला टीमों के लिए राष्ट्रीय शिविर और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर की योजना अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कैलेंडर के हिसाब से बनायी जायेगी।

महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश करेंगे राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी

नई दिल्ली (वार्ता)। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश अगले वर्ष क्रमशः 11वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष और महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे। देश में हॉकी की नियंत्रण संस्था हॉकी इंडिया ने अपनी सदस्य इकाइयों के साथ बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये विशेष कांग्रेस आयोजित कर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के मेजबानों के बारे में फैसला किया। कई सदस्य इकाइयों ने मेजबानी की इच्छा जताई थी। हॉकी इंडिया ने घोषणा की कि महाराष्ट्र 11वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष चैंपियनशिप 2021 की मेजबानी करेगा जबकि उत्तर प्रदेश 11वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप 2011 की मेजबानी करेगा। 11वीं हॉकी इंडिया जूनियर राष्ट्रीय पुरुष चैंपियनशिप और सब जूनियर चैंपियनशिप 2021 की मेजबानी हरियाणा करेगा।

एनआरएआई ने खेल रत्न के लिए भेजा अंजुम मुद्गिल का नाम

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न के लिए अनुभवी निशानेबाज अंजुम मुद्गिल का नाम केंद्रीय खेल मंत्रालय को भेजा है। एनआरएआई ने इसके अलावा पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर, सौरभ चौधरी और अभिषेक वर्मा का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा है।

कप्तानी बांटना पसंद नहीं करेंगे विराट: नासिर

नई दिल्ली (वार्ता)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली इतने प्रभावशाली हैं कि वह खेल के अलग-अलग प्रारूपों में कप्तानी बांटना पसंद नहीं करेंगे। नासिर ने क्रिकबज पर एक साक्षात्कार के दौरान कहा,÷भारत में अलग-अलग प्रारूप में कप्तान होना संभव नहीं है। विराट बेहद प्रभावशाली हैं और उनके लिए खेल के किसी भी प्रारूप में किसी अन्य खिलाड़ी के साथ कप्तानी बांटना मुश्किल होगा और वह ऐसा करना पसंद नहीं करेंगे।

विराट वर्तमान में तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम के कप्तान है जिसकी वजह से उन पर कभी-कभार अत्याधिक दबाव आ जाता हैं। इसी दबाव को लेकर नासिर ने कहा कि इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में कप्तानी बांटने का तरीका अपनाया है जिसमें सीमित ओवर के कप्तान इयोन मॉर्गन है और टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट हैं।

पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा कि क्रिकेट में कप्तानी बांटना कोई बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा,÷कोच इसमें अहम भूमिका निभा सकते है और हम अलग प्रारूप के लिए अलग कोच भी नियुक्त कर सकते है। इंग्लैंड के पूर्व कोच रहे ट्रेवर बेलिस सीमित ओवर में प्रभावी दिखाई दिए लेकिन उतना प्रभाव टेस्ट क्रिकेट में नहीं दर्शा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के चयन को लेकर भी उलझा हुआ दिखाई देता है जैसा वर्ष 2019 विश्व कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफसेमीफाइनल मुकाबले में देखा गया था।

नासिर ने भारतीय टीम में नंबर चार पर बल्लेबाजी की गुत्थी को लेकर भी कहा कि इतने सारे शानदार बल्लेबाज होने के बाद भी नंबर चार के खिलाड़ी की तलाश पूरी नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रबंधन में एक बात सही नहीं है वह यह कि भारत में इतने सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी है कि दो मुकाबलों में विफल होने के बाद किसी और खिलाड़ी को मौका दे दिया जाता है और फिर उसके बाद किसी और को।

गांगुली ने भारतीय टीम को मजबूत बनाया: नासिर

नई दिल्ली (वार्ता)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बुधवार को कहा कि पूर्व भारतीय दिग्गज कप्तान सौरभ गांगुली ने टीम इंडिया को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। नासिर ने क्रिकबज पर एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि भारतीय टीम में कई शानदार खिलाड़ी थे लेकिन गांगुली के कप्तान बनने के बाद उनके रुख में बदलाव आना शुरू हुआ।

डायमंड लीग का कैलेंडर जारी, कार्यक्रम छोटा किया गया

पेरिस (वार्ता)। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने डायमंड लीग 2020 का कैलेंडर जारी किया है जिसमें कार्यक्रम को छोटा कर दिया गया है। नए कार्यक्रम में कोई अंक सिस्टम नहीं होगा, कोई ओवरआल लीग विजेता नहीं होगा और ज्यूरिख में फाइनल नहीं होगा। नया कैलेंडर 14 अगस्त को मोनाको मीट के साथ शुरू होगा और यह अक्टूबर के मध्य तक जारी रहेगा। सत्र की अंतिम मीट 17 अक्टूबर को चीन में होगी जिसके स्थल की घोषणा बाद में की जायेगी। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने कहा कि 14 चरण की प्रतियोगिता को 11 मीट का कर दिया गया है। नौ से 11 सितम्बर तक होने वाले डायमंड लीग फाइनल के अलावा रबात और लंदन मीट को रद्द कर दिया गया है। 2020 डायमंड लीग सीरीज को 17 अप्रैल को क़तर के दोहा में शुरू होना था लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

■ न्यूज गैलरी

सिकासार डेम में निर्माणाधीन स्पील चैनल फॉल का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर

गरियाबंद। गरियाबंद जिले का एक मात्र बहुद्देशीय सिकासार बांध में बन रहे स्पील चैनल फॉल का औचक निरीक्षण करने कलेक्टर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक बी.आर. पटेल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह एवं वनमण्डलाधिकारी श्री मंयक अग्रवाल सिकासार पहुंचे। कलेक्टर सहित अधिकारियों ने डेम के नीचे बन रहे 18 मीटर चैड़े फॉल का अवलोकन किया। उन्होंने बारिश के पूर्व यह चैनल फॉल पूर्ण करने के निर्देश जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिये है। विभाग के कार्यपालन अभियंता पी.के. आनंद ने बताया कि डेम से प्रवाहित पानी के बहाव को कम करने और मिट्टी के कटाव को रोकने के उद्देश्य से यह फॉल बनाया जा रहा है। इससे डेम से प्रवाहित होने वाले पानी के बहाव में कमी आयेगी साथ ही मिट्टी का कटाव भी कम होगा। इससे डेम को होने वाले संभावित नुकसान से बचाया जा सकता है। पूर्व के वर्षो में हुई अत्यधिक बारिश के कारण डेम के नीचले तटो पर मिट्टी का कटाव हो रहा था, जिसे रोकने यह स्पील चैनल फॉल का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि डेम के नीचले स्तर पर 3 मीटर के दो और 2 मीटर के छः चैनल बनाये जा रहे हैं, जो बरसात के पूर्व पूर्ण कर लिये जायेंगे। कलेक्टर एवं आला अधिकारियों ने बांध के दोनों ओर मुआयना करते हुए जरूरी निर्देश दिये है। ज्ञात है कि सिकासार जलाशय सन् 1977 में बनकर तैयार हुआ था, इससे गरियाबंद एवं धमतरी जिले के लगभग 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। इस अवसर पर जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ. सुधीर पंचभाई सहित जल संसाधन विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भर्ती परीक्षा की जानकारी हेतु लॉन्च किया रोजगार संगी मोबाईल एप्प

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण किए गए रोजगार संगी मोबाईल एप्प रोजगार प्रदान करने वाली संस्थाओं अथवा व्यक्ति विशेष तथा कौशल प्रशिक्षित युवाओं के मध्य एक सेतु की तरह कार्य करेंगा जिसमें रोजगार प्रदान करने वाली संस्थाएं अथवा व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं से सम्पर्क कर सकते हैं तथा प्रशिक्षित युवक जिन्हे अपनी कुशलता एवं रूचि के अनुरूप रोजगार की तलाश है वे विभिन्न संस्थाओं में उपलब्ध रिक्तियों में से बेहतर का चयन कर रोजगार प्राप्त कर सकेगी। रोजगार संगी एप्प की अधिक जानकारी एवं एप्प इंस्टाल हेतु संयुक्त जिला कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण कमरा नं. 40 में उपस्थित होकर या कार्यालयीन दूरभाष नम्बर 8103375014 में संपर्क कर सकते है।

जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग की गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा उपजेल गरियाबंद का निरीक्षण

गरियाबंद। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार जेलों में निवासरत बंदियों का उम्र सत्यापन कराया जाना है। उम्र निर्धारण के संबंध में संदेह अथवा प्रक्रियागत त्रुटि के कारण बच्चे जेलों में निरूद्ध हो जाते है। जिनके उम्र का सत्यापन करने हेतु अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के पैनल को सम्मलित कर जेलों का निरीक्षण प्रत्येक त्रैमास को किया जाना है। उक्त निर्देश के परिपालन में, सचिव जिला बाल संरक्षण समिति महिला एवं बाल विकास विभाग जगरानी एक्का के मार्गदर्शन में 13 मई 2020 को अपरान्ह 12:00 बजें उप जेल गरियाबंद का निरीक्षण किशोर न्याय बोर्ड गरियाबंद के सदस्य नरोत्तम साहू , जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी, अधिवक्ता हेमराज दाउ एवं विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी शरदचंद निषाद के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति द्वारा सभी पांचों बैरकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान प्रत्येक बंदियों से मुलाकात कर उनके वास्तविक आयु की जानकारी ली गई। जिसमें 02 कैदियों ने अपनी आयु 18 वर्ष से कम होना बताया।

कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग एवं एक्टिव सर्विलेंस प्रशिक्षण

गरियाबंद। जिला पंचायत गरियाबंद के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग, षिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारीयों का कोविड-19 कोरोना वाइरस के कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग एवं एक्टिव सर्विलेंस के संबंध में आज एक प्रषिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन. आर. नवरत्न के द्वारा प्रषिक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि कोविड-19 के लगातार बढ़ते हुए धनात्मक केस को देखते हुए कोरोना वाइरस धनात्मक प्रकरण आने पर एपिसेंटर (कोरोना पॉजेटिव व्यक्ति के निवास) के 50 मीटर के परिधि में बफर जोन तथा कन्टेन्मेंट एरिया 01 से 03 कि.मी. के क्षेत्र में आने वाले समस्त घरों का कांन्टेक्ट सर्विलेंस एवं एक्टिव सर्विलेंस करने हेतु स्वास्थ्य, षिक्षा एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारीयों को विस्तृत रूप से प्रषिक्षण दिया गया।

लॉकडाउन का दुकानदार कर रहे उल्लंघन, उड़ रही नियम की धज्जियां

- ■ नगर के दुकानदारो को कोरोना वायरस का नही है डर
- ■ फैंसी और कपड़ा दुकान में ग्राहकों की रही जबरदस्त भीड़

गंडई पंडरिया। कोरोना वायरस को लेकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पूरे देश को लॉकडाउन का तीसरा चरण चल रहा है जो 17 मई तक फिलहाल निर्धारित किया गया है लेकिन नगर के कुछ दुकानदार लॉकडाउन का उल्लंघन करने से बाज नही आ रहे है। कुछ दुकानदार लोगों को अपनी दुकान के अंदर करके शटर बंद कर दुकानदारी कर रहे है। और अपने मनमाफिक्र सामानों का दाम लगाकर उन्हे बेचने में लगे हुए है। सरकार और प्रशासन भले ही लाख प्रयास कर लें। इसके बाद भी कुछ लोग और दुकानदार शासन की गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं। कलेक्टर के इस आदेश को कतिपय दुकानदारों ने तवज्जो ही नहीं दी और दुकानें संचालित कर नियमों का उल्लंघन करने से नहीं चूक रहे है। दुकानदारों द्वारा पुलिस की आंखों में धूल झोंककर दुकानदारी कर रहे हैं । पुलिस राजस्व और नगर पंचायत भी ऐसे दुकानदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती है। लॉकडाउन में दुकानदारों और ग्राहकों द्वारा किसी प्रकार से सुरक्षित शारीरिक दूरी का भी ध्यान नहीं रखा जाता है और न ही दुकानदार मास्क लगाकर सामानों का विक्रय करते हैं। बीते रोज जब यहां का बाजार खुला, तो ग्राहकों की भीड़ दुकानों पर लग रही है। इतना ही नहीं वह प्रतिष्ठान भी खुले रहें, जिन दुकानों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

नगर में कुछ किराने के दुकानदार और कपड़ा दुकान साथ ही फैंसी (जरनल स्टोर) के दुकानदार लॉकडाउन का खुलेआम उल्लंघन करने में लगे हुए है। अपनी दुकानों के दस-दस लोगों को दुकान के अंदर कर दुकानदारी कर रहे है। और जरूरतमंदों को अपनी मर्जी के मुताबिक सामानों का रेट लगा रहे है। दुकानदारों के इस रवैये से कोरोना वायरस फैलने की आशंका जताई जा रही है जबकि प्रशासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि दुकानदार निर्धारित समय तक दुकान खोलने की हिदायत दी है और एक मीटर दूरी से एक दूसरे से बात करे। सभी नियम कानूनों को धता बताकर कुछ दुकानदार अपनी मनमर्जी से कार्य कर लॉकडाउन का मजाक बनाए हुए हैं। नगर में लॉकडाउन किए जाने का असर कम नजर आ रहा है। नगर के लोग भी अपने घरों से निकलकर बेखौफ होकर सड़कों पर मटरगश्ती करते घूमते नजर आ रहे है। यदि लॉकडाउन के दौरान सख्ती न बरती न गई तो नगर के नागरिकों को भी कोरोना वायरस जैसी खतरनाक संक्रामक की चपेट में आकर मौत को गले लगाना होगा।

निर्धारित समय के 1 घंटे बाद तक खुली रहती है दुकाने

कलेक्टर का आदेश सुबह 7 बजे से 4 बजे तक नगर में सब्जी, फल बेचने वाले, किराने की दुकान, मनिहारी फैन्सी स्टोर्स की दुकान, किराने की दुकान और कई अन्य दुकान भी खोले जाने की अनुमती है। इनकी ठिलियों में अधाधुंध भीड़ उमड़ी रहती है। सोशल डिस्टेंसिंग भी नहीं हो पा रही है साथ ही दुकानदार और ग्राहक बिना मास्क लगाए यू ही बेधड़क खरीददारी कर रहे है। ऐसे में कोरोना वायरस के संक्रामण को कैसे रोका जा सकता है। कहने को तो थाने के सिपाहियों की हर चौराहे पर ड्यूटी है, लेकिन सभी बड़े ही आराम के साथ चौराहों पर बैठे रहते है और लोग पैदल और दोपहिया चारपहिया वाहनों से सड़कों पर बेफ़जुल निकल रहे है। देखने को खास बात यह है की निर्धारित समय सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक है लेकिन कुछ दुकानदार इसका खुलेआम उलंघन करते है और समय के 1 घंटे बाद तक दुकान खोले बैठे रहते है ।

अंततः काटना पड़ा ग्रामीण का पांवः लंबे समय से गैंगरीन बीमारी से जूझ रहा था ग्रामीण

- ■ लंबे समय से शासन से इलाज के लिए शासन से कर रहा था गुहार
- ■ समाचार प्रकाशन के बाद समाज के प्रदेश अध्यक्ष ने ली सुध

रूपेश वर्मा

अर्जुनी। पिछले दो माह से गैंग्रीन नामक बीमारी से ग्रसित व्यक्ति का लॉक डाउन में नहीं हो पा रहा इलाज नामक शीर्षक से समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। समाचार प्रकाशन के बाद जैसे ही समाज के प्रदेश अध्यक्ष को जानकारी मिला मीडिया प्रभारी के माध्यम से चर्चा कर रायपुर बुलाकर उनका मेकाहारा में सफल ऑपरेशन कराया गया। इस तरह समाज के प्रदेश अध्यक्ष के पहल पर एक व्यक्ति की जिंदगी में खुशियों की रौनक पुनः लौट आई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बलौदा बाजार विकासखंड के अंतर्गत अर्जुनी निवासी शत्रुघ्न रजक गैंग्रीन नामक बीमारी से ग्रसित था। गैंग्रीन बीमारी का इलाज कराने बलौदा बाजार के जिला अस्पताल से लेकर मेकाहारा तक गया किंतु बीमार व्यक्ति को समय पर समय देकर इलाज नहीं कर रहे थे। सही समय पर इलाज नहीं हो पाने के कारण शत्रुघ्न रजक के पैर में हुए गैंग्रीन बीमारी बढ़ता ही जा रहा था और असहनीय दर्द से जूझ रहा था और पैर काटने की नौबत भी आ गई। गैंग्रीन बीमारी की इलाज के लिए भटक रहे शत्रुघ्न रजक के संबंध में 10 मई को गैंग्रीन बीमारी से ग्रसित व्यक्ति का लॉक डाउन में नहीं हो पा रहा है इलाज नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था साथ ही समाज के मीडिया प्रभारी कमलेश रजक के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर को जानकारी दिया गया था। समाचार प्रकाशन के बाद अंततः समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने सुध लेते हुए मीडिया प्रभारी कमलेश रजक से शत्रुघ्न रजक के संबंध में चर्चा कर 12 मई को सुबह 10 बजे मेकाहारा अस्पताल बुलाया। मरीज के पहुंचने से पहले ही प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिहदेव अस्पताल अधीक्षक डॉ विनीत जैन से चर्चा कर गैंग्रीन बीमारी से ग्रसित शत्रुघ्न रजक का शीघ्र इलाज करने अनुरोध किया गया। सूरज निर्मलकर के पहल पर ही 12 मई को रात्रि में ही शत्रुघ्न रजक का सफल ऑपरेशन डॉक्टर के द्वारा किया गया। 13 मई को सुबह प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर प्रदेश पदाधिकारी सुरेंद्र निर्मलकर यशवंत निर्मलकर कृष्णकुमार निर्मलकर अंबे बघमार के साथ मेकाहारा पहुंचकर मरीज का हालचाल पूछा और आगे भी मदद करने का भरोसा दिलाया गया। मीडिया प्रभारी कमलेश रजक ने बताया प्रदेश अध्यक्ष के इस कदम से जिले के समाज जनों में प्रदेश समाज के प्रति नई आशा की किरण जागी है और समाज और राज्य सरकार के प्रति भरोसा बढ़ा है समाज के युवाओं ने समाज के कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए जिले में अभियान चलाने और प्रदेश समाज द्वारा चलाए जा रहे आदर्श विवाह को अपनाने के लिए जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

जिला आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज द्वारा 31 हजार रूपये की सहायता

गरियाबंद। कोरोना वायरस से बचाव और राहत के लिए लोगों द्वारा सहायता दी जा रही है। इसके अलावा सामाजिक संगठनों द्वारा भी संकट की इस घड़ी में लोगों को मदद की जा रही है। आज जिला कार्यालय में जिला आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में 31 हजार रूपये की नगद राशि कलेक्टर श्याम धावड़े को सौपा गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष पन्ना लाल ध्रुव सहित नरसिंह मरकाम, शिव दर्शन ध्रुव, संतुराम ध्रुव, अशोक ध्रुव एवं नरेन्द्र ध्रुव मौजूद थे।

विकासखण्ड वार, दुकान वार एवं डीलर वार आबंटन जारी

गरियाबंद। संचालनालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा माह मई 2020 के लिए केरासीन का ऑनलाइन आबंटन विकासखण्ड वार, दुकान वार एवं डीलर वार 264 किलोलीटर जारी किया गया है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरीय एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र के ऐसे राशन कार्डधारी जिनके परिवार में एलपीजी कनेक्शन नहीं है, उन्हें अधिकतम 2 लीटर केरासीन की पात्रता है। अनुसूचित क्षेत्र के राशन कार्ड धारियों को अधिकतम 3 लीटर केरोसीन की पात्रता है। कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा से विकासखण्डवार, डीलरवार एवं लीड संस्थावार माह मई 2020 हेतु आबंटित केरोसीन की मात्रा के संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार केरोसीन डीलर लीड संस्थाओं एवं उचित मूल्य दुकानों को स्थल पर पहुंच कर केरोसीन का प्रदाय करेंगे। माह 25 मई तक अनिवार्य रूप से केरोसीन का आबंटन का पूर्ण उठाव अनिवार्य रूप से किया जायेगा।

नमक की कालाबजारी करने वालों पर होगी कार्यवाही

बेमेतरा/साजा। जिला खाद्य अधिकारी बेमेतरा भूपेंद्र मिश्रा द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि जिले में नमक की कमी के संबंध में हो रही अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में पर्याप्त मात्रा में नमक उपलब्ध है। किसी भी व्यापारी द्वारा अधिक दर पर नमक विक्रय करते पाये जाने पर संबंधित उपभोक्ता नगर पालिका के साथ-साथ खाद्य विभाग में एवं जी डी मिश्रा सहायक खाद्य अधिकारी के मोबाईल नम्बर 94792-09373 में भी सूचना दी जा सकती है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में नमक का भण्डार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। खाद्य अधिकारी ने जिलेवासियों से नमक की कमी की अफवाहों पर ध्यान न देकर अपनी आवश्यकतानुसार नमक क्रय करने की समझाईश दी है कि खुले बाजार में नमक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

एपीएल राशनकार्डधारी परिवारों को एक जून से 10 रूपये किलो में दो किलो मिलेगा नमक

बेमेतरा/साजा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा एपीएल राशनकार्ड धारी सामान्य परिवारों को एक जून 2020 से 10 रूपये प्रति किलो की दर से अधिकतम दो किलो नमक प्रति राशन कार्ड प्रतिमाह शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर लॉकडाउन की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सामान्य परिवारों को भी राशन दुकानों से नमक देने का आदेश जारी किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा महानदी भवन मंत्रालय से आदेश जारी कर आयुक्त सह संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय तथा प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम नवा रायपुर को सामान्य परिवारों को नमक प्रदाय करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया है।

20 मई को पड़कीडीह में आम फल बहार की नीलामी

बेमेतरा/साजा। शासकीय संजय निकुंज पड़कीडीह विकासखंड एवं जिला बेमेतरा के आम फल बहार के नीलामी (बड़े पैधे 03, छोटे पौधे 24 आंशिक फलन कुल 27) 20 मई 2020 को अपरान्ह 3 बजे शासकीय संजय निकुंज पड़कीडीह में आयोजित की गई है। उद्यान अधीक्षक से मिली जानकारी के अनुसार नीलामी की शर्ते निम्नानुसार है- प्रत्येक केता व्यापारी नीलामी के पूर्व आम फलों का अवलोकन कर लेंवे। नीलामी में बोली लगाने के पूर्व 5 हजार रूपए धरोहर राशि कार्यालय में जमा करना होगा तथा जमा राशि नीलामी के शीघ्र बाद प्रथम एवं द्वितीय बोली कर्ताओं को छोड़कर शेष बोली कर्ताओं को धरोहर की राशि वापस की जाएगी। नीलामी में वे ही व्यक्ति भाग ले सकते है जिन पर कार्यालय का पूर्व बकाया न हो। नीलामी समाप्ति के बाद उच्च बोली कर्ता को बोली की 1/3 राशि तीन दिन के भीतर जमा करनी होगी, शेष राशि फल तोड़ाई के पूर्व दो किस्त में जमा करना होगा। अमानत राशि अंतिम किस्त में समायोजित की जाएगी। यदि उच्च बोली कर्ता के द्वारा तीन दिन के अंदर 1/3 राशि जमा नहीं की जाती है तो उसकी धरोहर राशि जप्त की जावेगी एवं द्वितीय बोलीकर्ता को फलबहार दे दिया जावेगा। यदि द्वितीय बोलीकर्ता के द्वारा 1/3 राशि तीन दिन के अंदर जमा नहीं की जाती है तो उसकी धरोहर राशि भी जप्त की जावेगी। नीलामी के बाद फसल रक्षा की जिम्मेदारी केता की होगी, शासन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। आम फल तोड़ते ही वजन कराना होगा। प्रति पौधे 10 नग फल शासन को निःशुल्क प्रदान करने होगे, पौधों एवं बाद में उत्पादित अन्य फल-पौधों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होना चाहिए अन्यथा इसकी भरपाई क्रेता को करना होगा।

विधायक ने ग्राम कोरदा के विभिन्न गलियों के सीसी रोड निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

- ■ क्वारेंटाइन में रह रहे मजदूरों का हालचाल जान अच्छे रहने की दिए सलाह

लवन। बुधवार को कसडोल विधायक सुश्री शकुंतला साहू ग्राम पनगांव पहुंची। यंहा जनपद पंचायत बलौदाबाजार द्वारा बाहर से आ रहे मजदूरों के लिए रुकने, खाने पीने की व्यवस्था की गई है। अन्य प्रान्त से आ रहे मजदूरों का हालचाल जानने के लिए कसडोल विधायक ने ग्राम पनगांव पहुंचकर लोगों को अच्छे रहने की सलाह दिए। उन्होंने कंहा की सोशल डिस्टेंस में रहकर ही हम कोरोना से जीत सकते है। मजदूरों की समस्याओं को देखते हुए क्वारंटाइन में रह रहे मजदूरों के बच्चो को अपने हाथों से बिस्किट भी दिए। इसके पश्चात विधायक दोपहर 3 बजे ग्राम कोरदा पहुंचे यंहा विधायक ने पूर्व व वर्तमान स्वीकृत विभिन्न गलियों के सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। तत्पश्चात विधायक ने ग्राम कोरदा के प्राथमिक शाला व पूर्व माध्यमिक शाला का निरीक्षण कर क्वारंटीइन में रह रहे 145 मजदूरों का हाल चाल जाना। जंहा मजदूरों ने किसी प्रकार की कमी व समस्या नहीं होना बताया। अंत में बच्चो को बिस्किट देकर मजदूरों को कंहा की आप लोग बड़ी मुश्किल से दूसरे प्रदेश से अपने गांव पहुंचे हो, आप लोग काफी मेहनती लोग हो, इसलिए आप लोग 14 दिन तक स्कूल में रहने के बाद ही अपने घर जाए। इसके पश्चात विधायक शकुंतला साहू शांम 4 बजे ग्राम डोंगरा पहुंचे। यंहा डोंगरा में भी शासकीय स्कूल को क्वारंटाइन किया गया है। क्वारंटीइन सेंटर पहुंचकर विधायक ने सभी लोगों का हाल चाल जानकर, अच्छे से रहने व शोसल डिस्टेंस में रहने की सलाह दिए। इसके आलावा विधायक ने ग्राम डोंगरा, लवन, खैदा, कुम्हारी, धाराशिव में भी सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।

पर्यटन | बीहड़ जंगल साल्हेवारा क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवपुरा से लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर अंदर एक अद्भुत प्राकृतिक जल स्रोत है

केरापानी बन सकता है पर्यटन स्थल : देवव्रत सिंह

गंडई/नवप्रदेश। एक ऐसी जगह जिसके बारे मे प्रशासन को पता नही है। केरापानी एक ऐसी जगह है जो चारो तरफसे जंगल एवं विभिन्न प्रकार के जड़ी बूटियों से आच्छादित आयरन और, गेरू पहाड़ के मध्य केरा पानी का उदगम स्थल हैं। घने पेड़, पानी की कलकल करती आवाज, पक्षियों की चहचहाहट के बीच गजब की प्रकृतिक आनंद की अनुभूति देखने को मिलती है। केरापानी के उद्गम स्थल के पास ही दलदली हैं। माना जाता हैं, की यहाँ सैकड़ो वर्ष पुराने केले का पेड़ हुआ करता था। जहां केले पर हमेशा फल लटका हुआ रहता था। केले का फल जंगल के जीव - जंतू,बंदर आदि को शुशोभित हुआ करता था। बताया जाता है कि यहां हर साल महाशिवरात्रि पर मेले का आयोजन भी होता है। जिसे देखने के लिए दूर - दूर के लोग आते है और मनोकामना के साथ जाते है। गत दिनो क्षेत्रीय विधायक देवव्रत सिंह अपने साथियों के साथ इस प्राकृतिक जल स्रोत का निरीक्षण करने पहुंचे। देवव्रत सिंह केरापानी जगह को देखकर आनंदित हो उठे और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं तलाशने की बात कही। साथ ही उन्होंने केरापानी पर जल्द ही कार्ययोजना बनाने की बात कही। ताकि जल्द ही शासन इस जगह को पर्यटन स्थल के रूप मे घोषणा कर सके।

एशिया की सबसे बड़ी गुफा भी यहां : मालूम हो खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गंडई मे एक अलग पहचान बनाए हुए है। जहां मां नर्मदा के उद्गम स्थल है। वहीं यहां एशिया के दूसरा सबसे बड़ा गुफा मंडिपखोल भी है। जो साल मे केवल एक बार अकती के बाद वाले सोमवार को खुलता है। हालाकि इस साल कोरोना वायरस के चलते नही खुल पाया। इसके अलावा माता गंगई का भव्य मंदिर, चोंड़रा धाम, भांवर दाहरा जैसे अनेक जगह है, जो अपनी ओर खींच लेती है। इन जगहों पर प्रकृति का मनोरम दृश्य देखते ही बनता है।

न्यूज गैलरी

ओंकार सिंह बने छत्तीसगढ़ एड. एजेंसीज एसोसिएशन के अध्यक्ष

रायपुर। एडवरटाइजिंग एजेंसीज् एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ ने कोविड - 19 कोरोना की महामारी को देखते हुए एड. एसो. के चुनाव अधिकारी दीप जैनख संरक्षक शिवाजी मंथानी व अजय जैन ने ऑनलाईन चुनाव करने का निर्णय लिया, जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। इस चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु सभी सदस्यों ने एकमत से अनुभवी ओंकार सिंह मुद्दड़ को सर्व सहमति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

राहत पैकेज से व्यापारियों में उत्साह-जैन

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष जैन जीतेन्द्र बरलोटा, महामंत्री लालचन्द गुलवानी, कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, प्रवक्ता द्वय ललित जैसिंघ एवं योगेश अग्रवाल ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा राष्ट्र के नाम संदेश में 20 लाख करोड़ रूपये की कोरोना पैकेज की घोषणा से व्यापार उद्योग जगत को लाकडाउन के दौरान जो नुकसान हुआ है, उसकी पूर्ति हेतु आपकी घोषणा से व्यापारियों एवं उद्योगपतियों में एक नया उत्साह जागृत हुआ है। इस आपदा में प्रधानमंत्री जी ने व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को नया अवसर देने की घोषणा की है उसका छत्तीसगढ़ चेम्बर स्वागत करता है। स्वदेशी से आत्मनिर्भर बनाने का वर्षों पुराना सपना अब सच साबित होगा। छोटे एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारियों एवं कुटीर गृह उद्योग के व्यापारियों को नई ऊर्जा मिलेगी। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज परिवार ने प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने बांटे मास्क व दस्तानें

नई दिल्ली (वार्ता)। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की ओर से गुरुवार को आजादपुर मंडी परिसर में मजदूरों को मास्क एवं दस्तानें वितरित किए गए। इस दौरान मंडी में फल, सब्जियों के थोक व्यापारी राजकुमार भाटिया और मंडी कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद थे। कंपनी सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत बैंक ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए 2500 मास्क एवं 400 जोड़े दस्ताने बाटें। साथ ही इसके बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया और अपील की कि भीड़भाड़ से बचें और मास्क का प्रयोग जरूर करें। आजादपुर मंडी एशिया की सबसे बड़ी सब्जी और फल मंडी है। 1977 में बनाई गई इस मंडी से दिल्ली-एनसीआर और समूचे देश में फल और सब्जियों का आवागमन होता है। करीब एक लाख लोग इस मंडी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हैं।

पिछले दिनों मंडी में आने वाले कई कारोबारी कोरोना वायरस

आत्मनिर्भर भारत अभियान से उम्मीद

गुरुग्राम। आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणाओं से जिले की करीब 16 हजार लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) को लाभ मिलेगा। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र के संबोधन इन छोटे उद्योगों की नजर वित्त मंत्री की घोषणाओं पर लगी थी।

उन्होंने 20 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की पोटली खोली। जिले में 16 हजार के करीब एमएसएमई हैं। इनसे करीब 13 लाख लोग जुड़े हैं। जिले में मौजूदा एमएसएमई मैनुफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की हैं। इनमें मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र की एमएसमएई की संख्या 8 हजार से अधिक है तो वहीं सर्विस सेक्टर की एमएसएमई की संख्या सात से आठ हजार के बीच में है। उद्योग विभाग के अधिकारियों के अनुसार एमएसएमई को इन घोषणाओं से अपना काम दोबारा

शुरू करने में मदद मिली। गुरुग्राम में संचालित एमएसएमई ऑटो मोबाइल, रेडीमेड गारमेंट और लेदर उद्योग के साथ सर्विस क्षेत्र में हैं।

20 फीसदी बड़ी कंपनियां : हरियाणा की आर्थिक राजधानी और सिटी ऑफ सीईओ की संज्ञा रखने वाले गुरुग्राम में बड़ी कंपनियों की हिस्सेदारी 20 फीसदी है, जिले में कारोबार करने वाली 80 फीसदी कंपनियां एमएसएमई की श्रेणी में आती हैं। जो पिछले डेढ़ महीने से बंद पड़ी हैं, हालांकि आवश्यक सेवाओं से जुड़ी कंपनियां जरूर संचालित हो रही हैं। आईडीए के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो छोटे लघु एंव सूक्ष्म उद्योगों के लिए चिंता की है और ऐलान किए हैं। इससे आने वाले दिनों फायदा मिलेगा। लॉकडाउन के लंबे खिंच जाने से इन कंपनियों के समक्ष काफी दिक्कतें थी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार अपनी चिंता बनाएगी रखेगी और आने वाले दिनों में जीएसटी में राहत देगी। यह वित्त मंत्री की पहली ब्रीफिंग थी। आगे और राहत मिलने की उम्मीद छोटे उद्योगों को है।

साढ़े तीन लाख घरों का निर्माण बंद पड़ा

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में करीब साढ़े तीन लाख घरों का निर्माण बंद पड़ा है। रियल एस्टेट की इन परियोजनाओं में (संक्रमित जोन को छोड़कर) निर्माण की अनुमति मिल गई है लेकिन सबसे बड़ी समस्या इस वक्त पर श्रमिकों की है। सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल कहते हैं कि श्रमिक पलायन कर चुके हैं जो श्रमिक हैं हमने उनसे काम शुरू किया है। करीब दो से तीन महीने श्रमिकों को लाने और काम शुरू करने में लगेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे में देरी स्वाभाविक थी। केंद्र सरकार ने इस ख्याल रखा और समूचे रियल एस्टेट क्षेत्र को बड़ी राहत दी।

ब्लैकबक की 50 करोड़ रुपये का राहत कोष की घोषणा

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रकिंग प्लेटफॉर्म ब्लैकबक ने आज माल परिवहन में तेजी और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री को वापस पटरी पर लाने के लिए कई विशेष प्रयासों की घोषणा की। ब्लैकबक ने पूरे देश में ट्रकों और सामानों का परिवहन शुरू करने और लॉकडाउन में टूटी सप्लाई चेन दुबारा कायम करने के लिए 'मूव इंडिया'पहल की है। 'मूव इंडिया'पहल के तहत कम्पनी इस बीच कोई कमीशन नहीं लेगी ताकि ट्रक कारोबारी इसके प्लेटफार्म से जुड़ें और फिर से कारोबार शुरू करें। साथ ही, ब्लैकबक ने सुरक्षा के कई उपाय किए हैं जैसे डायरेक्ट मनी ट्रांसफर (डीएमटी) और ट्रिप इंश्योरेंस ताकि दूसरी पंक्ति के कोरोना योद्धाओं, ट्रक ड्राइवरों को मदद और सुरक्षा मिले क्योंकि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाले हैं। 'मूव इंडिया' की पहल से 10 लाख से अधिक ट्रकों के साथ 50,000 से अधिक फ्लीट मालिकों को मांग की जानकारी होगी तथा कई अन्य सेवाएं मिलेंगी जैसे कि फास्टैग, जीपीएस और फ्यूल कार्ड। कमीशन नहीं लिए जाने से ट्रक मालिकों को हर ट्रिप पर 2,000 से 3,000 रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। इतना ही नहीं पूरी लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री को वापस पटरी पर लाने के इस प्रयास के साथ कम्पनी ने अपने प्लेटफार्म का विस्तार कर छोटे ट्रांसपोर्टरों, मंडी के विक्रेताओं और वितरकों (जो वर्तमान में ब्लैकबक प्लेटफॉर्म का हिस्सा नहीं हैं) के लिए भी कमीशन माफ करने का निर्णय लिया है। कम्पनी अगले 1 महीने तक एक कॉल से बुक करने के हेल्पलाइन से ऐसे 20,000 से अधिक ट्रांसपोर्टरों और विक्रेताओं को कमीशन माफी का लाभ देने वाली है।

कोरोना के कारण अमेजन इंडिया ने कामकाज में किए 100 बदलाव

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से अपने एसोसिएट्स, कर्मचारियों, पार्टनर्स और ग्राहकों की सुरक्षा के लिये अमेजन इंडिया ने अपनी इमारतों में सामाजिक दूरी बनाये रखने और ग्राहकों तक सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिये जमीनी स्तर करीब 100 बदलाव किये हैं।

अमेजन इंडिया ने गुरूवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और स्थानीय प्रशासन के मार्गदर्शन का पालन करते हुए कम्?यूनिकेशन के नये फॉर्मेट, प्रोसेस, नई प्रशिक्षण विधियों और कई नीतिगत बदलावों के माध्यम से फुलफिलमेन्ट, सॉर्टेशन सेंटर्स और डिलीवरी स्थलों सहित अपने सभी परिचालन स्थलों में पद्धतियों को व्यवस्थित किया गया है। इसके तहत कार्यलय में आने जाने और डिलीवरी के दौरान चेहर पर मास्क लगाकर कार्य करना, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का उपयोग, परिचालन करते हुए तापमान की जांच आदि शामिल है।

विज्ञप्ति के अनुसार अमेज़न इंडिया ने अपनी पद्धतियों को इस प्रकार व्यवस्थित किया है कि टीमों और सहकर्मियों के बीच सुरक्षित दूरी हमेशा बनी रहे। एसोसिएट्स को एक जगह पर एकत्र होने से रोकने के लिये कई प्रशिक्षण ऑनलाइन सत्रों में या एप-आधारित कर कर दिया गया हैं। व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्र केवल महत्वपूर्ण मामलों के लिये हैं और मीटिंग रूम की क्षमता को कम करते हुए 2 मीटर की सामाजिक दूरी रखी गई है। कंपनी ने अतिरिक्त सुरक्षा के लिये शिफ्ट शुरू होने के समय और ब्रेक टाइम्स में अंतर किया है।

रुपया 10 पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 10 पैसे लुढ़ककर 75.56 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। भारतीय मुद्रा दो दिन बाद कमजोर पड़ी है। बुधवार को यह पांच पैसे चढ़कर 75.46 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये में आज उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 11 पैसे की गिरावट में 75.57 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में 75.30 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ तो दूसरी तरफ 75.59 रुपये प्रति डॉलर तक कमजोर भी हुआ। आखिरकर गत दिवस की तुलना में 10 पैसे लुढ़ककर 75.56 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से रुपया कमजोर हुआ।

हिंडाल्को ने लॉकडाउन में आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए बढ़ाया कदम

रायगढ़। कोरोना के खिलाफ़ जारी जंग के बीच उत्पन्न परिस्थिति से निबटने के लिए देश की अग्रणी कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने स्थानीय स्तर पर अपने सस्टेनिबिलिटी कार्यर्क्रम के तहत आर्थिक आत्मनिर्भता के लिए एक कारगर प्रयास किया है। कंपनी द्वारा गारेपालमा खनन क्षेत्र की महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने के लिए कोसा सिल्क रीलिंग सेंटर की शुरुआत अक्टूबर 2019 में की गई थी, जहां प्रशिक्षित महिलाओं नें हिंडाल्को के सहयहोग से कोसा सिल्क के धागे का उत्पादन अब शुरू कर दिया है। तमनार ब्लाक की कोंडकेल और लालपुर की 20 महिलाओं ने अपनी कार्य कुशलता का परिचय देते हुए

कोसा सिल्क धागों का उत्पादन करने में जुटी हैं। फिलहाल इनके पास तैयार धागों की पहली खेप बाजार के लिए तैयार है जिसका बाजार मूल्य 25 हजार रुपए से ज्यादा का है। इस बारे में जानकारी देते हुए गारेपालमा माइन्स, हिंडाल्को के यूनिट हेड विवेक मिश्रा ने बताया कि - हमारा प्रयास है कि स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर बनाया जा सके। महिलाओं को कोसा सिल्क के धागे बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे आर्थिक रूप से संबल बनायी जा सकें।

कोरोना के संक्रमण बीच उत्पन्न हुए हालात में चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता सबसे जरूरी है। हम अपने सस्टेनिबिलीटी कार्यक्रम के द्वारा स्थानीय महिलाओं को कोसा सिल्क के धागे तैयार करने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं और उनके द्वारा तैयार सामान को सीधे बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं ताकि यह उनके लिए आय का साधन बन सके।

विवेक मिश्रा, यूनिट हेड-गारेपालमा माइन्स, हिंडाल्को

अभूतपूर्व कोविड-19 के राहत कार्य में दान किए गए हर एक रुपये के बराबर राशि देने का संकल्प लिया

देशभर में द हंस फाउंडेशन के कोविड-19 राहत अभियान

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी अभूतपूर्व अनुपातों वाली आपदा है और इसने पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। यह एक ऐसा अदृश्य और सीमाहीन दुश्मन है जिससे मानव जाति का पिछले कुछ वर्षों के इतिहास में पहले कभी सामना नहीं देखा गया है और इसके अनोखे परिणाम हैं। इसके फैलने से भारत भी किसी भी और दूसरे देश की तरह प्रभावित हुआ है। हालाँकि भारत में इसका फैलना और मृत्यु दर कुछ पश्चिमी के देशों जितना अधिक नहीं है और अमरीका में, संक्रमण के मामलों की संख्या समय के साथ लगातार बढ़ती जा रही है। यह सब इन सब बातों के बावजूद हो रहा है जब भारत ने समय पर कार्यवाही करने और पूरे देश में पूर्ण लॉकडाउन लागू करने में तत्परता के साथ काम किया।

इस लॉकडाउन का असर लाखों दिहाड़ी मज़दूरों, प्रवासी मजदूरों पर सबसे अधिक पड़ा हैं और उन्हें राशन, स्वच्छता और चिकित्सा सेवाओं के मामले में तत्काल सहायता किए जाने की ज़रूरत है। कोविड-19 के प्रकोप के कारण देशभर में हुए तालाबंदी ने लाखों प्रवासी मज़दूरों, दिहाड़ी मज़दूरों, किसानों, और अनौपचारिक क्षेत्र के मज़दूरों पर बहुत बड़ा आर्थिक बोझ डाल दिया है और उन्हें दो वक़्त के भोजन का इंतज़ाम करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। अस्पताल और चिकित्सा क्षेत्र के कर्मचारी भी सुरक्षा उपकरणों, सुविधाओं और साज़ो-सामान की कमी का सामना कर रहे हैं। भारत में हर दिन दर्ज किए जाने वाले मामलों और होनेवाली मौतों की संख्या खतरनाक दर से बढ़ रही है। भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट, द हंस फाउंडेशन (टी.एच.एफ) अपने सहयोगियों - उत्तराखंड सरकार, वरदान, अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन, ग्रैविस, मासूम चैरिटेबल ट्रस्ट, आसरा ट्रस्ट, बी.ए.आई.एफ डिवेलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन, गूंज, अक्षय पात्र फाउंडेशन और कई दूसरे सहयोगियों के साथ मिलकर प्रभावित लोगों के लिए राहत एवं सहायता के अभियान चला रहा है और अस्पतालों और पहली पंक्ति के कर्मचारियों की मदद भी कर रहे हैं । इस समय राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न होने वाली अनेकों समस्याओं से निपटने के लिए बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र, कोलकाता, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के आंतरिक क्षेत्रों में कमज़ोर समुदायों के लिए काम शुरू कर दिया गया है। अपने सहयोगियों के साथ यह फाउंडेशन प्रवासी लोगों के परिवारों, दिहाड़ी मज़दूरों, अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को पोषक पदार्थों के किट/राशन के किट और पहली पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मचारियों को हेल्थकेयर किट, आधा वेतन और मेडी-क्लेम्स, वेंटिलेटर्स और आइसोलेशन केंद्र स्थापित करने में मदद भी कर रहा है।

'पैकेज' की घोषणा के बाद शेयर बाजार लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। 'आत्मनिर्भर भारत पैकेज' की उम्मीद में बुधवार को दो फीसदी की छलांग लगाने वाला घरेलू शेयर बाजार पैकेज की घोषणा के बाद चौतरफा बिकवाली के कारण आज ढाई फीसदी से अधिक लुढ़क गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 885.72 अंक यानी 2.77 प्रतिशत का गोता लगाकर साढ़े तीन सप्ताह के निचले स्तर 31,122.89 अंक पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस यह 31,008.61 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 240.80 अंक अर्थात् 2.57 फीसदी लुढ़ककर 9,142.75 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों में 21 अप्रैल के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है। आईटी, टेक, ऊर्जा और वित्त समूहों के सूचकांक तीन प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गये। धातु, बिजली, तेल एवं गैस, बैंकिंग और यूटिलिटीज समूहों में दो से तीन प्रतिशत तक की गिरावट रही। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों ने भी बाजार पर दबाव बनाया। सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों की परिभाषा बदलकर ज्यादा कंपनियों को इसके दायरे में लाने, उनके लिए गारंटी वाले ऋण की व्यवस्था करने और 200 करोड़ रुपये तक के सरकारी टेंडर सिर्फ घरेलू कंपनियों को देने के फैसलों से इस श्रेणी की कंपनियों में बिकवाली कम हुई। बीएसई का मिडकैप 0.39 प्रतिशत की गिरावट में 11,536.11 अंक पर और स्मॉलकैप 0.63 फीसदी फिसलकर 10,706.48 अंक पर बंद हुआ।

आज का भविष्यफल

मेषः आलस्य का त्याग कर समय का उचित प्रयोग करें। इससे आप अपने कार्यक्षेत्र एवं रचनात्मक क्षेत्र में सुर्खियां बटोरेंगे।

वृषभः राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए लाभप्रद स्थितियों के आसार हैं। आप काफी आराम महसूस करेंगे और अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति से संतुष्ट रहेंगे।

मिथुन :दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु प्रयत्नशील रहें। आपका समय अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक खुशनुमा माहौल में बीतेगा।

कर्कः नौकरी का वातावरण सुखद होगा। असामाजिक तत्वों से दूरी बनाये रखें। परिजनों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न मानें।

सिंहः आज सहयोगियों के साथ काम करने के लिए एक-दूसरे को प्रेरित करें। संबंधों में नैतिक कर्तव्यों से विमुख न हों।

कन्याः आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण लेना पड़ सकता है। भावुकता व्यवहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी।

तुलाः नये कार्यों में संलग्नता से लाभ प्राप्त होगा। आज शाम आप बच्चों के साथ समय बिताने का आनंद ले पाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं।

वृश्चिकःनयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। यह नए निवेश और पुराने संपर्क को दोबारा से जीवित करने की योजना के लिए एक अच्छा दिन है।

धनुः नकारात्मकता को त्याग सकारात्मकता की ओर चलें। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति एवं स्थानांतरण के योग हैं। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें।

मकरःपूरा दिन अध्यात्मिक व पारंपरिक कार्यों में व्यतीत होगा। सामाजिक कार्यक्रम या अन्य स्थान पर सुखद अहसास बनेगा, अवश्य सम्मिलित हों।

कुंभः आपको सामाजिक जीवन की जरूरत है। अपने पारिवारिक जीवन और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाने की कोशिश करें।

मीनः कार्यक्षेत्र में फालतू की बातो में न उलझें। गप्पे मारने से बचें। परिजनों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न मानें।

सू- दोकू क्र.022

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 21 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -022

बाएं से दाएं
1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खी से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, बेढ़ 8. बेइज्जती, अनादर 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

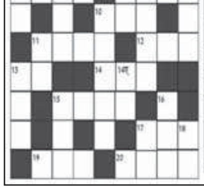

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 21 का हल

खा	म	खां	■	■	ई	■	■	■
म	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	ब	ड़ा
त	■	■	स्व	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नी	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

खबर का असर : कलेक्टर ने जनपद सीईओ से कहा- वापस कराएं किट

राधेश्याम पटेल

मैंनपुर। कोरोना संकट के बीच मैनपुर विकासखंड के एक अधिकारी द्वारा शासकीय निधि से निजी स्वार्थ साधने का मामला उजागर हुआ है। नवप्रदेश में मामले की खबर प्रमुखता से छपने के बाद बताया जा रहा है कि कलेक्टर ने अधिकारी को फटकार लगाई है। दरसअल मैनपुर जनपद पंचायत के सीईओ नरसिंह ध्रुव की ओर से ब्लॉक की कुछ पंचायतों के सचिवों को कोरोना संक्रमन के निपटने के नाम पर सेनिटाइजर, मास्क व पीपीई सूट आदि की एक किट बनाकर दी जा रही थी। इसके बदले सचिवों को 90-52 हजार रुपए का बिल थमाया जा रहा था। उनके द्वारा सचिवों को कहा जा रहा था कि यह किट जिला पंचायत गरियाबंद की ओर से दी जा रही है और पंचायतों को 14वें वित्त की राशि से इसका भुगतान करना है। सरपंच -सचिवों को इस पर काफी आपत्ति थी क्योंकि वे अपनी पंचायतों में उक्त सामग्रियों की खरीदी 14वें वित्त मद से पहले ही कर चुके थे। ऐसे में जनपद पंचायत सीईओ के किट खरीदने का फरमान उनके गले नहीं उतर रहा था।

■ मैनपुर जनपद पंचायत सीईओ की ओर से बांटी जा रही थी मास्क, सेनिटाइजर आदि सामग्रियों की किट

नवप्रदेश ने 13 मई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था मामला

■ एक किट का थमाया जा रहा था 90-92 हजार रुपए बिल, जबकि बाजार में कीमत थी 18-20 हजार

सरपंचों ने बताया था मामला

कुछ सरपंचों ने नवप्रदेश से बातचीत में नाम न छापने की शर्त पर पूरा मामला बताया था। जिसके बाद नवप्रदेश ने अपने बुधवार के अंक में इस संबंध की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इस खबर पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्याम धावड़े ने ध्रुव को फटकार लगाते हुए ऐसे सभी किट तत्काल वापस करने के लिए कहा है। और कहा है कि पंचायतें स्वयं सक्षम है। जिस पंचायत में जिन्हें जो खरीदी करना है वहां शासन द्वारा जारी निर्देश अनुसार करेंगे। उन्हें किसी भी तरह की कोरोना किट के लिये दवाव नही बनाया जायेगा। बता दें कि ध्रुव अनुविभागीय अधिकारी (कृषि गरियाबंद) और जनपद पंचायत मैनपुर के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी हैं।वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत गरियाबंद के सचिव ने भी कहा था कि जिला पंचायत की ओर से ऐसी कोई किट बांटने के लिए नहीं दी गई थी। जो किट जनपद सीईओ द्वारा कुछ पंचायतों को दी गई, उसका 90-92 हजार रुपए का बिला थमाया जा रहा था, जबकि जानकारों के मुताबिक किट में उपलब्ध सामग्री की कीमत सिर्फ 18-20 हजार रुपए है।

जिपं सीईओ बोले-जिन्होंने दी सामग्री वे वापस ले जाएंगे

इस विषय पर विनय कुमार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गरियाबंद से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि जिला पंचायत द्वारा किट वितरण नहीं किया गया है। और ना ही मुझे इसकी जानकारी है। अखबार में खबर देखने के बाद मुझे पता चला है और जिन्होंने सामग्री दी है वो पंचायत से उठाकर वापस ले जायँगे किन्तु उन्होंने ये नही बताया कि किसने सामग्री दिया है और कौन उसे पंचायते से बापस ले जायेगा? सांथ श्री विनय कुमार ने कहा कि पंचायत खुद सक्षम है जो भी सामग्री उन्हें लगती है वो स्वयं ले सकते है उन्हें किसी तरह का अतिरिक्त बोझ नही दिया जायेगा।

वापिस भेजी जाएगी किट : कलेक्टर

इस संबंध में जिला कलेक्टर गरियाबंद श्याम धावड़े से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की रोकथाम के लिये जिले में हर स्तर पर शासन के निर्देश अनुसार कार्य किया जा रहा है। विकास खण्ड मैनपुर की पंचायतों में जो किट भेजी गई है उसको वापस भेजा जायेगा। पंचायत की राशि का दुरुपयोग नहीं होने दिया जायेगा। बांटी गई किट की जांच करवाकर कड़ी कार्यवाही करवाता हूं।

मजदूरों की बेबसी और त्रासदी के बीच राहत लेकर पहुंचे मंत्री कवासी लखमा

■ जगदलपुर से पैदल बलरामपुर जा रहे थे मजदूर

■ 3 मई को आवेदन लगाया था प्रशासन को घर वापसी के लिए

■ प्रशासन ने कहा खुद ही कर लो अपनी व्यवस्था

नव प्रदेश संवाददाता

कोंडागॉव। लॉक डाउन के बीच लगातार मजदूरों की पैदल व दुर्व्यवस्था के बीच वापसी लगातार देखने को मिल रही है।जिसके चलते आज सुबह जगदलपुर चोकावाडॉ नगरनर से कोंडागॉव पहुंच पैदल रास्ता नाप रहे 8 मजदूरों पर मीडियाकर्मी की नजर पड़ी बेहाल मजदूरों से जानकारी लेने पर जानकारी मिली कि वे शासन से मदद न मिलने के कारण पैदल ही निकल चले हैं। वहीं मजदूर रामबरन मथुरा प्रसाद, जमुना प्रसाद रामरती ने जगदलपुर जिला प्रशासन पर आरोप लगाते कहा कि उन्होंने 3 मई को आवेदन किया था लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कह दिया कि वे अपनी व्यवस्था खुद देख ले। दूसरे राज्य और दूसरे जिलों से लॉक डाउन के कारण फंसे मजदूरों का काम बंद हो जाने से, यातायात ठप्प हो जाने एवं फर्म व कंपनी मालिक के द्वारा दूर दराज से काम करने आये, प्रवासी मजदूरों को पैसा ना देने के चलते, बहुत से मजदूर पैदल ही घर जाने को मजबूर हो रहे है, ऐसा ही मामला नगरनार की एक फर्म के द्वारा मजदूरों को बिना पैसा दिए और पैदल ही लगभग 700किमी उनके घर जाने के लिए छोड़ दिया गया।

मंत्री लखमा ने राहत दी, बेहाल पैदल मजदूरों को

जब यह बात उद्योग मंत्री कवासी लखमा को पता चली तो उन्होंने न सिर्फ मजदूरों का हाल पूछा बल्कि भोजन और पैसे की व्यवस्था भी करवाई साथ ही उनके ठेकेदार के ऊपर कोंडागांव जिला के सिटीकोतवाली थाना में एफआईआर करवाने के साथ ही मजदूरों को उनके घर तक सुरक्षित भेजने के लिए जिला कलेक्टर कोंडागांव को आदेशित किया।

ये है मामला

जानकारी अनुसार 8 मजदूर जिला सूरजपुर से नगरनार की जेएमसी कंपनी में काम करने के लिए आये हुए थे, व अगस्त 2019 से लगातार काम कर रहे थे, कोविड-19 के चलते जब सम्पूर्ण भारत मे लॉकडाउन किया गया, तब उनका काम बंद हुआ, और वह लॉक डाउन का पालन करते हुए, वही रुके रहे उनको खाना मिल रहा था लेकिन जब पैसा की बात आई तो कंपनी के मालिक ने सख्त मना कर दिया, और उनको जाने के लिए कह दिया, इस पर सभी मजदूर पैदल ही बिना पैसा के अपने घर को निकल पड़े थे। जिन्हें मीडिया कर्मियों से जानकारी मिलते ही कांग्रेस के जिला महामंत्री गीतेश गांधी ने भोजन की व्यवस्था मजदूरों के लिए करवाई।

गरियाबंद जिला कांग्रेस अध्यक्ष मिले सीएम से

■ कोरोना को लेकर किए जा रहे उपायों की दी जानकारी

नव प्रदेश संवाददाता

देवभोग। देश के कोने कोने में नोबल कोरेना वायरस से मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, तो वही पॉजिटिव मरीजो की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है। लेकिन भूपेश बघेल की रणनीति से छत्तीसगढ़ बेहतरीन मुकाम पर है, और अब तक जिस तरह राज्य के कई जिलों में कोरोना वायरस से अछूता है, वह आगे भी बना रहे इसके लिए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष से चर्चा का दौर भी शुरू कर दिया गया है। इसी तर्ज पर गरियाबंद जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष भावसिंह साहू के साथ मुख्यमंत्री निवास पर सीएम भूपेश बघेल करीब 15 मिनट तक जिले की वस्तु स्थिति को लेकर बारीकी से जानकारी लिया और साहू द्वारा अवगत कराए हुए समस्या निराकरण का भी आश्वासन दिया।

ये बताया साहू ने

जिला अध्यक्ष भाव सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि फिंगेश्वर छुरा, मैनपुर, गरियाबंद, सहित देवभोग ब्लॉक पर आंध्र प्रदेश तेलंगाना गोवा सहित अन्य राज्य से लौटने वाले करीब 6 हजार मजदूरों को चेकअप कर क्वॉरेंटाइन मैं रखने के लिए पूरी व्यवस्था प्रशासन द्वारा इंतजाम क्या गया है। इसके अलावा बाहर से आकर जिले में रुके 370 मजदूरों को भी खाना पीना रुकने सहित तमाम तरह की सुविधा दिया जा रहा है और आम जनता के सहयोग से चावल मार्क्स सैनिटाइजर की अपने अपने स्तर पर अच्छी खांसी इंतजाम किया गया है, छोटी से लेकर बड़ी समस्या से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई पड़ रहा है। बकायदा प्रवासी मजदूरों को जिला में जांच-पड़ताल कर क्वॉरेंटाइन केंद्र तक पहुंचाने के साथ खाना पीना का पुख्ता इंतजाम हो रहा है। इसके लिए जिला पदाधिकारियों ने अपनी निगाहें भी बनाई हुई है। साहू के साथ फिंगेश्वर जनपद अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू भी मौजूद रहे।

मस्टर रोल में चढ़ाई जा रही फर्जी हाजिरी

नव प्रदेश संवाददाता

मालखरौदा। ब्लाक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कुधरी में रोजगार गारंटी के तहत बड़े बनधान तालाब व एक अन्य तालाब में गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। लेकिन देखने में आ रहा है रोजगार सहायक द्वारा फर्जी हाजिरी चढ़ाया जा रहा है मजदूरों द्वारा कार्य किया कि नहीं गया है और मस्टर रोल में दर्ज नामों के सामने उपस्थिति चढ़ाई बगैर ही हस्ताक्षर कराया जा रहा है। 11 तारीख को लता डनसेना रोजगार सहायक द्वारा बताया गया कि 240 मजदूरों का मास्टर रोल निकला है लेकिन मौके पर केवल 90 के लगभग मजदूर कार्य कर रहे थे और तो और मौके पर 4 मेट की जगह दो ही दिखाई दे रहे थे। इसी प्रकार ड्रेसर दिखाई नहीं दे रहे थे ,ना तो छाया की व्यवस्था किया गया था यहां तक कि छोटे-छोटे बच्चों से भी रोजगार गारंटी का कार्य कराया जा रहा था। जिसे ना तो मेट रोक रहे थे ना रोजगार सहायक और बाल मजदूर कानून का धज्जियां उड़ा रहे थे।

बड़ा सवाल है ये

सवाल यह है कि जब आधे से कम मजदूर कार्य के लिए पहुंच रहे हैं तो वैसे भी बड़ी संख्या में मजदूरों का मस्टरोल निकालना कहीं कोई बड़ी गड़बड़ी की ओर इशारा कर रहा है। नियमतः जिन मजदूरों द्वारा लिखित और मौखिक में कार्य की मांग किया जाता है उन्हीं का ई मस्टर रोल बनाया जाता है। लेकिन यहां की 240 मजदूरों का ई मस्टर रोल निकाला गया है लेकिन मौके पर मजदूर आधे से भी कम दिखाई दे रहे हैं ऐसे में कई तरह के सवाल उठना लाजमी है क्योंकि रोजगार सहायक द्वारा उपस्थित कई लोगों से मस्टर रोल में हस्ताक्षर करा लिया गया है जबकि उनका हाजरी भरा ही नहीं गया।

240 मजदूरों का मास्टर रोल निकला है। आज 90 के लगभग मजदूर कार्य करने पहुंचे हैं। मास्टर रोल मजदूरों द्वारा हस्ताक्षर कर दिए हैं हाजिरी एक साथ भरा जाएगा, गड़बड़ी जैसी कोई बात नहीं है।

लता डडसेना, रोजगार सहायक कुधरी

मस्टररोल में उपस्थिति चढ़ाये बगैर ही हस्ताक्षर कराया गया है, इसके बारे में जानकारी लिया जाएगा। गड़बड़ी पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सत्येंद्र पटेल, कार्यक्रम अधिकारी

नक्सलियों की मदद करने का वाला 12वां आरोपी गिरफ्तार

■ एसआईटी की कार्रवाई

■ नक्सलियों को नगदी सहित अन्य सामनो की सप्लाई का है आरोप

नव प्रदेश संवाददाता

कांकेर। बीते कुछ दिनों में जिला पुलिस को नक्सलियों की मदद करने वालो के खिलाफ मुहिम में अब तक के सबसे बड़े सप्लायर को पकड़ने में बडी कामयाबी मिली है। एसआइटी ने नक्सलियों को नगदी रकम देने और सामान के लिए पैसे फाइनेंस करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के मुताबिक लैंडमार्क कंपनी के मालिक निशांत जैन को बिलासपुर से गिरफ्तार किया गया है. निशांत जैन 600 करोड़ की संपत्ति का मालिक है। जो की धुर नक्सल प्रभावित इलाकों में सड़क निर्माण का मुख्य ठेकेदार है।जो दूसरे ठेकेदारों को 'पेटी कॉन्ट्रैक्ट' में सड़क निर्माण का कार्य देता था। नक्सलियों के शहरी नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी एसआईटी की टीम ने मामले में 12वीं गिरफ्तारी की है।इससे पहले पकड़े गए आरोपियों से पुलिस को लैंडमार्क इंजीनियर कंपनी के मालिक निशांत जैन की ओर से नक्सलियों की मदद करने की पुख्ता जानकारी और सबूत मिले थे, जिसके बाद से ही निशांत जैन फरार था।

ये बताया पुलिस अधीक्षक ने

काँकेर पुलिस अधीक्षक एम आर अहिरे ने बताया की बुधवार को एसआईटी की टीम को निशांत के बिलासपुर में होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद टीम ने दबिश देकर उसे धर दबोचा। बताया जा रहा है की निशांत जैन जिले के सभी नक्सल प्रभावित इलाका कोयलीबेड़ा,आमाबेड़ा सिकसोड़, रावघाट, ताड़ोकी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का ठेका अपनी कंपनी लैंडमार्क इंजीनियर के नाम से लिया था और पेटी ठेका के जरिए राजनांदगांव के अजय जैन, कोमल वर्मा, तापस पालित के माध्यम से काम करा रहा था. साथ ही इनके माध्यम से ही इलाके में काम करने में बदले में नक्सलियों तक नगदी रकम और जरूरत के समान पहुंचाने का काम करता था, जिसके बदले में नक्सली इसकी कंपनी के कार्य में कोई बाधा नहीं डालते थे, निशांत जैन ऐसे ही इलाकों में काम कर चंद वर्षों में ही करोड़ों की संपत्ति का मालिक बन बैठा था। दिल्ली के गुरुग्राम का मूल निवासी है आरोपी निशांत।

कम समय में करोड़ों का आसामी

निशांत जैन मुख्य रूप से गुरूग्राम का रहने वाला है, जो काम की तलाश में 2001-2002 में छतीसगढ़ आया था, जो 20 साल में 600 करोड़ की संपत्ति का मालिक बन गया, निशांत अपने फायदे के लिए नक्सलियों की पिछले कई वर्षों से मदद कर रहा था. पुलिस को अभी निशांत के भाई वरुण की भी तलाश है।

लगातार गिरफ्तारी से बैकफुट पर नक्सली - एसपी

एसपी एमआर अहिरे ने बताया कि 'नक्सलियों का एक बहुत बड़ा नेटवर्क टूटा है, जिससे उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है'. एसपी ने बताया कि 'निशांत जैन अपने साथियों के माध्यम से ही नक्सलियों के संपर्क में आया, जो अंदरूनी इलाकों में काम करने के बदले में नक्सलियों तक नकदी रकम और सामान के लिए पैसे देने का काम कर रहा था. मामले में अभी और भी गिरफ्तारी हो सकती है।

डिजी पे सखी भुगतान में बिलासपुर अग्रणी, देश के टॉप 5 जिलों में हुआ शामिल

जिले के वीएलई सर्वाधिक ट्रांजेक्शन कर देश में रहे पहले नंबर पर

बिलासपुर। लॉकडाउन के दौरान माह अप्रैल में डिजी पे सखी भुगतान में बिलासपुर जिला देश के शीर्ष 5 जिलों में शामिल रहा। वहीं जिले के ग्राम स्तरीय उद्यमी,वीएलई सर्वाधिक ट्रांजेक्शन कर देश में पहले नंबर पर रहे।

शासकीय योजनाओं की राशि के डिजिटल भुगतान में बिलासपुर जिले ने पूरे देश में शीर्ष पांच जिलों में शामिल होकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर डॉ. संजय अलंग ने इसके लिए डीजी पे सखी और ग्राम स्तरीय उद्यमियों को बधाई दी है और कहा है कि कोरोना की रोकथाम में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

कोरोना संक्रमण के दौरान लॉकडाउन के चलते लोग जब घरों से नहीं निकल पा रहे हैं। तब उनकी जरूरतों के लिए बैंक से राशि ले जाकर डिजी पे सखी और ग्राम स्तरीय उद्यमी (वीएलए) उनके घर पहुंचा रहे हैं। जिले में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत स्व सहायता समूह की 109 महिलायें सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) से डीजी पे सखी के रूप में पंजीकृत हैं साथ ही ग्राम स्तरीय उद्यमी भी पंजीकृत हैं जिन्हें सीएससी आईडी प्रदान की गई है। इनके द्वारा ग्राम स्तर पर ही कोरोना महामारी से बचाव के लिए सोशल

डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए ग्रामीणों को मनरेगा, पेंशन, जन-धन, किसान सम्मान निधि, अनुदान एवं अन्य राशि के भुगतान की बैंकिंग सुविधाएं उनके घरों में ही उपलब्ध कराई जा रही है ताकि लोगों को राशि आहरण हेतु बैंक तक नहीं जाना पड़े। डीजी पे सखी और वीएलई मोबाइल और फिंगर प्रिंट डिवाइस लेकर घरों-घर पहुंचते हैं और उन्हें बैंकों में जमा उनकी राशि का नगद भुगतान करते हैं। जिला पंचायत द्वारा प्रत्येक डीजी सखी को एक हजार रुपये का मानदेय दिया जा रहा है। प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर उन्हें 15 रुपये तक कमीशन प्राप्त हो रहा है।

जिले में अप्रैल 2020 में सर्वाधिक 2 करोड़ 54 लाख रुपये के 22 हजार 277 ट्रांजेक्शन डिजी पे सखी एवं वीएलई के माध्यम से किये गये। यह ट्रांजेक्शन देश में चौथे स्थान पर है। गौरेला के कोरजा निवासी वीएलई मिथिलेश कुमार ने सर्वाधिक 1024 ट्रांजेक्शन कर 64 लाख 55 हजार का भुगतान डीजी पे के माध्यम से किया है, जिसका जिले को चौथे स्थान पर लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अतिरिक्त ग्राम लिमतरा मस्तूरी की डिंडेश्वरी सिंह ने 598 ट्रांजेक्शन कर 7 लाख 50 हजार का भुगतान किया। ग्राम कोरजा, गौरेला की लक्ष्मी वर्मा 534 ट्रांजेक्शन कर हितग्राहियों को 6 लाख का भुगतान किया। बिल्हा ब्लॉक के ग्राम उरतुम की कला लहर्षे ने 438 ट्रांजेक्शन कर 4 लाख 85 हजार का भुगतान किया।

डीजी पे सखी एवं ग्राम स्तरीय उद्यमी सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक अपने कार्य में लगे रहते हैं। इसका सर्वाधिक लाभ उन लोगों को मिल रहा है जो वृद्ध, अशक्त अथवा दिव्यांग हैं। इनकी सक्रियता से कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लागू किये गये लॉकडाउन में भी लोगों को परेशानी नहीं हो रही है और घरों पर ही शासन की योजनाओं की राशि का भुगतान प्राप्त कर रहे हैं। जिले के 1350 सीएससी सेंटर्स के माध्यम से यह योजना चलाई जा रही है।